



Raashii Khanna Introduces...

## SARAFI

सोना	: 6,795
चांदी	: 94.05

(नोट : सोना 22 केरेट प्रति ग्राम)

## BRIEF NEWS

रविंद्र जडेजा ने टी-20 क्रिकेट को कहा अलविदा

**NEW DELHI :** रविंद्र को भारत के अनुभवी हरफनमौला क्रिकेटर रविंद्र जडेजा ने भी विश्व कप जीतने के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा की तरह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फील्डरों में शुमार जडेजा ने कहा कि वह टेस्ट और वनडे खेलते रहेंगे। श्रीलंका के खिलाफ 2009 में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले जडेजा ने 74 मैचों में 515 रन बनाए और 54 विकेट लिये हैं। पैंतीस साल के जडेजा ने इस्टाग्राम पर टी-20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी तस्वीर डालकर लिखा, 'मैं पूरी कुतज्जा के साथ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले रहा हूँ। गर्व से सरपट दीड़ने वाले दृढ़ घोड़े की तरह मैंने हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देश को दिया है और बाकी प्रारूपों में आगे भी देता रहूँगा। उन्होंने कहा, 'टी-20 विश्व कप जीतना सपना सच होने जैसा था। यह मेरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का शिखर था। यादों, हौसलाअफजाई और समर्थन के लिये धन्यवाद। जय हिंद।

इराक की अल-नूरी मस्जिद में मिले 5 बम

**NEW DELHI :** इराक के उत्तरी शहर मोसुल की अल-नूरी मस्जिद में 5 बड़े बम बरामद हुए हैं। आतंकी संगठन आईएसआईएल (आईएसआईएल की शाखा) ने ये बम दीवार में गाड़ रखे थे। अलजजैरा के मुताबिक, इन बमों का वजन 1.5 किलोग्राम है। इनमें से एक को दीवार से निकाल दिया गया है, जबकि बाकी बमों को धटाने की कोशिश की जा रही है। 2017 में तबाह हुई मस्जिद को दोबारा बनाने में जुटे यूनेस्को ने बताया कि बम बाद में बनाई गई एक दीवार में लगाए गए थे। इनकी जानकारी मिलते ही इराक के अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। बम हटाए जाने तक सभी लोगों को मस्जिद के परिसर से हटा दिया गया है। दरअसल, जुलाई 2014 में इस्लामिक स्टेट के चीफ अबु बक्र अल-बागदादी ने अल-नूरी मस्जिद पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद आतंकी संगठन ने इराक और सीरिया के बड़े हिस्से को अपने कंट्रोल में ले लिया था।

## चुनाव के कारण 4 महीने बाद प्रधानमंत्री मोदी ने की 'मन की बात'

**AGENCY NEW DELHI :** रविंद्र को प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 4 महीने बाद रेडियो प्रोग्राम 'मन की बात' की। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव, हूल दिवस, रथयात्रा-अमरनाथ यात्रा, कुवैत रेडियो के हिंदी शो, लोकल प्रोडक्ट्स, पर्यावरण दिवस और योग दिवस पर बात की। पीएम ने 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलंपिक में जाने वाली भारतीय टीम को शुभकामनाएं दी और कहा कि इस बार ओलंपिक में कुछ चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। खिलाड़ी भी अलग लेवल का रोमांच दिखाएंगे। इस दौरान पीएम ने झारखंड के गोड्डा के पोडियाहाट प्रखंड के डांडे गांव की 28 साल की नव उम्रि प्रेरणा मिश्रा से बातचीत भी की। इससे पहले मन की बात 110वां एपिसोड फरवरी में टेलिकारट हुआ था। तब पीएम ने कहा था कि राजनीतिक मर्यादा के चलते लोस चुनाव के दौरान 3 महीने मन की बात का प्रसारण नहीं होगा।

## लोकसभा चुनाव, हूल दिवस, रथयात्रा-अमरनाथ यात्रा, कुवैत रेडियो के हिंदी शो, लोकल प्रोडक्ट्स, पर्यावरण दिवस और योग दिवस पर की चर्चा



## देशवासियों और चुनाव आयोग को धन्यवाद

देशवासियों और चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि जनता ने सविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अटूट विश्वास दोहराया है। 2024 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें 65 करोड़ लोगों ने वोट डाले हैं। आदिवासियों के 'हूल दिवस' पर कहा कि यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के साहस से जुड़ा है इन्होंने विदेशी शासकों का विरोध किया था। साथ ही झारखंड के स्थान परगना से हजारों स्थानीय साधियों को एकजुट करके अंग्रेजों से 1855 में विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठाए थे।

## जनता के मुहों का उल्लेख नहीं : कांग्रेस

रविंद्र को कांग्रेस नेता पवन खंडा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में उन मुद्दों का जिक्र नहीं किया, जिनके बारे में लोग सुनना चाहते थे। प्रधानमंत्री द्वारा अपने तीखे कार्यक्रम में पहली बार मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद उन पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस के वीरिंडा पवन प्रमुख खंडा ने स्वागत किया कि उन्होंने नीट, रेल दुर्घटना या बुनियादी ढांचों के किराने का उल्लेख क्यों नहीं किया। खंडा ने कहा, उन्होंने (मोदी ने) नीट, रेलवे दुर्घटना या आदि दिन होने वाली बुनियादी ढांचों के किराने की घटनाओं के बारे में कुछ नहीं कहा, जिसके बारे में हम सुन रहे हैं।

## किसान का बेटा होने से उपराष्ट्रपति पद तक की वैकेंया नायडू की यात्रा प्रेरणादायी : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वैकेंया नायडू के 75वें जन्मदिन की पूर्व संख्या पर उनकी जीवन यात्रा पर आधारित तीन पुस्तकों का रविंद्र को विमोचन किया और आपातकाल के खिलाफ लड़ाई और केंद्रीय मंत्री तथा उपराष्ट्रपति के रूप में उनके योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री ने जिन पुस्तकों का विमोचन किया, उनमें पूर्व उपराष्ट्रपति की जीवनी वैकेंया नायडू - लाइफ इन सर्विस, सेलेब्रिटींग भारत - द मिशन एंड मेसेज ऑफ श्री एम. वैकेंया नायडू एज थर्टीन्थ वाइस प्रेजिडेंट ऑफ इंडिया और तेलुगु में चित्र वृत्तांत महानाता - लाइफ एंड जर्नी ऑफ श्री एम वैकेंया नायडू शामिल हैं। उन्होंने हाल में आपातकाल की 50वीं बरसी मनाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि नायडू आपातकाल के खिलाफ लड़ाई के दौरान लगभग 17 महीने जेल में भी रहे थे। मोदी ने आरोप लगाया कि देश के सविधान की छवि को धूमिल करके कांग्रेस ने आपातकाल लगाया था। मोदी ने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए



पुस्तकों का विमोचन किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि वह खुश हैं कि उन्हें पुस्तकों का विमोचन करने का अवसर मिला और उन्होंने विश्वास जताया कि पूर्व उपराष्ट्रपति की जीवनी लोगों को प्रेरित करेगी। उनके समेत पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं को नायडू से सीखने का अवसर मिला है।

## हूल दिवस : सामंती ताकतों को खदेड़ने के लिए 'विद्रोह' का एलान हेमंत ने भरी हुंकार, कहा- हम जेल-लाठी-फांसी से नहीं डरते

## PHOTON NEWS SAHIBGANJ :

रविंद्र को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सामंती ताकतों के खिलाफ विद्रोह का एलान करते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन 'ईडिया' पूरे देश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बाहर कर देगा। सोरेन ने साहिबगंज के भोगनाडीह में 'हूल दिवस' के मौके पर एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि जेल से उनकी रिहाई के बाद भाजपा घबरा गई है और उसके नेता फिर से उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा, झारखंड को क्रांतिकारियों की भूमि के रूप में जाना जाता है और हम जेल, लाठी या फांसी से नहीं डरते। 'हूल दिवस' हम सभी के लिए प्रेरणा का दिन है। अंग्रेजों के खिलाफ संधाल विद्रोह की तरह हम झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश से सामंती ताकतों को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए 'हूल दिवस' का एलान करते हैं।

## दावा- उनकी रिहाई से घबरा गई है भाजपा, फिर से की जा रही साजिश



दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हेमंत, चम्पाई सोरेन व अन्य।

## खनिज संपदा में यहां के लोगों को मिले हक

हेमंत सोरेन ने कहा कि ये लोग राज्य सरकार का कार्यकाल पूरा नहीं होने देना चाहते। हमने राज्य का बकाया पैसा मांगा, तो मुझे जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि अब ईडी-सीबीआई और जेल-फांसी से हमलोग डरने वाले नहीं हैं। आने वाले चुनाव में ऐसा परिणाम हमलोग देंगे

कि विकास की गति और बढ़ेगी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में हमलोग ऐसा कानून बनाएंगे कि खनिज संपदा में यहां के स्थानीय लोगों को हक मिलेगा। ये लोग हमारे जल, जंगल, जमीन को बेचना चाहते हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे।

## गठबंधन सरकार में तेजी से हो रहा है झारखंड का विकास : चम्पाई

झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि महागठबंधन (झामुमो, कांग्रेस, राजद) की सरकार में राज्य में तेजी से विकास हो रहा है। 50 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को सरकार पेंशन दे रही है। युवाओं को सरकारी नौकरी दे रहे हैं। राज्य में कई तरह की योजनाओं का संचालन हो रहा है।

## 30 सितंबर तक भ्रमण नहीं कर सकेंगे पर्यटक, बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था तीन माह के लिए बेटला नेशनल पार्क में एंट्री बंद

## PHOTON NEWS PLAMU :

झारखंड के प्रसिद्ध बेटला नेशनल पार्क में पर्यटकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) के निर्देश पर पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। इसके साथ ही बेटला नेशनल पार्क की सुरक्षा-व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। बरसात के कारण 1 जुलाई से 3 महीने के लिए हर साल पलामू टाइगर रिजर्व में नो एंट्री लगा दी जाती है। अब 30 सितंबर तक बेटला नेशनल पार्क का भ्रमण पर्यटक नहीं कर सकेंगे। पार्क में उनके प्रवेश पर पूरी तरह से रोक रहेगी। 1 अक्टूबर से बेटला नेशनल पार्क पर्यटकों के लिए फिर से खोला जाएगा।



## 6000 हिरण समेत अन्य जानवर लेंगे चैन की सांस

बेटला नेशनल पार्क के बंद रहने से पार्क के अंदर मौजूद जंगली जानवरों को सुकून मिलता है। दर्जनों वाहनों के आवागमन से जंगली जानवर स्वतंत्र रूप से जंगल में विचरण करने में स्वयं को असह्य महसूस करते हैं। प्रजनन काल के दौरान उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। बेटला नेशनल पार्क में 6000 हिरण सहित इतनी ही संख्या में बंदर, लंगूर, बाघरान, हाथी, तेंदुआ, लकड़बग्घा, जंगली बोर सहित कई अन्य जंगली जानवर मौजूद हैं। पार्क बंद होने से पर्यटक तो जंगली जानवरों का दबीर नहीं कर सकेंगे, लेकिन जानकर बरतते हैं कि इससे जंगली जानवरों को काफी राहत मिलेगी।

## खुले रहेंगे रेस्ट हाउस

बेटला नेशनल पार्क को 3 महीने के लिए बंद किया जा रहा है, लेकिन इस दौरान यदि कोई सैलानी बेटला पहुंचता है, तो वह रेस्ट हाउस में ठहर सकता है। बेटला में वन विभाग के सभी रेस्ट हाउस खुले रहेंगे। केटीन भी खुले रहेंगे। लोग पलामू किला, केचकी संगम, मिरचईया डाल प्रपात सहित आसपास के दर्जनों पर्यटन स्थल का दौरा कर सकेंगे।

## लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 30वें सेना प्रमुख का संभाला कार्यभार



## AGENCY NEW DELHI :

रविंद्र को देश के 30वें सेना प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविंद्र को कार्य भार संभाल लिया। उन्होंने चार दशकों से अधिक राष्ट्र सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए वरिष्ठ सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे से कार्यभार संभाला। उन्होंने ऐसे समय में सीओएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है। साथ ही तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां और भी स्पष्ट होती जा रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी इसी साल 15 फरवरी को उप सेना प्रमुख नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वह 1 फरवरी, 2022 को सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ

## जंग के बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियों से होगा निपटना

● आधुनिक व उभरती प्रौद्योगिकियों की गहरी समझ रखते हैं जनरल द्विवेदी

बनाए गए थे। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल और अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सैनिक स्कूल रक्षा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के छात्र रहे हैं। उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से जम्मु और कश्मीर राइफलर्स की 18वां बटालियन में नियुक्त किया गया था।

## देश में आज से लागू हो जाएंगे नए क्रिमिनल लॉ

**NEW DELHI :** देशभर में एक जुलाई से नए क्रिमिनल लॉ लागू हो जाएंगे। एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू किए जाएंगे। नए क्रिमिनल लॉ में 33 ऐसे अपराध शामिल होंगे, जिनमें जेल की सजा बढ़ाई गई है। 23 ऐसे अपराध हैं, जिनमें अनिवार्य सजा शुरू की गई और 83 अपराधों में जुमाना बढ़ाया गया है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में 511 धाराएं थीं, लेकिन भारतीय न्याय संहिता में धाराएं 358 रह गई हैं। आपराधिक कानून में बदलाव के साथ ही इसमें शामिल धाराओं का क्रम भी बदल जाएगा। नए क्रिमिनल लॉ लागू होने से हत्यारों को 302 नहीं 101 में सजा मिलेगी। इसी तरह कई ऐसे धारा हैं, जिनकी पहचान बदल जाएगी। दंड प्रक्रिया संहिता यानी सीआरपीसी की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने ले ली है।

## अमरनाथ यात्रा पहले दिन 14 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा बफार्नी के किए दर्शन

## बेस कैंप से रवाना हुआ 6619 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था

## AGENCY ANANTNAG :

रविंद्र को अमरनाथ यात्रा का दूसरा दिन था। 6619 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था रविंद्र को जम्मू के मंगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ। तीसरे जत्थे में 1141 महिलाएं शामिल हैं। ये सभी सुबह 3-50 बजे, 319 गाड़ियों से रवाना हुए। अंबतक 3838 यात्री चंदनवाड़ी, पहलवान स्ट से जबकि 2781 यात्री बालटाल स्ट से हिम-शिवलिंग के दर्शन करने निकले हैं। बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए हर साल होने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो गई। पहले दिन 14 हजार यात्रियों ने अमरनाथ गुफा में बाबा बफार्नी के दर्शन किए। 52 दिन की यात्रा 19 अगस्त को खत्म होगी। 28 जून को 4603 तीर्थयात्री कश्मीर घाटी के बालटाल और पहलवान बेस कैंप पहुंचे थे। 231 गाड़ियों में सवार होंकर जम्मू के मंगवती नगर यात्री बालटाल बेस कैंप से सीआरपीएफ की थी लेयर सुरक्षा के बीच वह जत्था रवाना हुआ था।



## यात्रियों को ले जा रही कार का एक्सीडेंट झारखंड के दो यात्री गंभीर रूप से घायल

यात्रियों को ले जा रही एक कार का पहलगाम के पास चंदनवाड़ी में एक्सीडेंट हो गया। इसमें दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान झारखंड के विजय मंडल और गुरुरा देवी के रूप में हुई है। बीएसएफ ने दोनों के लिए डीआरडीओ अस्पताल ले आई। इसके बाद उन्हें अंततः गेजेट की जीएमसी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दोनों की हालत गंभीर बताई गई है।

## गिरिडीह में अचानक भरभरा कर गिर गया बन रहे पुल का गर्डर



बारिश के कारण गिरा पुल का गर्डर।

## PHOTON NEWS GIRIDIH :

रविंद्र को झारखंड के गिरिडीह जिले में अरगा नदी पर निर्माणाधीन पुल का एक गर्डर भारी बारिश के कारण अचानक भरभरा कर गिर गया। एक पिलर भी झुक गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना झारखंड की राजधानी रांची से 235 किलोमीटर दूर देवरी प्रखंड में हुई। यह पुल दुबरीटोला और करिहरी गांव को जोड़ने के लिए फतेहपुर-भेलवाघाटी मार्ग पर बनाया जा रहा है। गिरिडीह से सड़क निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता विनय कुमार ने बताया, पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है। शनिवार रात भारी बारिश के कारण पुल का सिंगल-स्वैच गर्डर गिर गया और एक पिलर झुक गया। ठेकेदार को

- खास बातें**
- दुबरीटोला-करिहरी गांव को जोड़ने के लिए फतेहपुर-भेलवाघाटी मार्ग पर खन रहा पुल
  - झारखंड के कई जिलों में जमकर बरसात पानी
  - अब पूर्ण रूप से दिखने लगा मानसून का असर
  - लोगों को गर्मी से मिली राहत
  - अधिकतर शहरों का तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड के नीचे

उस हिस्से को दोबारा बनाने के लिए कहा गया है। हालांकि, उन्होंने पुल के निर्माण की लागत के बारे में नहीं बताया।

## 5 करोड़ की लागत से बन रहा पुल

सूत्रों ने बताया कि लगभग पांच करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण किया जा रहा है और यह झारखंड के गिरिडीह और बिहार के जमुई जिले के दूरदराज के गांवों को जोड़ेगा। एक अन्य अभियंता ने बताया कि करीब एक हफ्ते पहले गर्डर को तैयार किया गया था और इसमें मजबूती आने के लिए कम से कम 28 दिन का समय लगता है। स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार तेज बारिश के दौरान

शनिवार की रात तकरीबन आठ बजे पाया टूटा ही गया था। इस बीच तेज आवाज के साथ निर्माणाधीन पुल का गर्डर टूटकर नदी में गिर गया। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों में रहने वाले लोग डर गए। जानकारी के मुताबिक यह निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल गिरिडीह के द्वारा इस पुल का निर्माण साढ़े पांच करोड़ की लागत से हो रही थी। पुल के काम की जिम्मेदारी एजेंसी ओम नमः शिवाय केरुदकान को मिला था।

## 3 टियर सुरक्षा, सुरक्षाबलों की 38 से ज्यादा कंपनियां तैनात

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तीर्थयात्रियों को रवाना किया था। 29 जून को यात्रा के दूसरे जत्थे में 1881 तीर्थयात्री शामिल थे। इनमें 427 महिलाएं और 294 साधु शामिल थे, जो सुरक्षा बलों की निगरानी में दो अलग-अलग कॉफियों में 200 गाड़ियों से बालटाल-पहलवान स्ट से यात्रा के लिए निकले थे। यात्रा अंततः गेजेट परंपरिक 48 किमी लंबे नुबान-पहलवान मार्ग और गांदरखल में 14 किलोमीटर छूटे, लेकिन कठिन बालटाल मार्ग से गुजरेंगी। अंततः गेजेट में 3 हजार 880 मीटर ऊंचाई पर स्थित बाबा बफार्नी के दर्शन करेंगे। इस साल

अमरनाथ यात्रा के लिए 3.50 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जम्मू-कश्मीर के रियासती 9 जून को श्रद्धालुओं की बस पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इस घटना को देखते हुए सुरक्षा के पख्ता इंतजाम किए गए हैं। दोनों रुट के हाई सिक्वैरिटी पॉइंट्स पर पुलिस की 13, एसडीआरएफ की 11, एनडीआरएफ की आठ, बीएसएफ की चार और सीआरपीएफ की दो टीमें की तैनाती है। साथ ही पैरामिलिट्री की 635 कंपनियां तैनात हैं। टैफिक निगरानी के लिए उधमपुर से बनिहाल तक 10 हाई-एंड कैमरे लगाए हैं।

# हूल क्रांति के जनक सिदो-कान्हू को 'माटी' ने किया नमन

**PHOTON TEAM RANCHI :** हूल क्रांति के जनक सिदो-कान्हू को कृतज्ञ राष्ट्र ने याद किया। 30 जून 1855 को मौजूदा साहेबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में वीर सिदो-कान्हू और चांद-भैरव के नेतृत्व में 400 गांवों के लगभग 50 हजार लोगों ने अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ जंग का बिगुल फूका था। उनके कुर्बानियों को नमन करते हुए हूल दिवस मनाया जाता है। रविवार को हूल दिवस के अवसर पर झारखंड के सभी जिलों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जगह-जगह जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों तथा शैक्षणिक संस्थानों की ओर से कार्यक्रम आयोजित किए गए।

## उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने सिदो-कान्हू को किया नमन



सिदो-कान्हू को नमन करते उपायुक्त रविशंकर शुक्ला • फोटोन न्यूज

**SARAIKELA :** सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने रविवार को सिदो-कान्हू पार्क स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसी क्रम में उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर एवं बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि 30 जून 1855 को संताल हूल दिवस वीर सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हुआ

था। इसका केंद्र झारखंड का संथाल परगना था। जल, जंगल जमीन और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए संथाल जनजाति के प्रतिरोध की यह सबसे बड़ी घटना थी, किंतु ब्रिटिश हुकूमत और महाजनी-जमींदारी शोषण के खिलाफ संतालों का यह अकेला विद्रोह नहीं था। उपायुक्त ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि तमाम शहीदों जिस भावना के साथ कार्य किया, उसी भाव से आप भी कार्य करें।

## डीसी व एसपी ने सिदो-कान्हू की मूर्ति पर किया माल्यार्पण



सिदो-कान्हू को नमन करती उपायुक्त नैन्सी सहाय • फोटोन न्यूज

**HAZARIBAG :** उपायुक्त नैन्सी सहाय और पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने पीडब्ल्यूडी चौक स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर हूल दिवस के अवसर पर माल्यार्पण कर उनके बलिदानों को याद किया। इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह एवं प्रशिक्षु आईएस लोकेश बारी मौजूद रहे। उपायुक्त ने कहा कि आदिवासी समाज, सभ्यता और अस्मिता के अस्तित्व की लड़ाई

को लेकर सिदो-कान्हू चांद भैरव के योगदानों को हमेशा याद रखा जाएगा। उपायुक्त ने युवाओं से अपील की कि वह शहीदों के बलिदान को याद रखें। अपनी माटी की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहें। झारखंड के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के योगदान को स्मरण करते हुए देश और समाज के विकास में अपना योगदान दें। राज्य के लोगों के उन्नति के लिए सबको मिलकर काम करना है।

## कांग्रेस पार्टी ने सिदो-कान्हू को अर्पित किए श्रद्धासुमन



माल्यार्पण करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर व अन्य

**RANCHI :** प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को हूल क्रांति दिवस पर सिदो-कान्हू पार्क में संथाल हूल के अमर नायक सिदो-कान्हू की प्रतिमा और कांग्रेस भवन में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने झारखंड के महान सपूत सिदो-कान्हू और चांद-भैरव को याद किया। इस दौरान शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया।

इस मौके पर महासचिव अमूल नीरज खलको, मदन मोहन शर्मा, सतीश पाल मुजनी, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह, कमल ठाकुर, रमा खलको, गौतम उपाध्याय, राकेश किरण महतो, अजय सिंह, एनुल हक, रमेश पांडे, चंदन बैठा, मनोज कुमार महतो, गुलजार अहमद, सुरेन राम, हृदय आनंद यादव, जगन्नाथ साहू, अर्चना मिर्धा शिवटहल नायक सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

## हूल विद्रोह सबसे बड़ी क्रांति इसे भुला नहीं सकते: सुदेश



माल्यार्पण करते आजसू अध्यक्ष सुदेश महतो व अन्य

**RANCHI :** आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि अंग्रेजी सरकार की गलत नीतियों और महाजनी प्रथा के विरोध में हुए हूल विद्रोह ने देश में आजादी की लड़ाई का शंखनाद किया था। हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति है। इसे भुलाया नहीं जा सकता। सुदेश कुमार महतो रविवार को जोन्हा में हूल दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संताल हूल के महानायक सिदो

कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करने के दौरान बोल रहे थे। महतो ने कहा कि संताल हूल के दौरान वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हजारों क्रांतिकारियों ने अपनी शहादत दी। इतिहास के पन्नों में उन सभी वीर शहीदों को उचित स्थान दिलाने के लिए हम सभी को आगे आने होगा। हमारा उद्देश्य इन वीरों की गाथा को राज्य ही नहीं, बल्कि देश के हर एक व्यक्ति तक पहुंचाना है।

## शहीदों को सम्मान और उनके परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी है झामुमो: अश्विनी

**PHOTON NEWS RANCHI :** हूल दिवस पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला समिति ने रविवार को कांके रोड स्थित सिदो-कान्हू पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। झामुमो जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने कहा कि झारखंड के तमाम शहीदों को सम्मान और शहीद के परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी एक मात्र झामुमो ही है। हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में हूल क्रांति के महानायकों, शहीदों एवं शहीदों के परिजनों की सुध ली गई। सभी



माल्यार्पण करते झामुमो के नेता • फोटोन न्यूज

शहीद स्थलों का सौंदर्यकरण किया गया। छूटे हुए शहीद स्थलों को सौंदर्यकरण करने के लिए मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन अग्रसर हैं। कार्यक्रम में जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार

मेहता हेमू, केन्द्रीय सदस्य समनुर मंसुरी, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, रामानंद बेदिया, कलाम आजाद, डॉ तालकेश्वर महतो सहित अन्य शामिल थे।

## केंद्रीय सरना समिति ने हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को किया याद



माल्यार्पण करते केंद्रीय सरना समिति के सदस्य • फोटोन न्यूज

**RANCHI :** हूल दिवस पर रविवार को केंद्रीय सरना समिति और चट्टी सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कांके रोड स्थित

सिदो कान्हू पार्क में सिद्ध कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। कहा कि हूल क्रांति को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

## हूल दिवस पर सेंगेल ने डीसी ऑफिस पर दिया धरना, राष्ट्रपति से रखी मांग

**JAMSHEDPUR :** हूल दिवस पर आदिवासी सेंगेल अभियान ने उपायुक्त कार्यालय के सामने रविवार को धरना दिया। इसी क्रम में उन्होंने राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया, जिसमें संथाली भाषा और आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए विभिन्न मांगों का उल्लेख किया गया है। पत्र की प्रतिलिपि राज्यपाल को भी भेजी जाएगी। कहा गया कि संगठन अपने अधिकारों के लिए सतत संघर्ष करेगा। धरने पर केंद्रीय सेंगेल



धरना देते सेंगेल अभियान के सदस्य

संयोजक बिमो मुर्मू, सोनाराम सोरेन, डॉ. सोमाय सोरेन, सीताराम माझी, उदय मुर्मू, मंगल आलदा, मंगल पाड़ेया, ईलीशा पाड़ेया, मोसो हांसदा, अर्जुन मुर्मू, सनत

बास्के, चुनाराम माझी, मार्शल टुडू, जितेन सोरेन, हेमलाल मुर्मू, किशुन हांसदा, हजम मुर्मू, जयललिता टुडू, प्रेमशीला मुर्मू, मुनीराम हेन्थाम आदि बैठे थे।

## फर्जी तरीके से करते थे ऑनलाइन लेन-देन, पुलिस ने तीन को भेजा जेल

**KATRAS :** साइबर अपराध के मामले में झारखंड के कई शहरों के नाम सामने आने लगे हैं। जामताड़ा के अलावा देवघर और जमशेदपुर सहित कई शहर से भी साइबर अपराध को अंजाम दिया जा रहा है। साइबर अपराध से जुड़े मामले को लेकर कतरास की जोगता थाने की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ऑनलाइन रकम भुगतान के नाम पर फजीवाड़ा करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल : ऑनलाइन भुगतान के नाम पर फजीवाड़ा करने के मामले में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जिन आरोपियों को जेल भेजा गया है, उनमें नया श्याम बाजार निवासी रजनीश पांडेय, नवीन कुमार पांडेय तथा गौरीशंकर साव शामिल हैं। तीनों को जोगता, तदुलसारी तथा लोयाबाद थाने की पुलिस ने संयुक्त रूप से छापामारी कर गिरफ्तार किया था।

## प्रकल्प को सामाजिक जागरण का भी केंद्र बनाना चाहिए : सुशील

**PHOTON NEWS LOHARDAGA :** वनवासी कल्याण केन्द्र श्रीहरि वनवासी विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में रामकली देवी सरस्वती शिशु मंदिर में रविवार को संकुल प्रमुख प्रधानाचार्य की बैठक हुई। प्रान्त सह संगठन मंत्री सुशील मरांडी ने कहा कि हम सब संगठन के कार्यकर्ता हैं, हममें संगठन का भाव हमेशा जागृत रहनी चाहिए। प्रकल्प को शिक्षा के अलावा सामाजिक जागरण का केंद्र बनाना चाहिए। अपने प्रकल्प में कार्यक्रमों के माध्यम से जनजाति समाज को जोड़ते हुए उनकी धर्म संस्कृति परंपरा को संरक्षण एवं संवर्धन करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। स्थानीयता को बढ़ावा देते हुए लोक कला का भी संरक्षण करना चाहिए। प्रांत शिक्षा प्रमुख सुभाष



कार्यक्रम में मंच पर मौजूद अतिथि • फोटोन न्यूज

चन्द्र दुबे ने संकुल प्रमुख के कार्य दायित्व, उनकी सक्रियता, कार्यों की स्पष्ट जानकारी व कार्य विभाजन, संपर्क, संवाद, प्रशिक्षण, आगामी व सम्पन्न कार्यक्रम, कार्यक्रमों में जिला समिति की भूमिका, संकुल प्रमुख प्रवास, निर्माण कोचिंग, त्रिवर्षीय कार्य योजना के सप्त बिंदु, लोक कला, मासांत बैठक का स्वरूप, पत्रिका, विद्यालय इतिहास एवं

उपलब्धि, संकुल स्तर पर कार्यक्रम, कार्य योजना, गणित विज्ञान मेला, कार्यों की समीक्षा, कार्यालय व्यवस्था, प्रतिभा विकास शिविर, अकेक्षण, संस्कृति ज्ञान परीक्षा, वृक्षारोपण, वस्तु संग्रह पंजी, जमीन संबंधी कागजात, गुरु पूर्णिमा समर्पण दिवस, कालांश, रिपोर्टिंग, डॉक्यूमेंटेशन, मातृ भारती का गठन आदि विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

## चतरा में कोल वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा, मौत

**CHATRA :** चतरा-हजारीबाग मुख्य पथ स्थित सलीमपुर मोड़ के पास अज्ञात कोल वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान सदर थाना क्षेत्र के पकरिया गांव निवासी उपेंद्र भारती और असहिबा गांव निवासी रवि भुइयां के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों शनिवार की देर शाम बाइक से चतरा की ओर आ रहे थे। इस दौरान दुर्घटना के शिकार हो गए। दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। राहगीरों ने इसकी जानकारी गिद्धीर थाना को दी। पुलिस ने रविवार को सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया। घटना की जानकारी पाकर परिसर गिद्धीर थाना पहुंचे। मृत युवकों के परिजनों ने वाहन चालक की पहचान कर कारवाई करने की मांग की।

## देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के बताए रास्ते पर चलें : बसंत

**PHOTON NEWS DUMKA :** संताल हूल दिवस पर दुमका में विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों की ओर से अमर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके बलिदान को याद किया गया। लोगों ने अमर शहीद सिदो कान्हू के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। दुमका में सिदो-कान्हू चौक स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के लिए सुबह से ही राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ छात्र-छात्राओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों का तांता लगा रहा। हूल दिवस के अवसर पर झारखंड सरकार के पथ निर्माण मंत्री सह स्थानीय विधायक बसंत सोरेन ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ दुमका के बड़ा बांध चौक स्थित सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

## भाजपो ने बिरसानगर में सिदो-कान्हू को अर्पित किए श्रद्धासुमन



**JAMSHEDPUR :** भारतीय जनता अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रकाश कोया के नेतृत्व में रविवार को बिरसानगर स्थित सिदो कान्हू चौक प्रतिमा स्थल पर हूल दिवस मनाया गया। इस मौके पर विधायक सरयू राय के अलावा जमशेदपुर महानगर जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, संजीव आचार्य, विकास गुप्ता, अभय सिंह, शंकर कर्मकार, जयप्रकाश सिंह, सुरज हेन्थम, नंदिता गगर्गाई, राजेन कुजूर, वासंत टुडू, अनिल गगर्गाई, पिंकी विश्वास, रंखा महानंदी, करमला बरला, सरस्वती खामरी, प्रसेनजित सिंह, आरपन मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

## भाजपा, जमशेदपुर महानगर ने हूल के नायकों की दी श्रद्धांजलि



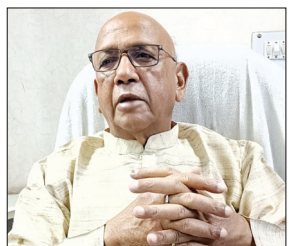
**JAMSHEDPUR :** भाजपा, जमशेदपुर महानगर की अनुसूचित जनजाति मोर्चा के तत्वावधान में रविवार को हूल दिवस मनाया गया। भुइयाडीह चौक स्थित हूल क्रांति के नायक सिदो-कान्हू की आदमकद प्रतिमा पर भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मौजूद कार्यकर्ताओं ने चांद-भैरव एवं फूलो-झानो के बलिदान को भी स्मरण किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा व गुंजन यादव के अलावा पवन अग्रवाल, सुरेश शर्मा, रमेश बास्के, रमेश नाग मौजूद रहे।

## सरयू राय ने कहा- विधायक निधि से स्वीकृत परियोजनाओं में आ रही बाधा दूर कराएं

# सूर्य मंदिर परिसर मामले में विधायक ने उपायुक्त को लिखा पत्र

**PHOTON NEWS JSR :** सिदो-कान्हू स्थित सूर्य मंदिर परिसर मामले में विधायक सरयू राय ने उपायुक्त को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने विधायक निधि से स्वीकृत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधा दूर कराने का आग्रह किया है। विधायक ने लिखा है कि सिदो-कान्हू में अवस्थित सूर्य मंदिर परिसर की चारदीवारी सांसद निधि से वर्ष 2020-21 में बनी थी। इसे सूर्य मंदिर समिति के लोगों ने इस वर्ष 12 अप्रैल को ध्वस्त कर दिया। इस बारे में विशेष पदाधिकारी, जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएससी) ने सिदो-कान्हू थाना प्रभारी को दोषियों के विरुद्ध विधिप्रसन्न कार्रवाई के लिए 15 अप्रैल को पत्र लिखा था। इस चारदीवारी के बाहर की सरकारी जमीन पर विभिन्न मठों

की सरकारी निधि से करीब 52 विकास परियोजना विगत दिनों क्रियान्वित की गईं, जिन्हें जेएनएससी ने सरकारी आदेश से हस्तगत कर लिया है। इन परिस्थितियों में सूर्य मंदिर उद्यान, जिसे अब शंख मैदान कहा जाता है, तथा इसके समीप बने दो बड़े तालाब शामिल हैं। इन परिस्थितियों के रखरखाव के लिए उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम ने एक संचालन समिति का गठन किया था। सूर्य मंदिर उद्यान, तालाबों एवं अन्य संरचनाओं का निर्माण उप विकास आयुक्त, जमशेदपुर के पर्यटन विभाग, झारखंड सरकार से प्राप्त 17,87,700 रुपये के योजना परियोजना आवंटन से किया गया। पुनः इनका सुंदरीकरण कार्य पर्यटन विभाग की निधि (98,73,975 रु.) से वर्ष 2015-16 में किया गया। इसी कड़ी में मैंने अपने विधायक



सरयू राय

निधि से शंख मैदान और दो बड़े तालाबों के सुंदरीकरण एवं बच्चों के लिए सिंगल पैडल बोटिंग के लिए एक प्रस्ताव उपविभागा आयुक्त, पूर्वी सिंहभूम को भेजा, जिसकी स्वीकृति होकर क्रियान्वयन के लिए निधि विमुक्त हो गई। इसी बीच सूर्य मंदिर परिसर एवं शंख मैदान (पूर्ववर्ती सूर्य उद्यान) के बीच निर्मित बाउंड्री वाल को सूर्य मंदिर समिति के लोगों ने ध्वस्त कर दिया, ताकि वे शंख मैदान और तालाब सहित समीपवर्ती अन्य संरचनाओं पर

अवैध कब्जा कर सकें। उपायुक्त द्वारा गठित एक जांच समिति के प्रतिवेदन के अनुसार सूर्य मंदिर सहित आसपास की समस्त संरचनाओं का निर्माण करीब 52 योजनाओं के मद में स्वीकृत सरकारी धनराशि से हुई है, जिनमें शंख मैदान, दो तालाब, चिल्ड्रेन पार्क, बच्चों के लिए स्विमिंग पूल शामिल हैं। जिस भूखंड पर वे संरचनाएं निर्मित हैं, वह 6 एकड़ से अधिक का है। इस भूखंड के एक छोर पर सूर्य मंदिर बना है, जो परिवहन विभाग की जमीन पर बना है और जिसके निर्माण में बड़ी मात्रा में सरकारी निधि व्यय हुई है। चंद्रगुप्त सिंह ने सरकारी जमीन पर कर लिया कब्जा : सरयू ने कहा कि इस भूखंड के दूसरे छोर पर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके चंद्रगुप्त सिंह नामक एक व्यक्ति ने अवैध भवन का

निर्माण कर लिया है। चंद्रगुप्त सिंह सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक भी हैं। ये चाहते हैं कि जिस तरह सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बाउंड्री तोड़कर शंख मैदान की जमीन पर कब्जा करना चाह रहे हैं और वहां मेरे द्वारा विधायक निधि से विकास कार्य न हो, इसके लिए 11 दिनों का धार्मिक अनुष्ठान शुरू कर दिया है। उसी तरह चंद्रगुप्त सिंह भी चाहते हैं कि उनके अवैध भवन के सामने की बाउंड्री तोड़कर वे भी 6 एकड़ के भूखंड पर कब्जा कर लें। जिला प्रशासन अब तक रहा असफल : सरयू राय ने उपायुक्त से कहा कि मेरे विधायक निधि से स्वीकृत परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विगत 10 महीने में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएससी) और जिला प्रशासन ने कई प्रयत्न किए। यहां तक कि मजिस्ट्रेट और पुलिस

बल की प्रतिनियुक्ति भी हुई, परन्तु सूर्य मंदिर के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और इसके संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह यहां विकास कार्य नहीं होने दे रहे हैं। इनकी नीयत है कि सूर्य मंदिर और श्री चंद्रगुप्त सिंह के अवैध भवन के बीच स्थित 6 एकड़ भूखंड पर ये कब्जा कर लें। उल्लेखनीय है कि यह भूखंड सरकारी है और इस पर निर्मित संरचनाएं सरकारी निधि से बनी हैं। उपायुक्त से अनुरोध है कि आप मेरे विधायक निधि से स्वीकृत उपर्युक्त योजनाओं को इस भूखंड पर शीघ्र क्रियान्वित कराएं। सूर्य मंदिर का विधिवत संचालन के लिए झारखंड राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड से आग्रह करें, सूर्य मंदिर समिति का निबंधन रद्द कराने के लिए कार्रवाई करें और इस भूखंड के एक छोर पर बने चंद्रगुप्त सिंह के अवैध भवन की जांच कराकर इस संबंध में विधिप्रसन्न कार्रवाई करें।

## खूंटी में हाथी ने वृद्धा को कुचलकर मार डाला

**PHOTON NEWS KHUNTI :** तोरपा, कर्रा, रनिया सहित अन्य प्रखंडों में जंगली हाथियों का खूनी खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। गजराजों ने रविवार को अहले सुबह लगभग पांच बजे रनिया थाना क्षेत्र के डिम्बुकल बड़का टोली गांव में सलोनो गुडिया (76) को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के संबंध में बताया गया कि सलोनो घर के बाहर आंगन की साफ-सफाई कर रही थी। उसी दौरान गोंडरा जंगल की ओर से पहुंचे एक हाथी ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वहाँ उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर रनिया थाना पुलिस, वन विभाग के कर्मों और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी सलोनो के परिजनों से ली। रनिया थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया। वन



विभाग द्वारा पीड़ित परिवार को 15 हजार रुपये की तत्काल मदद दी गई। साथ ही हाथियों को भगाने के उपकरण भी ग्रामीणों को सौंपे गये। जंगली हाथी के हमले के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। चार दशकों से जारी है जंगली हाथियों का आतंक : खूंटी जिले के कर्रा, खूंटी, तोरपा, रनिया और मुरुइ इन सभी छह प्रखंडों के ग्रामीण इलाकों में पिछले चार दशकों से जंगली हाथियों का आतंक जारी है। इस दौरान सैकड़ों लोग उनकी चपेट में आकर अपनी जान चोके हैं। लाखों रुपये की फसल और दुकान-मकान तोड़े गये।

**BRIEF NEWS**

**दो जुलाई से पुरी के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन**

**RANCHI :** रथ यात्रा को लेकर रेलवे ने ओडिशा के पुरी के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। इसको लेकर रेलवे की ओर से सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। रेलवे की ओर से चक्रधरपुर डिवीजन में तीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसमें से एक ट्रेन बादामपहाड़ स्टेशन से पुरी के बीच चलेगी। इस दौरान इस ट्रेन का ठहराव रायरगपुर, टाटानगर, घाटशिला और भद्रक में भी होगा। यह ट्रेन दो जुलाई से 19 जुलाई तक एक दिन छोड़कर चलेगी। वहीं दो ट्रेन दो जुलाई से 19 जुलाई तक राउरकेला और पुरी के बीच चलेगी, जिसमें से एक ट्रेन चक्रधरपुर होते हुए चलेगी। वहीं दूसरी ट्रेन झारसुगड़ा, संबलपुर होते हुए पुरी के लिए रवाना होगी।

**आरपीएफ ने एक नाबालिग को बचाया**

**RANCHI :** रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन फूड प्लाजा के पास एक नाबालिग को बचाया है। आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी दिगंजय शर्मा ने रविवार को बताया कि आरपीएफ पोस्ट रांची और नन्हें फरिश्ते टीम के जरिये ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत जांच के दौरान फूड प्लाजा के पास एक नाबालिग लड़की को देखा गया। उसे डरा सहमा देख उससे कारण पूछा गया तो वो ठीक से जवाब नहीं दे पाई। बाद में तमाम औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उसे सीडब्ल्यूसी रांची के समक्ष पेश किया गया और फिर सीडब्ल्यूसी के आदेशानुसार प्रेमाश्रय रांची को सौंप दिया गया।

**मुख्य अभियंता इंद्र मोहन चौधरी को दी गई विदाई**

**RANCHI :** राष्ट्रीय उच्च पथ उपभाग कार्यालय, रांची में रविवार को विदाई सह सम्मान समारोह में विभाग के मुख्य अभियंता इंद्र मोहन चौधरी के सेवानिवृत्ति पर उन्हें विदाई दी गई। समारोह में विभाग के अध्यक्ष अभियंता जयकान्त राम, कार्यपालक अभियंता मुना लाल, सरोज कुमार, उमेश सिंह, सुमन शेखर, रंजीत वर्णवाल, विनोद कच्छप, दिलीप शाह, बलराम नारुवार, विक्रम प्रताप सिंह, सेवानिवृत्त उमेश सिंह, सहायक अभियंता रामजीत उरांव, स्वाति उरांव, सिद्धि पासवान, आलोक कुमार समेत विभाग कनीय अभियंता और कर्मी मौजूद थे।

**डी. राजा ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत से की मुलाकात**

**RANCHI :** भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा सहित अन्य नेताओं ने रविवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। साथ ही जेल से पांच महीने के बाद बाहर आने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संविधान और सच्चाई की जीत हुई है। भाजपा के मंसूबों पर चोट हुई है। हेमन्त सोरेन के बाहर आने से इंडिया ब्लॉक मजबूत हुआ है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए एकजुट होकर चुनाव लड़ने का संकल्प ले। मुलाकात करने वाले नेताओं में पीके पांडेय, महेंद्र पाठक, अजय सिंह, केडी सिंह, कलम रशीदी और पुष्कर महतो सहित अन्य शामिल थे।

**सेक्स रैकेट का खुलासा : सिटी डीएसपी के नेतृत्व में की गई छापाकारी रेलवे स्टेशन के पास होटल के कोने-कोने से निकलीं लड़कियां**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

राजधानी रांची में एक बड़े सेक्स रैकेट का खुलासा किया गया है। रांची रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक होटल में बड़े पैमाने पर अनैतिक देह व्यापार का कारोबार चल रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर सिटी डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी की गई, जिसमें होटल से 10 लड़कियां पकड़ी गई हैं। राजधानी रांची में एक बड़े सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ है। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश कार्रवाई की गई है। रविवार को राजधानी के चूटिया थाना क्षेत्र स्थित होटल रॉयल रेजिडेंसी में हुई छापेमारी में 10 सेक्स वर्कर सहित 12 को शिकंजे में लिया गया है। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि अनैतिक देह व्यापार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है जैसे ही इसके बारे में सूचना मिल रही है उस पर कार्रवाई की जा रही है। रविवार को भी सटीक सूचना के आधार पर चूटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड में छापेमारी कर बड़े सेक्स रैकेट का



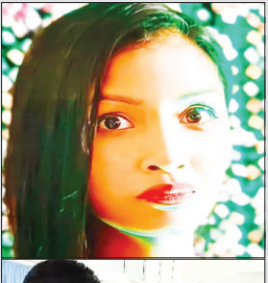
छापामारी करने पहुंची पुलिस की टीम। © फोटोन न्यूज

खुलासा किया गया है। इस मामले की जानकारी देते हुए सिटी डीएसपी केवी रमण ने बताया कि वरिय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी उसके बाद होटल रॉयल रेजिडेंसी में छापेमारी की गई। पुलिस को यह पुख्ता जानकारी मिली थी कि शहर के एक होटल से अनैतिक देह व्यापार का कारोबार किया जा रहा है। ग्राहकों को होटल में ही बुलाया जाता है और फिर उनके कमरे तक लड़कियों को भेजा जाता है। लड़कियों को रखने के लिए विशेष कमरा भी होटल में बनवाया गया था। पुलिस जब होटल में छापेमारी के लिए पहुंची तो होटल के कोने-कोने से लड़कियां निकाल कर भागने लगीं लेकिन पुलिस ने सभी को दबोच लिया। इनमें से ज्यादातर लड़कियां पश्चिम बंगाल की बताया जा रही हैं। पुलिस को इनके मोबाइल से कैश के लेने देने की जानकारी मिली है। वहीं पूछताछ में ये लड़कियां लगातार अपना बयान बदलती नजर आईं, जिसके बाद सभी को डिटेल किया गया है। पुलिस के द्वारा लड़कियों को पूछताछ के लिए महिला थाना ले जाया गया है।

**युवती ने चौथे तले से लगाई छलांग, मौत**

**RANCHI :**

हिंदीपट्टी थाना क्षेत्र के बड़ी मरिजद लेन की रहने वाली एक युवती ने प्रेमी से फोन पर बात हुए चौथे तले से छलांग लगा कर रविवार को अपनी जान दे दी। घटना के बाद प्रेमी ने ही अपने प्रेमिका को अंजुमन अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया है। मृत लड़की के परिजनों का कहना है की मृत आशुषा उर्फ सना और जावेद का लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस कारण दोनों की शादी भी तय हुई थी, लेकिन लड़के के घर वालों ने दहेज का लालच था, जिस कारण शादी में अड़चन आई और सना और जावेद का विवाद हो गया। लेकिन फिर बाद में सबकुछ ठीक हुआ। तब तक जावेद का किसी दूसरी लड़की से प्रेम प्रसंग चलने लगा। इस कारण इन दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। परिजनों ने बताया कि सना ने घर के चौथे तले से कूदकर अपनी जान दे दी। परिजनों ने बताया कि घटना के समय सना अपने प्रेमी जावेद से ही फोन पर बात कर रही थी और जावेद ठीक उसके घर के नीचे खड़ा था। सना जैसे ही नीचे गिरी जावेद ही उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा



मृत युवती (फाइल फोटो) व जांच करती पुलिस। © फोटोन न्यूज

लेकिन सना की मौत बात सुनकर वो मीके से फरार हो गया। पुलिस ने प्रेमी जावेद को हिरासत में ले लिया है। परिजनों को आशंका है कि जावेद के उकसाने की वजह से ही सना ने खुदकुशी की है। डीएसपी प्रकाश सोए ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है।

**स्वच्छता के संदेश का प्रचार-प्रसार करना हर व्यक्ति का दायित्व : सतीश**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

रविवार को सीएमपीडीआई में स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के समापन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक अजय कुमार, निदेशक सतीश झा, मुख्य सतकता अधिकारी सुमित कुमार सिन्हा ने स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित किया। उन्होंने पौधापोषण कर 16-30 जून तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा का समापन किया। इस अवसर पर सीएमपीडीआई (मुख्यालय) तथा क्षेत्रीय संस्थान-3 रांची के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण और वरिय अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर मनोज कुमार ने स्वच्छता पर जोर दिया और कहा कि स्वच्छ भारत के महात्मा गांधीजी के सपने



स्वच्छता पखवाड़ा के समापन समारोह में उपस्थित लोग। © फोटोन न्यूज

को साकार करने के लिए हमारे दैनिक जीवन और आसपास के समुदायों में स्वच्छता को अपनाया आवश्यक है। सतीश झा ने कहा कि स्वच्छता के संबंध में जानकारी का प्रचार-प्रसार और जागरूकता पैदा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है, इसे निभाने के लिए हम लोगों को सतत प्रयास करना चाहिए। सुमित कुमार ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान की गयी विभिन्न गतिविधियों के लिए

**सीएम दो जुलाई को 1500 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास**

**RANCHI :**

सीएम चम्पाई सोरेन दो जुलाई को राज्यवासियों को 1500 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे। इस अवसर पर जल संसाधन, पथ निर्माण विभाग व भवन निर्माण मंत्री बसंत सोरेन भी उपस्थित रहेंगे। उप राजधानी दुमका से योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन होगा। इसका सबसे अधिक लाभ संचालक के सभी छह जिलों को मिलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण सड़क-पुल व प्रखंड भवन सहित सिंचाई परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। इनमें कई नई योजनाएं भी शामिल हैं। सीएम के कार्यक्रम को देखते हुए तीनों विभाग तैयारी कर रहे हैं।

**केंद्रीय मंत्री ने रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की ली जानकारी**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

रविवार को केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की। मंत्री ने रेल अधिकारियों से रांची, हटिया, नामकुम, टाटीसिल्वे, गंगाघाट, मुरी, सिल्ली और पिस्का स्टेशन के उन्नयन कार्य की जानकारी ली। इस दौरान रांची रेलवे स्टेशन पर चल रहे उन्नयन कार्य का अवलोकन किया और दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में नगड़ी, नयासराय, हटिया पुलिस मुख्यालय के समीप निर्माणाधीन आरओबी की गति प्रगति की रिपोर्ट और नामकुम अंडरपास पर चर्चा हुई। केंतारी बगान ओवरब्रिज निर्माण को लेकर हुई कार्रवाई, सिरमटोली फ्लाई ओवर निर्माण में आ रही समस्या और



अधिकारियों के साथ बैठक करते केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ। © फोटोन न्यूज

उसके समाधान पर भी बातचीत हुई। मंत्री ने सिल्ली में बांसारूली के समीप बनने वाले अंडर पास पर चर्चा और इलू रेल लाइन के प्रस्ताव पर हुई गति प्रगति की जानकारी ली। रेलवे जंक्शन मुरी से बिसरिया गांव तक सड़क निर्माण की दिशा में अब तक हुई कार्रवाई पर चर्चा की गयी। इसमें तेजी लाने का निर्देश मंत्री ने दिया।

**बंगाल की खाड़ी में बन रहा साइक्लोन, होगी भारी बारिश**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

मानसून के झारखंड पहुंचने के बाद अब बंगाल की खाड़ी में बना साइक्लोन पूर्वी झारखंड पहुंच गया है। आज और कल (1 और 2 जुलाई) को झारखंड के कम से कम 18 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट मौसम विभाग की ओर से जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को बताया कि झारखंड के उत्तर-पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक ने कहा कि 1 जुलाई के बाद 2 जुलाई और 3 जुलाई को भी झारखंड के कई हिस्सों में भारी

- मौसम विभाग ने आज और कल के लिए जारी किया अलर्ट
- राज्य के उत्तर-पूर्वी और निकटवर्ती मध्य भागों में वज्रपात की भी संभावना

वर्षा होगी, ऐसे संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 और 2 जुलाई को संताल परगना के देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज के अलावा धनबाद एवं गिरिडीह जिले में भारी वर्षा हो सकती है। कोडरमा, हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़, रांची, लोहरदगा, लातेहार, चतरा, पलामू और गढ़वा जिले में भारी बारिश का वेलो अलर्ट जारी किया गया है।

**ईश्वर मनुष्य के साथ पक्षपात नहीं करता : आर्च बिशप विसेंट आइंड**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

रविवार को हेसाग पल्ली में मिससा बलिदान का आयोजन किया गया। आर्च बिशप विसेंट आइंड ने धर्मविधि संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि प्रभु के लिए हर मनुष्य एक समान है। इस संसार में रहने वाले सभी मनुष्य बराबर है। इसलिए ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता है। यही कारण है कि परमेश्वर हमें विश्वासी बनाता है। हमेशा ईश्वर से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करता है। धर्मविधि से पहले विश्वासियों ने आर्च बिशप का भव्य स्वागत किया। विसेंट आइंड के आगमन पर विश्वासियों की आंखों में खुशी



कार्यक्रम में उपस्थित आर्च बिशप व अन्य। © फोटोन न्यूज

झलकती नजर आयी। धर्मबहनों ने पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाकर आर्च बिशप को पल्ली परिसर में प्रवेश कराया। इसके बाद चर्च के अंदर परमेश्वर की आराधना करायी गयी। आयोजन को सफल बनाने में कैथोलिक सभा, महिला संघ

**रोजगार तत्परता कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू**

**RANCHI :**

मारवाड़ी कॉलेज, प्लेसमेंट सेल और टीसीएस की ओर से कॉलेज के स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं के लिए एम्प्लॉयमेंट रैडिनेस प्रोग्राम (रोजगार तत्परता कार्यक्रम) की शुरुआत की गई है। यह कार्यक्रम वर्चुअल मोड में होगा। पहले चरण के लिए इच्छुक विद्यार्थी मारवाड़ी कॉलेज प्लेसमेंट सेल के आधिकारिक पर जाकर रजिस्ट्रेशन 15 जुलाई सुबह 11 बजे तक करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के बाद पहले चरण का डाटा टीसीएस के पोर्टल पर मारवाड़ी कॉलेज प्लेसमेंट सेल की ओर से अपलोड कर दिया जाएगा। दूसरे चरण में 15 अगस्त तक रजिस्ट्रेशन करवाने वाले विद्यार्थियों की सूची टीसीएस पोर्टल पर 16 अगस्त तक अपलोड कर दी जाएगी।

**लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को लेकर रांची पुलिस में हो रही बदलाव की तैयारी**

**अक्षम पुलिस अफसरों पर चलेगा चाबुक**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

राजधानी रांची के आधा दर्जन से ज्यादा थानेदार जल्द बदले जाएंगे। खासकर वैसे थानेदार जो अपने-अपने क्षेत्र में अपराध की घटनाओं को रोक नहीं पा रहे हैं, उन पर जल्द चाबुक चलेगा। जिन थानेदारों को हटाया जाएगा उनकी जगह-अलग अलग जिलों से आए पुलिस अफसरों को पदस्थापित किया जाएगा।



दो बड़े लूट कांडों को लेकर पुलिस पर है भारी दबाव

एक महीने के भीतर दो बड़े लूट कांडों ने भी राजधानी की पुलिसिंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंडरा ओपी थाना में 40 लाख और जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र एक करोड़ 40 लाख की दिनदहाड़े लूट ने पूरे पुलिस महकमे पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। वही चोरी और छिन्तई की वारदातों ने तो रिकार्ड ही तोड़ दिया है।

**दो बड़े लूट कांडों को लेकर पुलिस पर है भारी दबाव**

एक महीने के भीतर दो बड़े लूट कांडों ने भी राजधानी की पुलिसिंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंडरा ओपी थाना में 40 लाख और जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र एक करोड़ 40 लाख की दिनदहाड़े लूट ने पूरे पुलिस महकमे पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। वही चोरी और छिन्तई की वारदातों ने तो रिकार्ड ही तोड़ दिया है।

हैं और कानून व्यवस्था में बेहतर काम करते रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस्पेक्टर स्तर के जिन अफसरों के नाम पुलिस

उन्हें अलग-अलग स्थान में पदस्थापित किया जाएगा। इस्पेक्टर स्तर के अफसरों की कमी : राजधानी रांची में इस्पेक्टर स्तर के कालिब अफसरों की बेहद कमी है। कई ऐसे इस्पेक्टर स्तर के अधिकारी भी हैं जो थानों में बेहतर परफॉर्म नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन इस्पेक्टर रैंक के अफसरों की कमी होने के वजह से उन्हें ही थाना प्रभारी बनाकर रखा गया है। राजधानी में बढ़ते अपराध के ग्राफ को देखते हुए तेज तर्रार और पूर्व में राजधानी में काम कर चुके अफसर की डिमांड की गई थी।

**रंगदारी नहीं देने पर गाई को बुरी तरह किया जख्मी**

**RANCHI :**

बरियालू के मोरहाबादी हरिहर सिंह रोड में रहने वाले एक गाई को रंगदारी नहीं देने पर बदमाशों ने पीटकर उन्हें घायल कर दिया। घटना शुक्रवार की है। इस संबंध में मकान मालिक डॉ चांदमुनी कारी ने विमल मुंडा, निर्मल मुंडा, शंकर मुंडा और सुदेश मुंडा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। डॉ चांदमुनी ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर की देखभाल की जिम्मेदारी अरुण महतो को दी थी। शुक्रवार को अरुण घर में था। इसी दौरान सभी आरोपी पहुंचे और मकान मालिक से दस लाख की रंगदारी मांगी। इंकार करने पर आरोपियों ने अरुण को बुरी तरह से पीट दिया। इस दौरान आरोपियों ने उनके बैग से पांच हजार रुपए और मोबाइल छीनकर ले गए।

**'बढ़ते भारत-बदलते भारत की गाथा है मन की बात'**



'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते गाजपा नेता व कार्यकर्ता। © फोटोन न्यूज

कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन कार्यक्रम आम जनता से जुड़ाव का अनूठा कार्यक्रम है। विश्व के किसी राजनेता के द्वारा प्रति माह जनता से ऐसा प्रत्यक्ष संवाद नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा। मन की बात कार्यक्रम बढ़ते भारत-बदलते भारत की गाथा है।

# जेएसएलपीएस के जवाहर प्रोजेक्ट में लाखों रुपये की हेराफेरी

## जवाहर प्रोजेक्ट के फील्ड थीमेटिक कोर्डिनेटर के खिलाफ महिला स्वयंसहायता समूह ने किया मुकदमा

**PHOTON NEWS CHAIBASA:** पश्चिम सिंहभूम जिले में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी (जेएसएलपीएस) में लाखों रुपये की हेराफेरी का मामला सामने आया है। जेएसएलपीएस के अंतर्गत जवाहर प्रोजेक्ट के फील्ड थीमेटिक कोर्डिनेटर कुलमनी विक्रांत दसवैया पर आरोप है कि उन्होंने हाटाग्रहरिया प्रखंड क्षेत्र की महिलाओं से 23 लाख 85 हजार 600 रुपये से अधिक की जालसाजी की है। हालांकि इस

संबंध में अभी तक केवल एक महिला समूह ने पांच लाख रुपये की हेराफेरी का केस किया है। अन्य मामलों में आपसी समझौता कर पैसों की वापसी कराई जा रही थी। जिला अधिकारी द्वारा मामले को लेकर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। शिकायत के बाद भी विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होने से परेशान होकर शनिवार को कुमारडुंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटाचारा गांव की आजीविका उत्पादन समूह की महिलाएं



कुमारडुंगी थाना पहुंचीं। वहां उन्होंने फील्ड थीमेटिक को-ऑर्डिनेटर कुलमनी विक्रांत दसवैया पर जालसाजी का आरोप लगाते हुए

शिकायत की है। शिकायत में आजीविका उत्पादन समूह की अध्यक्ष सूर्यमनी सिंघू ने लिखा है कि 10 मार्च 2024 को फील्ड थीमेटिक को-ऑर्डिनेटर कुलमनी विक्रांत दसवैया कोटाचारा गांव आए। वहां उन्होंने उत्पादक समूह की सचिव मुक्ता देवी, कोषाध्यक्ष पुनम सिंघू व सक्रिय महिला स्वियमिंग सिंघू से दो बैंक चेक कुल 24, गवर्नमेंट गर्ल्स उच्च विद्यालय चाईबासा में से मात्र 24, गवर्नमेंट गर्ल्स उच्च विद्यालय चाईबासा में 300 परीक्षार्थी में मात्र 34, संत जेवियर्स उच्च विद्यालय लुपुंगुट्ट में 591 परीक्षार्थी में मात्र 14 पहुंचे थे। हद तो तब हो गई, जब संत जेवियर्स बालिका उच्च विद्यालय चाईबासा में 600 परीक्षार्थी में से एक भी परीक्षा देने नहीं पहुंचा। जगन्नाथपुर के 3 परीक्षा केंद्र में 1464 परीक्षार्थियों के बदले मात्र 330 परीक्षार्थी ही हुए छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल। इसी प्रकार कुमारडुंगी प्रखंड के चार स्कूल 967 में से 608 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। इस पर शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों का कहना है कि वर्ष 8 वें में बच्चे मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना का फार्म भराया गया था, लेकिन अब 9 वें वर्ग में जाने के बाद उन्हें स्कूल से सही समय पर जानकारी नहीं मिल पायी होगी। समग्र शिक्षा विभाग झारखंड सरकार से बिना समय दिए ही एक सप्ताह पहले परीक्षा का नोटिफिकेशन निकाला था, जिसकी वजह से सभी को जानकारी नहीं मिल पायी है।

### पर्यावरण, एआई व राजनीति पर महिलाओं किया मंथन



**JAMSHEDPUR :** साकची स्थित होटल केनेलाइट में रविवार को मिशन ब्लू फाउंडेशन और नेचर संस्था के तत्वाधान में महिला संसद सत्र, एल्यूमिनाई मीट का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने पर्यावरण, एआई व राजनीति पर मंथन किया। क्लाइमेट चेंज विषय पर बतौर अतिथि वक्ता जिला पार्षद सह नेचर संस्था की संरक्षक डॉ. कविता परमार, मंजीत सिंह और तीन युवा प्रतिभागी ने वर्तमान समय में हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण और उससे होने वाली समस्याओं के साथ साथ उसके समाधान पर अपने विचार रखे। वर्तमान राजनीति में युवाओं की हिस्सेदारी, पर भाजपा नेता दिनेश कुमार, पत्रकार अनीता अमृता व तीन युवा और डाटा ब्रीच व एआई पर डॉ. सुनीता मलानी, पंकज सोनी, धर्मेश सिंह और ग्लोबल वार्मिंग पर डॉ. मंजु सिंह, तीर्थनाथ आकाश आदि ने इसकी रोकथाम पर अपने विचार व्यक्त किए।

# बमामाईस में दीवार गिरने से मलबे में दबा युवक

## हालत गंभीर, एमजीएम में चल रहा इलाज

**PHOTON NEWS JSR:**

बमामाईस स्थित बीना रोड में जर्जर क्वार्टर की दीवार अचानक गिर गई, जिससे वहां मलबे से ईंट चुन रहा युवक डोमन सिंह दब गया। आनन-फानन में अन्य साथियों की मदद से उसे किसी तरह निकाला गया और तत्काल इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना रविवार सुबह की है। इधर, घटना की सूचना पाकर बमामाईस थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। डोमन बमामाईस का ही रहने वाला है और घटना के वक्त वह अन्य साथियों के साथ ईंट चुन रहा था। सड़क चौड़ीकरण के लिए चल रहा क्वार्टर तोड़ने का काम : स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण को लेकर कंपनी द्वारा क्वार्टर को तोड़ने का काम किया जा रहा है। जो क्वार्टर टूट रहे हैं, उसकी ईंट को कुछ लोग चुनकर अपने घर लेकर जा रहे हैं। इसी दौरान रविवार को डोमन सिंह अपने अन्य साथियों के साथ क्वार्टर के पास ईंट चुन रहा था।



मौके पर पड़ा दीवार का मलबा • फोटोन न्यूज

### दो लोगों के दबे होने की सूचना

लोगों ने बताया कि दीवार के नीचे डोमन के अलावा और एक युवक दबा है। जेसीबी की मदद से मलबे को हटाया गया, पर मलबे के नीचे कोई नहीं मिला। हालांकि बाद में जानकारी मिली की जिस अन्य युवक को मलबे के नीचे दबे होने की बात कही जा रही थी। वह अपने घर पर है। फिलहाल घायल डोमन का इलाज चल रहा है।

### बारीडीह निवासी आनंद शर्मा आठ दिन से लापता

**JAMSHEDPUR :** बारीडीह स्थित विजया गार्डन के येलो रोज, ब्लॉक 31, प्लॉट नंबर 3167 में रहने वाले 42 वर्षीय आनंद शर्मा पिछले आठ दिनों से लापता हैं। 23 जून की शाम 5.30 बजे वे अपने घर से निकले और वापस नहीं लौटे। बहुत खोजबीन करने के बाद उनकी मां शकुंतला देवी ने बिरसानगर थाना में बेटे के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने उनका अंतिम लोकेशन रांची के बीआईटी मेसरा के पास पाया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।



इतने में क्वार्टर की दीवार में आकर डोमन गंभीर रूप से अचानक गिर गई, जिसकी चोट घायल हो गया।

### बिष्टपुर के तुलसी भवन में उन्नति मेला आज से

**JAMSHEDPUR :** महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम के तहत मार्वाड़ी युवा मंच, स्टील सिटी की सुरभि शाखा द्वारा बिष्टपुर स्थित तुलसी भवन में 1 से 3 जुलाई तक उन्नति मेला (प्रदर्शनी सह विक्री) का आयोजन किया जा रहा है। तीनों दिन मेला सुबह 10 से रात 9 बजे तक चलेगा। सुरभि शाखा की अध्यक्ष कविता अग्रवाल, सचिव पूजा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पायल अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजिका संजना अग्रवाल एवं खुशबू कांवटिया ने बताया कि इस मेले में ऐसी कई महिलाओं को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया है, जो घर में खाना बनाकर रोजगार कर रही हैं। इस मेला में एक ही छत के नीचे कुर्ती, साड़ी, गिफ्ट आइटम, चादर, बांडरवाल, लड्डू गोपाल की पोशाक, ज्वेलरी, हाथ के बने हुए मंगोड़ी, पापड, अचार आदि उचित मूल्य में उपलब्ध रहेंगे।



### सीएम पहुंचे राजनगर, प्रतिमा का अनावरण

**मुख्यमंत्री चन्पाई लोरेन** ने रविवार को सहायकेला-खरसावा जिला स्थित राजनगर में हुए विद्रोह के महानायक अजर वीर शाहीद सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा का अनावरण किया। राजनगर के सिद्धो-कान्हू चौक पर मुख्यमंत्री ने सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया।

### मालूबासा की मुख्ती बस्ती में लोगों को कराई स्वास्थ्य जांच

**JAMSHEDPUR :** मालूबासा स्थित मुख्ती बस्ती भवन में रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जहां बस्ती के लोगों ने इसका लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के जिलाध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में चले शिविर मुमताज अहमद, डॉ. राशिद इकबाल, फैजिशियन डॉ. मुमताज, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. नाज परवीन, डॉ. अकित, डॉ. निशा, डॉ. जुलेखा आदि चिकित्सकों ने सेवा दी।

# केंद्र अधीक्षक करते रहे इंतजार मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा देने नहीं पहुंचे हजारों छात्र

● पश्चिमी सिंहभूम जिले में 18 हजार परीक्षार्थियों ने भरा था आवेदन, मात्र 4 हजार ही हुए परीक्षा में शामिल

**PHOTON NEWS CHAIBASA:** मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना की परीक्षा रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के 52 परीक्षा केंद्र में थी। इसमें 18 हजार 202 बच्चों को मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा देनी थी, लेकिन 4 हजार 703 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। इसको लेकर सभी परीक्षा केंद्र में परीक्षा को लेकर तैयारी भी पूरी कर ली गई थी, लेकिन केंद्र अधीक्षक बच्चों का इंतजार करते रहे, परंतु बहुत कम संख्या में बच्चे परीक्षा देने पहुंचे। कुछ परीक्षा केंद्र में एक भी बच्चा परीक्षा देने नहीं पहुंचा। यह हाल जिला मुख्यालय चाईबासा के परीक्षा केंद्रों का था। प्रखंडों में क्या हाल होगा, इसका अंदाजा ही लगाया जा सकता है। पदमावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चाईबासा में 404 बच्चों को परीक्षा देनी थी, लेकिन इसमें से मात्र 58 बच्चे ही पहुंचे थे। इसमें भी आदिवासी जनजातीय आवासीय विद्यालय की 54 छात्राएं शामिल थी। अन्य चार विद्यालय

के मात्र 6 बच्चे शामिल हुए। कई कक्ष तो पूरी तरह खाली थे। इसी तरह एमएल रंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय में 400 परीक्षार्थियों में से मात्र 24, गवर्नमेंट गर्ल्स उच्च विद्यालय चाईबासा में 300 परीक्षार्थी में मात्र 34, संत जेवियर्स उच्च विद्यालय लुपुंगुट्ट में 591 परीक्षार्थी में मात्र 14 पहुंचे थे। हद तो तब हो गई, जब संत जेवियर्स बालिका उच्च विद्यालय चाईबासा में 600 परीक्षार्थी में से एक भी परीक्षा देने नहीं पहुंचा। जगन्नाथपुर के 3 परीक्षा केंद्र में 1464 परीक्षार्थियों के बदले मात्र 330 परीक्षार्थी ही हुए छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल। इसी प्रकार कुमारडुंगी प्रखंड के चार स्कूल 967 में से 608 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। इस पर शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों का कहना है कि वर्ष 8 वें में बच्चे मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना का फार्म भराया गया था, लेकिन अब 9 वें वर्ग में जाने के बाद उन्हें स्कूल से सही समय पर जानकारी नहीं मिल पायी होगी। समग्र शिक्षा विभाग झारखंड सरकार से बिना समय दिए ही एक सप्ताह पहले परीक्षा का नोटिफिकेशन निकाला था, जिसकी वजह से सभी को जानकारी नहीं मिल पायी है।

# श्री राजस्थान ब्राह्मण संघ के चुनाव 400 में 322 ने किया मतदान, गणना आज

**PHOTON NEWS JSR:**

श्री राजस्थानी ब्राह्मण संघ जमशेदपुर झारखंड का चुनाव आज शांति पूर्व संपन्न हुआ सर्व प्रथम सुबह 10.30 बजे से आम सभा संपन्न हुआ। जिसमें संघ के वर्तमान अध्यक्ष महेश चन्द्र शर्मा एवं निवरोध अध्यक्ष बोदूराम सेवदा, एवं उपाध्यक्ष कुमार्दराम शर्मा एवं सचिव विनोद कुमार शर्मा, कृष्ण कुमार भारद्वाज, प्रकाश जोशी ने संयुक्त रूप से भगवान परशुराम के सामने दीप प्रज्वलित कर आम सभा का शुभआत हुई। आज की अध्यक्षता महेश चन्द्र शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि समाज में सभी लोगों का सहयोग मिलता रहा। इसके बाद मंच संचालन प्रकाश जोशी ने किया आद्य-वाय एवं अन्य विषयों पर चर्चा हुई।



चुनाव में भाग लेने पहुंचे मतदाता • फोटोन न्यूज

इसके बाद दोपहर 12:15 से चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हुई। 400 मतदाताओं में से 322 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। रविवार को मतगणना नहीं हुई। अब सोमवार को सुबह 10 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। दोपहर 3:30

बजे तक रिजल्ट घोषित किया जायेगा। चुनाव पदाधिकारी महावीर प्रसाद चौबे, रामोतार परीक, और महेश शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन विनोद कुमार शर्मा एवं कृष्ण कुमार भारद्वाज ने संयुक्त रूप से किया।

## आंदोलन राज्यकर्मी का दर्जा नहीं दिए जाने से है नाराज

# पारा शिक्षकों ने निकाला मशाल जुलूस, वादाखिलाफी का आरोप



परदर्शन करते पारा शिक्षक • फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JSR:** सहायक अध्यापक संघ (पारा शिक्षकों) की ओर से वेतनमान सहित अन्य मांगों को लेकर चरित्रबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। इस क्रम में संघ के जिला अध्यक्ष सुमित तिवारी के नेतृत्व में शिक्षकों ने रविवार को साकची आमवागन स्थित बीआरसी से साकची गोलचक्कर तक मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की। इस

दौरान शिक्षकों ने कहा कि कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस के महागठबंधन की सरकार में गत विधानसभा चुनाव के दौरान ये वादा किया गया था कि रसरकार बनने के तीन माह के अंदर सभी सहायक अध्यापक (पारा शिक्षकों) को वेतनमान का तोहफा दिया जाएगा। लेकिन सरकार बनने के 4 साल बाद भी वेतनमान सहित अन्य मुद्दों पर सकारात्मक पहल नहीं किए जाने

### पारा शिक्षकों की यह हैं प्रमुख मांगें

- वेतनमान एवं राज्यकर्मी का दर्जा सहायक अध्यापकों को अल्पसंख्यक विद्यालयों में नियुक्त शिक्षकों के तर्ज पर वेतनमान (9300-34800) एवं विहार राज्य के तर्ज पर राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान किया जाय।
- झारखण्ड अधिविध परिषद संघी के हठधर्मिता के कारण आकलन परीक्षा के प्रश्नों के त्रुटिपूर्ण उतर के संशोधित परिणाम यथाशीघ्र जारी करने के साथ-साथ आकलन उर्णता के प्रमाण पत्र एवं द्वितीय आकलन परीक्षा आयोजित किया जाय। द्वितीय आकलन परीक्षा में ईडब्ल्यूएस एवं दिव्यांग अध्यापकों को नियमानुसार अंकों का लाभ दिया जाय।
- सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 में अंकित प्रावधानों के अनुरूप सहायक अध्यापकों को अनुकंपा का लाभ सहायक अध्यापकों के आश्रितों को योग्यता अनुरूप लतीला किया जाय।
- सहायक अध्यापकों के साथ स न्याय करते हुए आगनवाड़ी सेविका / सहायिका की तरह सेवानिवृत्ति 65 वर्ष किया जाय।

से राज्य के सहायक अध्यापकों में आक्रोश है। संघ के सुमित तिवारी ने कहा कि यह वादाखिलाफी। जिसके खिलाफ शिक्षक आंदोलन को बाध्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने आंदोलन के क्रम में वे 20 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री

आवास का अर्निधितकालीन घेराव शुरू करेंगे। इस मशाल जुलूस में मनिंद्र नाथ बेसरा, उज्जवल दास, जितेन गोप, सल्लेहा बेगम, गजला प्रवीण, गौतम गोप मुकेश, विश्वनाथन, सत्यनारायण आदि शामिल।

### संघ के शिविर में 106 शिक्षकों की जांच



शिविर में मौजूद शिक्षक • फोटोन न्यूज

**JAMSHEDPUR :** अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, पूर्वी सिंहभूम जिला कमिटी के तत्वाधान में रविवार को शिक्षकों एवं विभागीय कमियों के लिए रक्त जांच शिविर का आयोजन टाकर बापा मध्य विद्यालय में किया गया। इस दौरान कुल 106 शिक्षकों, कमियों के रक्त जांच के लिए सैपल लिया गया। इसमें ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, कैल्शियम आदि की जांच 10 रुपया में, यूरिक एसिड की जांच 20 रुपया में, टीएसएच की जांच 60 रुपया में तथा अन्य कई तरह के जांच जैसे लिपिड प्रोफाइल, थाइरॉइड प्रोफाइल आदि रियायती दर पर किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पुनः दो महीने बाद एक बृहत रक्त जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर को सफल बनाने में संघ के नेता सुनील कुमार शिव शंकर पोलार्ड, सरोज कुमार लेंका, संजय कुमार, अनिल प्रसाद, आम प्रकाश सिंह, माध्या सोरेन, संजय केसरी, मधुसूदन, आशुतोष कुमार आदि की सराहनीय भूमिका रही।

## समाचार सार

### आंगनवाड़ी केंद्र में दो वर्ष से बिजली नहीं

**POTKA :** पूर्वी सिंहभूम जिला के पोतका प्रखंड स्थित हैसड़ा पंचायत अंतर्गत छोटा बागलता आंगनवाड़ी केंद्र में दो वर्ष से बिजली नहीं है, जबकि यहां 30 बच्चे अध्यनरत हैं। यह भवन दो वर्ष पूर्व बना था, लेकिन बिजली नहीं होने से न पानी का मोटर चल रहा है, ना शौचालय का उपयोग हो पा रहा है। दूसरी ओर अधिक गमी के कारण बच्चे काफी परेशान रहते हैं। स्थानीय निकुंज मंडल ने बताया कि दो साल पहले आंगनवाड़ी केंद्र बनकर तैयार हुआ था, तभी से इसमें बिजली का कनेक्शन नहीं है। विभाग द्वारा ऐसा कोई फंड भी उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिससे बिजली कनेक्शन लिया जा सके। इससे कमरों में पंखा रहते हुए भी बच्चे गर्मी में पसीने से लथपथ रहते हैं। आंगनवाड़ी सेविका शिउली मंडल ने कहा कि बिजली कनेक्शन नहीं होने से गर्मी में पेयजल समेत कई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



### मेला समाप्ति के बाद भी मंदिर परिसर की सफाई नहीं

**POTKA :** पूर्वी सिंहभूम जिले के पोतका प्रखंड स्थित हरिणा मुक्तेश्वर धाम में लगने वाला रोजो मेला समाप्त हुए 10 दिन हो गए, लेकिन परिसर की सफाई नहीं हुई। इससे मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा करने आने वाले भक्त कचरों की दुर्गंध से परेशानी का सामना कर रहे हैं। सोपोडेरा जमशेदपुर के मुखिया प्रभु राम मुंडा हरिणा मुक्तेश्वर धाम में बाबा भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने पहुंचे थे। उन्होंने इस विचित्र व्यवस्था पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 15 जून से 20 जून तक मेला में हजारों भक्त-श्रद्धालु पहुंचे, जिससे यहां कचरे का अंबार लग गया। उन्होंने जिला व प्रखंड प्रशासन से मांग रखी कि जल्द से जल्द कचरे का निष्पादन किया जाए, वरना बीमारी फैल सकती है।



### सोनारी व गदरा में आनंद मार्ग ने बांटे पाँधे

**JAMSHEDPUR :** आनंद मार्ग की ओर से रविवार को सोनारी व गदरा में निशुल्क पौधा वितरण किया गया। सोनारी में कबीर मंदिर के पास शहर के विभिन्न संगठनों एवं गदरा देहात क्षेत्र के ग्रामीणों फलदार एवं औषधीय पौधे बांटे गए, जिसमें आम, आंवला, कटहल, हरे, बहेरा, शोशम, नीम, महानीम, सीता अशोक, अशोक, सिंदूर, अनार, अमरूद, जामुन, करंज, पीपल आदि थे।



### निशुल्क कांवर यात्रा का पोस्टर लांच

**JAMSHEDPUR :** बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ द्वारा इस बार 1100 श्रद्धालुओं को निशुल्क कांवर यात्रा पर बाबाधाम देवघर ले जाया जाएगा। इसका पोस्टर रविवार को कदमा के रंकिणी मंदिर में लांच किया गया। मंदिर प्रांगण में जुटे शिवभक्तों ने बोल बम का जयकारा लगाया। इस दौरान संघ के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने बताया कि सावन माह में 28 जुलाई को कांवर यात्रा निकलेगी, जिसके लिए 1 जुलाई से पंजीयन किया जाएगा। यात्रा में शामिल होने वाले लोगों को पंजीयन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसलिए संपर्क नंबर लिखा पोस्टर सभी मंदिरों व चौक-चौराहे पर लगाया जाएगा। पोस्टर विमोचन के दौरान राजेश सिंह, चितरंजन वर्मा, अरविंद महतो, राकेश सिंह, संजय सिंह, अमरेंद्र मल्लिक, ललन चौहान, अशोक दुबे सहित कई लोग उपस्थित थे।



### गोंड समाज ने रानी दुर्गावती को श्रद्धासुमन अर्पित की

**JAMSHEDPUR :** अखिल भारतीय गोंड आदिवासी संघ द्वारा रविवार को दुइलाडुंगरी स्थित गुरुद्वारा हाल में रानी दुर्गावती का शहादत दिवस मनाया गया। संस्था के अध्यक्ष दिनेश शाह गोंड की अगुवाई में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक सरयू राय, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक (मनोहरपुर) गुरुचरण नायक, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आनंद विहारी दुबे, महासचिव हरिकृष्ण नायक मझगांव व दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव जेपी गोंड भी उपस्थित थे। मंच संचालन करते हुए साहिल अस्थाना ने बताया कि वीरंगना रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर 1524 को हुआ था। 24 जून 1564 को उनकी शहादत हुई थी।



### कारगिल विजय दिवस 28 को मनाएं पूर्व सैनिक

**JAMSHEDPUR :** अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जमशेदपुर की ओर से इस बार 28 जुलाई को कारगिल रजत दिवस मनाया जाएगा, जिसमें घाटशिला और जमशेदपुर के वीरों एवं वीर नारियों का सम्मान किया जाएगा। इस संबंध में रविवार को एग्निको में समीक्षा बैठक हुई, जिसमें संगठन के अध्यक्ष विनय कुमार यादव, अवधेश कुमार, सुखविंदर सिंह, राजेश पांडे, दीपक शर्मा, मनोज कुमार सिंह, धनेश्वर वारिक, कृष्ण मोहन सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिंह, उमेश सिंह बिरजू, जितेंद्र कुमार सिंह, अनिल कुमार सिन्हा, सत्य प्रकाश, हरी सिंह, उमेश शर्मा पुरी, संतोष सिंह, कुंदन सिंह, दया भूषण आदि को जिम्मेदारी बांटी गई।



### नशाखोरी के खिलाफ 'आप' ने निकाला जुलूस

**JAMSHEDPUR :** बढ़ती नशाखोरी के विरुद्ध 'आप' कार्यकर्ताओं ने रविवार को एग्निको में मशाल जुलूस निकाला। बारीडीह गोलचक्कर से एग्निको गोलचक्कर तक पदयात्रा निकाल आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जनता को जागरूक किया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष अभिषेक कुमार प्रदेश संयुक्त सचिव ईरई अफरीदी, अमरीक सिंह जत्येदार, मनोज सिंह, संतोष भगत, अमरीक जख्मी, राहुल ठाकुर, राहुल मिश्रा, ममिता द्विवेदी, केके देशमुख, मनी यादव आदि सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।



### भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

**JAMSHEDPUR :** भाजपा, जमशेदपुर महानगर के कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के 'मन की बात' को ध्यानपूर्वक सुना। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 111वीं वार देशवासियों को संबोधित किया। भाजपा क्रम में प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यकर्ता सदस्य, पूर्व जिलाध्यक्ष, कार्यकर्ता जिला पदाधिकारी के संग मंडल अध्यक्ष बजरंगी पांडेय, सुरेश शर्मा, संतोष ठाकुर, ध्रुव मिश्रा, बबलू गोप, दीपक झा, अजय सिंह आदि मौजूद रहे।

## BRIEF NEWS

## नवादा के रजौली चैक पोस्ट से 25 शराबी धराए

**NAWADA** : बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित चितरकोली पंचायत अंतर्गत समेकित जांच चौकी पर उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर उत्पाद एसआई पिंटू कुमार द्वारा वाहन जांच के दौरान विभिन्न बसों से 25 शराबी को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि वाहनों की सघन जांच कर रही थी। इसी बीच विभिन्न बसों को जांच के लिए रोका गया। जिसमें 25 शराबी को नशे के हालत में पाया गया।

## ऑनलाइन जूनियर शतरंज में अथर्व ने मारी बाजी

**KISHANGUNJ** : जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में चैस क्रॉफ के तत्वावधान में रविवार को एक निःशुल्क ऑनलाइन जूनियर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश के करीब दो दर्जन खिलाड़ियों ने भाग लिया। संघ के मानद महासचिव शंकर नारायण दत्ता एवं वरीय संयुक्त सचिव तथा चैस क्रॉफ के सीईओ कमल कर्मकार ने सूचित किया कि इस प्रतियोगिता में नवी मुंबई निवासी समीर कुमार सिन्हा व मनीषा सिन्हा के पुत्र तथा न्यू होराइजन स्कॉलर्स स्कूल एरोली, नवी मुंबई के वर्ग 6 के छात्र अथर्व समीर सिन्हा ने बाजी मारी।

## हत्या व मद्य निषेध मामले में चार अपराधी गिरफ्तार

**CHAMPARAN** : जिले के पीपराकोठी थाना क्षेत्र में हत्या व मद्य निषेध के मामले में पुलिस ने छापेमारी कर चार अपराधियों को गिरफ्तार किया, जिसमें हत्या में एक व मद्य निषेध मामले में तीन अपराधी शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों में हत्या मामले में पीपराकोठी के बिरेंद्र महतो, शराब कांड में विश्वनाथ सहनी, अवधेश सहनी व धुरेंद्र सहनी का नाम शामिल है। उक्त गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक के निर्देश के आलोक में अनुमंडल पुलिस अधिकारी, सदर 2 के नेतृत्व में गहन छापेमारी कर किया गया। बताया गया कि हत्या के मामले में वीरेन्द्र महतो वर्ष 21 से ही फरार था।

## गिट्टी की खदान के गड़ढ़े में नहाने गए बालक की मौत

**NAWADA** : रजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत लोमप्र ऋषि पहाड़ी के समीप रविवार को गिट्टी की खदान के गड़ढ़े में जमे पानी में नहाने गए एक बच्चे की मौत डूबने से हो गई। मृतक रजौली पूर्वी पंचायत के राजा बिगहा गांव निवासी मनोज मांझी के 9 वर्षीय पुत्र दयानन्द कुमार है। घटना की खबर आसपास में आग की तरह फैल गई और लोग खदान में जमे पानी के पास जमा होने लगे।

## सड़क हादसे में एक युवक की मौत, एक गंभीर

**FARBISGUNJ** : अररिया-फारबिसगंज एनएच-57 पर डोरिया सोनापुर के पास हुए भीषण सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से अररिया सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक रानीगंज प्रखंड क्षेत्र के धामा रूपौली निवासी स्वैज (21) है।

## बाढ़ ने मचाई तबाही, कोसी नदी में समा रहे लोगों के घर

## AGENCY PATNA/MUZ. :

बिहार में बाढ़ ने दस्तक दे दी है। प्रदेश की नदियों में उफान जारी है। कोसी-सीमांचल क्षेत्र की नदियों का भी जलस्तर अब बढ़ता जा रहा है और बाढ़ जैसे हालात बन चुके हैं। बाढ़ की दस्तक ने लोगों का जनजीवन प्रभावित किया है। सुपौल में कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है और लोगों के घर नदी में विलीन होने लगे हैं। किशनपुर के मौजहा पंचायत के तीन वार्ड में कोसी का तांडव जारी है। बीते एक सप्ताह पूर्व कोसी नदी का जलस्तर ढाई लाख के करीब पहुंच गया था। इसके बाद नदी के जल स्तर में लगातार उतरा चढ़ाव जारी है। लेकिन ढाई लाख क्यूसेक के करीब पानी के पहुंचने से तटबंध के भीतर बाढ़ का पानी पूरी तरह से फैल गया है। धीरे-धीरे पानी का घट

## नेपाल में हो रही बारिश से उफान पर पश्चिम चंपारण की पहाड़ी नदियां, शिवहर में बागमती नदी के जलस्तर में हो रही तेजी से वृद्धि



रहा है। जिस कारण तटबंध के भीतर बसे गांव में कटाव शुरू हो गया है। बीते एक सप्ताह से ही कोसी नदी के मुहाने पर बसा मौजहा पंचायत के

तीन वार्ड में कटाव जारी है। वार्ड नंबर 01, 02 एवं 04 में बसे करीब एक दर्जन लोगों का घर नदी में विलीन हो गया है। पीड़ित परिवार

ऊंचे स्थल पर शरण लेने लगे हैं। वहीं लोगों का उपजाऊ जमीन भी नदी में समा रहा है। बताया जा रहा है कि पंचायत के तीन दर्जन परिवार

## गौनाहा में पानी के तेज बहाव के कारण टूटा गाइड बांध

नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण पश्चिम चंपारण की पहाड़ी नदियां उफाने लगी हैं। कटहा नदी में बाढ़ के कारण गौनाहा के तारा बसवरीया के पश्चिम गांव की सुरक्षा के लिए बना गाइड बांध करीब तीन फीट में टूट गया। इससे कई घरों में पानी घुस गया। शिवहर में बागमती नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। खतरे के निशान (61.28 मीटर) से महज 1.48 मीटर नीचे बह रही है। सीतामढ़ी में लखनदेई नदी में पानी तेजी से बढ़ रहा है। गौनाहा में हरबोड़ा नदी में बाढ़ से रूणोलिया गांव के ब्रह्मस्थान का आधा हिस्सा शनिवार

को कटकर नदी में विलीन हो गया। एक दर्जन घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। ऐसे ही हरकटा गांव के उत्तर व पूर्व में आधा दर्जन लोगों के घरों में बाढ़ का पानी घुस गया था। हालांकि, तीन-चार घंटे के बाद पानी निकल गया। तारा बसवरीया में गाइड बांध टूटने से पोखरवा टोला के महादलित व अल्पसंख्यक परिवार के 60-70 घरों में बाढ़ का पानी रात में घुस गया। वहीं, मरजडी, कोहरगढ़ी, बखरी, मुरली भरहाव, पिपरा, हरपुर, पटखौली आदि गांव में पहाड़ी नदियों में आई बाढ़ से कई लोगों के घरों में पानी घुसा है।

## झीम नदी उफनाई

सीतामढ़ी जिले के तीन प्रखंडों के चार दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। कई गांवों में बाढ़ का पानी सड़कों पर बह रहा है। यूं समझिए कि मानसून के पहले दौर की बारिश ही सीतामढ़ी के लिए आफत बन कर आई है। सोनबरसा प्रखंड से गुजरने वाली अघवारा समूह के झीम नदी के साथ लखनदेई नदी भी उफनाई हुई है। जिसके चलते पुरन्दाहा राजबाड़ा पश्चिमी पंचायत के लालबंदी गांव में पानी घुस गया।

कर ऊंचे स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं। बाढ़ पीड़ितों ने बताया कि सुजानपुर गांव के वार्ड नंबर 02 में फ्लड फायटिंग कार्य

बाढ़काल अवधि से पूर्व कराया गया था। लेकिन कोसी के आक्रामक रूप धारण करने पर यह कार्य नाकाफी साबित हुआ।

## दबंगों ने मजदूरी का पैसा मांगने पर दिया घटना को अंजाम, आरोपी फरार

## मधुबनी में बकाया मांगने पर महिला की पीट-पीटकर हत्या

## AGENCY MADHUBANI :

मजदूरी का बकाया पैसा मांगने पर दबंगों ने एक महिला को पीट-पीटकर मार डाला। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले के छानबीन में जुट गई है। घटना लौकहा थाना क्षेत्र के चन्नीपुर गांव की है। मृतका की पहचान खिलही गांव निवासी मिथिलेश महतो की पत्नी बबिता देवी के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी रामबाबू यादव गांव से फरार हो गया है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि चन्नीपुर निवासी स्व. शुभक लाल यादव के बेटे रामबाबू यादव ने खिलही गांव की 10 महिलाओं को एक बीघा जमीन धान की रोपनी के

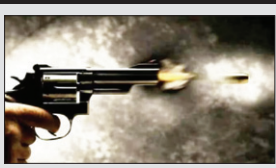


लिए ठेका पर दिया था। रोपनी का काम पूरा होने के बाद महिला मजदूरों की ठेकेदार बबिता देवी रामबाबू यादव के घर पैसे मांगने के लिए आई थी। पैसे मांगने पर आरोपी रामबाबू आपसे बाहर हो गया और बबिता देवी से मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान ही उसने बबिता देवी के सिर पर जोरदार वार कर दिया। सिर पर वार किये जान के बाद

बबिता देवी बेहोश होकर वहीं गिर पड़ी। बबिता के बेहाश होने की सूचना पाकर उसके परिजन वहां पहुंचे और आनन-फानन में बबिता को इलाज के लिए खुटीना पीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बबिता की हत्या की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले के छानबीन में जुट गई है।

## जिम संचालक के सीने में मारी चार गोलियां, मौत

**ROHTAS** : रोहतास से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक जिम संचालक के सीने में 4 गोलियां उतार दी गईं। बेखौफ बदमाशों ने रोहतास के आदि जिम के संचालक आदित्य कुमार श्रीवास्तव को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। देर न करते हुए उन्हें स्थानीय पीएचसी ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने स्थिति नाजुक देख एमएम्सीएच जमुहार रेफर कर दिया। जमुहार जाने के क्रम में उनकी रास्ते में ही मौत हो गई। बता दें कि रोहतास थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 4 में गीता कॉम्प्लेक्स के समीप शनिवार की रात लगभग पौने नौ बजे बेखौफ अपराधियों ने आदि जिम के संचालक आदित्य कुमार श्रीवास्तव को सीने में चार, चार, चार गोलियां मारी जिससे वे गंभीर रूप से जखमी हो गए। एमएम्सीएच ले जाने के क्रम में उनकी मृत्यु हो गई। आदित्य कुमार की उम्र



35 साल बताई जा रही है। मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि आदित्य कुमार वार्ड संख्या चार में गीता कॉम्प्लेक्स स्थित अपने जिम ह्यूआडि फिटनेसहू को बंद कर अपने घर अभियावर लौट रहे थे, तभी थाना के समीप जमुहारिया पुल के पास पहले से घात लगाए अपराधियों ने उनपर गोली चला दी। जिम संचालक को सीने पर चार गोलियां लगी थी। आदित्य श्रीवास्तव अभियावर निवासी नागेन्द्र श्रीवास्तव के बड़े पुत्र थे। थानाध्यक्ष का कहना है कि शिव को रविवार की सुबह पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

## क्रूर पति ने अपनी पत्नी को पत्थर से कूचकर मार डाला

**BANKA** : बांका जिले के चांदन प्रखंड अंतर्गत आनंदपुर सहायक थाना क्षेत्र के फतेहपुर स्थित जंगली क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक सनकी पति द्वारा मामूली विवाद में अपनी पत्नी की हत्या उसके मायके जाकर पत्थर से कूच-कूचकर कर दी गई। हत्या के बाद पति मौके से फरार हो गया। मृतका की पहचान गोलकी देवी के रूप में हुई है। हत्या पति का नाम सरजू खैरा है। मामला शुक्रवार 28 जून का बताया जा रहा है। हत्याकांड के बाद इलाके में गमगीन माहौल है। मृतका के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। कुसुमजोरी पंचायत अंतर्गत फतेहपुर गांव के मायकुरा पुझार टोला के स्वर्गीय घाटो पुझार के दूसरी पुत्री की शादी छत्रपाल ग्राम निवासी सरजू खैरा से हुई थी। बता दें कि बेटी को एक 10 वर्षीय पुत्री और दो पुत्र हैं। मृतका की मां पुतली देवी का कहना है कि आठ दिन पहले उसकी बेटी और दामाद सरजू खैरा हमारे घर आए थे।

## हम भी विशेष राज्य के दर्जे के पक्षधर : चिराग

**AGENCY PATNA** : बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के मुद्दे ने एक बार फिर से जोर पकड़ लिया है। नई दिल्ली में जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इसकी मांग की गई। जिसके बाद अब इस मामले पर केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री और लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हम इसके पक्ष में हैं। बिहार में कौन सी पार्टी ऐसी है जो यह मांग नहीं करेगी या इस मांग पर सहमत नहीं होगी? रविवार को पटना में मीडिया से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि यह उदाव की राजनीति नहीं है बल्कि वे हमारी मांग रही है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। बिहार में कौन सी पार्टी ऐसी है जो यह मांग नहीं करेगी या इस मांग पर सहमत नहीं होगी? हम खुद इसके पक्ष में हैं। हम एनडीए सरकार में हैं,



बीजेपी गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है और पीएम मोदी हमारे नेता हैं जिन पर हम सब को विश्वास है। अगर हम यह मांग उनके सामने नहीं रखेंगे तो फिर किससे मांगेंगे? चिराग पासवान ने आगे कहा कि हमलोग राजनीतिक दल होने के नाते यह भी मानते हैं कि नीति आयोग के अधीन वे विषय आता है। नए प्रावधानों के अंतर्गत कुछ टेक्निकल समस्याएं हैं, जिनका हमलोग मिलकर समाधान ढूँढ़ेंगे। जो जदयू ने कहा है यह हमलोगों की भी मांग है कि बिहार को जल्द से जल्द विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए।

## सरपंच ने नाबालिग जोड़े की पैसे लेकर कराई शादी

**KISHANGUNJ** : जिले के दिघलबैंक थानाक्षेत्र में सरपंच ने लड़की के परिजन से रुपया लेकर दो नाबालिग जोड़े की शादी करा दी। मामला मंगुरा पंचायत का है। जहां सरपंच अंजोला बेगम और उसके पति तस्लीमुद्दीन ने जबरन 15 वर्षीय लड़के के साथ शादी कराई है। लड़के के माता सुहागी बेगम ने जन निर्माण केन्द्र सहयोगी संस्था कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन किशनगंज की टीम से न्याय दिलाने की मांग की। संस्था के जिला परियोजना समन्वयक मो. मुजाहिद आलम ने टीम गठित कर मामले की जांच की। उन्होंने बताया कि पूरे मामले में सरपंच और उसके पति जांच टीम का सहयोग नहीं किया है, जिसके बाद सरपंच और उसके पति के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक को लिखित सूचना दिया। सरपंच को पदसुक्त करने के लिए जिला पंचायती राज पदाधिकारी को पत्र लिखा गया है।

## स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न, मशरूम, स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट एवं वेजीटेरियन फ्रूट पर काम करने की जरूरत : डीएम

## पूर्णिमा का मखाना विदेशों में मचा रहा धूम

## AGENCY PURNIYA :

पूर्णिमा का मखाना जापान और आस्ट्रेलिया जाने लगा है। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि यहां के उद्यमियों द्वारा मखाना जापान एवं ऑस्ट्रेलिया में भेजा जा रहा है। जिसे किसानों के आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न, मशरूम, स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट एवं वेजीटेरियन फ्रूट पर काम करने की जरूरत है। मखाना, स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी एवं औषधी की खेती के लिए यहां की जमीन उपयुक्त है। डीएम की अध्यक्षता में स्वीट कॉर्न एवं बेबी कॉर्न की तकनीकी खेती और बढ़ावा देने के लिए युवा प्रगतिशील किसान एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ परिचर्चा की गयी। इसमें उप



## रजनीगंधा फूल व वाली हल्दी की भी हो रही खेती

बनमनखी के प्रगतिशील किसान द्वारा बताया गया कि स्ट्रॉबेरी एवं रजनीगंधा फूल, काला हल्दी, अदरक की खेती करता हूँ। स्ट्रॉबेरी की एक एकड़ में खेती करने से मुझे साल में 3 लाख की आमदनी हुई। जिलाधिकारी द्वारा परिचर्चा के क्रम में कृषकों से कहा गया कि जिला प्रशासन द्वारा बड़ा अभियान चलाया जा रहा है कि किसानों की कठिनाइयों को दूर किया जा सके। प्रशासन, किसान तथा फूड प्रोसेसिंग वाले उद्यमी हम सब मिलकर पूर्णिमा को नेशनल स्तर पर ले जा सकते हैं। हम सभी को समन्वय बनाकर काम करना होगा।

विकास आयुक्त साहिला, जिला कृषि पदाधिकारी एवं सहायक निदेशक शश्य प्रक्षेत्र, सभी अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक, एटएम, बीटीएम, किसान सलाहकार, स्टार्टअप पूर्णिमा के प्रतिनिधिगण शामिल

हुए। परिचर्चा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि इस परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय को बढ़ाना, नए युवा वर्ग को कृषि के प्रति प्रोत्साहित करना, नए युवा वर्ग को कृषि उद्यमी की ओर बढ़ावा देना है। नवाचारी युवा प्रगतिशील किसानों से लिया

फोनबैक जिला पदाधिकारी द्वारा नवाचारी युवा प्रगतिशील किसानों से खेती किसानी के बारे में फोनबैक लिया गया। इसी क्रम में प्रखंड पूर्णिमा पूर्व के पंचायत चांदी के युवा प्रगतिशील किसान शशि भूषण द्वारा बताया गया कि एक एकड़ में स्वीट कॉर्न की खेती

से योग्य मुनाफा हुआ है। इसकी खेती साल में तीन बार होती है। स्वीट कॉर्न के हरा चारा पशुओं के उपयोग में लाने से 2 लीटर दूध की वृद्धि पाई गई है। इसी प्रकार प्रखंड रूपौली के पंचायत घूरनारटीका पट्टी के युवा प्रगतिशील किसान मिथिलेश कुमार द्वारा बताया गया कि प्रथम बार स्वीट कॉर्न की खेती कर स्थानीय बाजार में बेचा तो मुझे लागत से दोगुना मुनाफा हुआ है। जिले में ड्रैगन फ्रूट की खेती 50 एकड़ में किसानों द्वारा किया जा रहा है। जिससे एक एकड़ में 5 लाख रुपए की आमदनी किसानों को हो रही है। नई सोच एवं जज्बा के साथ खेती करें। बताया गया कि पूर्णिमा में स्वीट कॉर्न की खेती के लिए 149 एकड़ एवं बेबी कॉर्न की खेती के लिए 140 एकड़ में विभाग की ओर से लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## AGENCY PATNA :

ट्रेन से यात्रा करनेवालों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। बिहार से गुजरनेवाली 15 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया गया है। दरअसल ट्रेनों की परिचालनिक सुगमता के लिए गोंडा-बुढ़वल तीसरी लाइन की कमीशनिंग के लिए गोंडा कचहरी-मैजापुर-करनेलागंज स्टेशनों पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाना है। इस कारण इस रेलखंड से गुजरनेवाली 15 ट्रेनों का चार जुलाई तक अलग-अलग तिथियों में रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों को असुविधा नहीं हो और वैकल्पिक तरीके से अपनी यात्रा पूरी कर सकें इसके लिए रेलवे ने सूचना जारी कर दी है। रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार ग्वालियर-बनौरी नौ नौ स्पेशल 30 जून को, बनौरी-ग्वालियर स्पेशल 01 जुलाई को, रक्सौल-आनंद विहार स्पेशल 30



## चार जुलाई तक यात्रियों को रहेगी परेशानी

इन ट्रेनों के अलावा न्यूलगाईगुडी-अमृतसर स्पेशल 5 को, गुवाहाटी-जम्मूती स्पेशल 01 जुलाई को, जम्मूती-गुवाहाटी स्पेशल 04 जुलाई को और गुवाहाटी-एसमीडी कटरा स्पेशल 01 जुलाई को रद्द रहेगी। रेलवे ने ट्रेनों के रद्द होने की सूचना पहले ही जारी कर दिया है, ताकि लोगों को यात्रा में असुविधा नहीं हो। वे अपनी यात्रा किसी वैकल्पिक तरीके पूरी कर लें। इससे पहले रेलवे ने 28 जून से लेकर दो जुलाई तक गया-किऊल रेलखंड पर चलनेवाली आठ पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया गया है।

जून को, आनंद विहार-रक्सौल स्पेशल 01 जुलाई को, आनंद विहार मुजफ्फरपुर स्पेशल 01 जुलाई को रद्द रहेगी। इसी प्रकार मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल 02 जुलाई, लखनऊ-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस 01, 02 एवं 03 जुलाई

को, पाटलिपुत्र-लखनऊ एक्सप्रेस 01, 02 एवं 03 जुलाई को, सहरसा-सरहिंद स्पेशल 01 जुलाई, सरहिंद-सहरसर स्पेशल 03 जुलाई को, अमृतसर-न्यूलगाईगुडी गु स्पेशल 03 जुलाई को रद्द रहेगी।

## आखिर क्यों चुप्पी साध गई पक्षियों की चहचहाहट

पक्षियों को पर्यावरण की स्थिति के सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में से एक माना जाता है। क्योंकि वे आवास परिवर्तन के प्रति संवेदनशील हैं और पक्षी पारिस्थितिकीविद् के पसंदीदा उपकरण हैं। पक्षियों की आबादी में परिवर्तन अक्सर पर्यावरणीय समस्याओं का पहला संकेत होता है। चाहे कृषि उत्पादन, वन्य जीवन, पानी या पर्यटन के लिए पारिस्थितिक तंत्र का प्रबंधन किया जाए, सफलता को पक्षियों के स्वास्थ्य से मापा जा सकता है। पक्षियों की संख्या में गिरावट हमें बताती है कि हम आवास विखंडन और विनाश, प्रदूषण और कीटनाशकों, प्रचलित प्रजातियों और कई अन्य प्रभावों के माध्यम से पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

***बदल रहे हर रोज ही, हैं मौसम के रूप।***

***सदों के मौसम हुई, गर्मी जैसी धूप।।***

***सुनो बगिया देखकर, तितली है खामोश।***

***जुगनू की बारात से, गावब है अब जोश।।***

हाल ही की एक रिपोर्ट, 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स बर्ड्स' के अनुसार, दुनिया भर में मौजूदा पक्षी प्रजातियों में से लगभग 48 फीसदी आबादी गिरावट के दौर से गुजर रही है या होने का संदेह है। प्राकृतिक प्रणालियों के महत्वपूर्ण तत्वों के रूप में पक्षियों का पारिस्थितिक महत्व है। पक्षी कीट और कृतक नियंत्रण, पौधे परागण और बीज फैलाव प्रदान करते हैं जिसके परिणामस्वरूप लोगों को ठोस लाभ होता है। कीट का प्रकोप सालाना करोड़ों डॉलर के कृषि और वन उत्पादों को नष्ट कर सकता है। पर्पल मार्टिंस लंबे समय से हानिकारक कीटनाशकों के स्वास्थ्य और पर्यावरणीय लागत (आर्थिक लागत का उल्लेख नहीं) के बिना कीट कीटों की आबादी को काफी हद तक कम करने के एक प्रभावी साधन के रूप में जाना जाता है।

***आती है अब है कहां, कोयल की आवाज।***

***बड़ा पीपल सूखकर, टूट खड़ा है आज।।***

***जब से की बाजार ने, हरियाली से प्रीत।***

***पंछी डूबे दर्द में, फूटे गम के गीत।।***

पक्षी प्राकृतिक प्रणालियों में कीड़ों की आबादी को कम करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूर्वी जंगलों में पक्षी 98 प्रतिशत तक बुड़वार्म खाते हैं और 40 प्रतिशत तक सभी गैर-प्रकोप कीट प्रजातियों को खाते हैं। इन सेवाओं का मूल्य 5,000 डॉलर प्रति वर्ष प्रति वर्ग मील वन पर रखा गया है, संभावित रूप से पर्यावरण सेवाओं में अरबों डॉलर में अनुवाद किया जा सकता है। पक्षियों और जैव विविधता के नुकसान का सबसे बड़ा खतरा आवासों का विनाश और क्षरण है। पत्रावास के नुकसान में प्राकृतिक क्षेत्रों का विखंडन, विनाश और परिवर्तन शामिल है, जिन्हें पक्षियों को अपने वार्षिक या मौसमी चक्र को पूरा करने की आवश्यकता होती है।

***फौके-फौके हो गए, जंगल के सब खेल।***

***हरियाली को रौंदती, गुजरी जब से रेल।।***

***नहीं रहे मुंडेर पर, ताँते-कौवे-मोर।***

***लिए मशीनी शोर है, होती अब तो भीर।।***

1800 के दशक के बाद से अधिकांश पक्षी विलुप्त होने के लिए आक्रामक प्रजातियां जिम्मेदार हैं, जिनमें से अधिकांश समुद्री द्वीपों पर हुई हैं। उदाहरण के लिए, अकेले हवाई में, आक्रामक रोजनजनों और शिकारियों ने 71 पक्षी प्रजातियों के विलुप्त होने में योगदान दिया है। कुछ पक्षियों का अवैध शिकार वाणिज्यिक और वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए, भोजन के लिए, या उनके पंखों के लिए किया जाता है। ऐतिहासिक रूप से, कुछ प्रजातियों का अत्यधिक शिकार विलुप्त होने का प्रमुख कारण रहा है। स्थानीय स्तर पर निर्वाह के शिकार के परिणामस्वरूप शायद ही कभी प्रजातियों का विलोपन होता है। व्यावसायिक शिकार से किसी प्रजाति के मरने की संभावना अधिक होती है।

***अमृत चाह में कर रहे, हम कैसे उत्थान।***

***जहर हवा में घोलते, हुई हवा तुफान।।***

***बेचारे पंछी यहां, खेलें कैसे खेले।***

***खड़े शिकारी पास में, ताने हुए खुले।।***

जलवायु परिवर्तन से आवास के नुकसान और आक्रामक प्रजातियों के खतरों के साथ-साथ नई चुनौतियों का निर्माण करने का खतरा है, जिन्हें पक्षियों को दूर करना होगा। इसमें आवस वितरण में बदलाव और चरम खाद्य आपूर्ति के समय में बदलाव शामिल है जैसे कि पारंपरिक प्रवासन पैटर्न अब पक्षियों को नहीं रख सकते हैं जहां उन्हें सही समय पर होने की आवश्यकता होती है। अन्य मानव निर्मित संरचनाओं के साथ टकराव भी एक इनकी मौत का कारण है। उदाहरण के लिए, पावरलाइन पक्षियों के लिए एक खतरा पेश करती है, विशेष रूप से बड़े पंखों वाले, और हर साल 25 मिलियन पक्षियों की मौत का अनुमान है। संचार टावरों का अनुमान है कि हर साल 7 मिलियन पक्षियों की मौत हो जाती है और रात में प्रवास करने वाले पक्षियों के लिए एक विशेष खतरा पैदा होता है।

***वाहन दिन पर दिन बढ़े, खुब मचाये शोर।***

***हवा विषैली हो गई, धुआं चारों ओर ।।***

***बिन हरियाली बढ़ रहा, अब धरती का ताप।***

***जीव-जगत नित भोगता, कुदरत के संताप।।***

### ANALYSIS



गिरीश्वर मिश्र

योग-विज्ञान में सांस लेना सिर्फ शारीरिक अभ्यास नहीं है। वह आध्यात्मिक विकास की राह भी है और तन-मन से स्वस्थ बने रहने का एक सरल नुस्खा भी है। योग के अंतर्गत प्राणायाम में सांस लेने के विभिन्न तरीकों पर विशेष रूप से चर्चा की गयी है। योगियों की अनेक उपलब्धियां का आधार सांसों के नियंत्रण में ही छिपा हुआ है। प्राणायाम का अर्थ होता है प्राण का विस्तार और उसकी अभिव्यक्ति। हमारा मन प्राण के साथ वैसे ही जुड़ा रहता है जैसे एक पतंग धागे से जुड़ी रहती है। धागा अच्छी तरह पकड़े रहते हैं या प्राण शक्ति नियंत्रित रहती है तो चंचल मन नियंत्रित और वांछित दिशा में सक्रिय होता है। सांस का विज्ञान प्राण को नियंत्रण में लाता है जिसके फलस्वरूप मन पर साधक का अधिकार स्थापित होता है। वस्तुतः प्राण की ऊर्जा सम्पूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त है और वही शरीर से जुड़ी रहती है। शरीर में प्राण-शक्ति के अनेक कार्य हैं जिनको ध्यान में रख कर पांच तरह के प्राणों की पहचान की गई है- उदान, प्राण, समान, अपान और व्यान। उदान लेरीनेक्स के ऊपर के भाग में और विशिष्ट इंद्रियों से जुड़ा होता है। प्राण हृदय के आधार से लेकर लेरीनेक्स तक सक्रिय रहता है। यह वाक्शक्ति और श्वसन प्रणाली से जुड़ा है।

# एकै साधे सब सधे!

जीवन की डोर सांसों से बंधी होती है इसलिए सामान्य व्यवहार में सांस लेना जीवन के पर्याय या लक्षण के रूप में प्रचलित है। सांस अन्दर लेना और बाहर निकालना एक स्वतः चालित स्वेच्छक शारीरिक क्रिया है जो शरीर में दूसरी प्रक्रियाओं को प्रभावित करती है और हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा असर डालती हैं। योग-विज्ञान में सांस लेना सिर्फ शारीरिक अभ्यास नहीं है। यह आध्यात्मिक विकास की राह भी है और तन-मन से स्वस्थ बने रहने का एक सरल नुस्खा भी है। योग के अंतर्गत प्राणायाम में सांस लेने के विभिन्न तरीकों पर विशेष रूप से चर्चा की गयी है। योगियों की अनेक उपलब्धियां का आधार सांसों के नियंत्रण में ही छिपा हुआ है। प्राणायाम का अर्थ होता है प्राण का विस्तार और उसकी अभिव्यक्ति। हमारा मन प्राण के साथ वैसे ही जुड़ा रहता है जैसे एक पतंग धागे से जुड़ी रहती है। धागा अच्छी तरह पकड़े रहते हैं या प्राण शक्ति नियंत्रित रहती है तो चंचल मन नियंत्रित और वांछित दिशा में सक्रिय होता है। सांस का विज्ञान प्राण को नियंत्रण में लाता है जिसके फलस्वरूप मन पर साधक का अधिकार स्थापित होता है। वस्तुतः प्राण की ऊर्जा सम्पूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त है और वही शरीर में भी व्यक्त होती है। शरीर में प्राण-शक्ति के अनेक कार्य हैं जिनको ध्यान में रख कर पांच तरह के प्राणों की पहचान की गई है- उदान, प्राण, समान, अपान और व्यान। उदान लेरीनेक्स के ऊपर के भाग में और विशिष्ट इंद्रियों से जुड़ा होता है। प्राण हृदय के आधार से लेकर लेरीनेक्स तक सक्रिय रहता है।

यह वाक्शक्ति और श्वसन प्रणाली से जुड़ा है। समान हृदय और नाभि के बीच सक्रिय होता है और पाचन क्रिया से भी जुड़ा है। अपान नाभि के नीचे स्थित रहता है और किडनी तथा मूत्राशय आदि अन्य अंगों को प्रभावित करता है। व्यान पूरे शरीर में व्याप्त रहता है और सभी पेशियों और जोड़ों के संचालन से जुड़ा होता है। प्राण की ऊर्जा बहुत सूक्ष्म होती है जिसे श्वास के सभ्यास से नियंत्रित किया जाता है। श्वासों पर नियंत्रण के लिए सांस अंदर लेने और बाहर निकालने, उसे रोकने आदि की गति, अवधि, तीव्रता तथा आवृत्ति आदि में बदलाव किया जाता है। वस्तुतः कोई भी रोग हमारी प्राण शक्ति के प्रवाह में असंतुलन का परिणाम होता है। हमारी श्वासझ्रश्रश्वास की प्रक्रिया प्राणिक ऊर्जा का मूल आधार होती है। हम सब एक दिन में लगभग 20,000 बार सांस लेते हैं। सांस को फेफड़े के अन्दर लेते समय हृदय गति बढ़ जाती है और सांस को बाहर निकालते हुए कम हो जाती है। हमारा तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) भी सांस की गति के प्रति संवेदनशील रहता है। हम अच्छी तरह सांस लेचे हुए तनाव में कमी और अन्दर से ऊजाज्वान महसूस करते हैं। अपने सांस पर ध्यान देकर स्वास्थ्य और दीर्घायु पा सकते हैं। रोचक बात यह है कि हम अपनी सांस लेने के क्रम को आवश्यकतानुसार बदल भी सकते हैं और अपनी पूरी शरीर-प्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं। सांस का सायास प्रयोग कब शुरू हुआ यह तो मालूम नहीं पर भारत में निश्वय ही इसकी बड़ी पुरानी परम्परा मौजूद रही है। श्रीमद्भगवद्गीता में सांस लेना (पूरक), सांस को छोड़ना (रेचक) और सांस को रोकना

# विश्व को वृक्ष-वनस्पति प्रेमी विकास तंत्र की आवश्यकता

वातावरण में तनाव है। पृथ्वी का ताप बढ़ रहा है। सभी जीव व्यथित हैं। प्रकृति में अनेक जीव हैं। सब शुद्ध प्राण वायु पर निर्भर हैं। प्राण वायु का मुख्य स्रोत वनस्पतियां हैं। भारतीय राष्ट्रजीवन में वनस्पतियां, औषधियां देवता की श्रेणी में हैं। पीपल, बरगद, नीम, बेल आदि वृक्षों की उपासना होती है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया कि, "पीपल का वृक्ष मैं ही हूँ!" भारत की तरह दुनिया के किसी भी अन्य देश, संस्कृति व सभ्यता में वनस्पतियों और वृक्षों को नमस्कार नहीं किया गया। वनस्पतियों के कारण पर्यावरण शुद्ध रहता है। दुर्भाग्य से सारी दुनिया में वन क्षेत्र घटा है। भूमण्डलीय ताप बढ़ा है। वर्षा चक्र गड़बड़ाया है। यहां भारत में वैदिक काल से लेकर पुराण और महाभारत में वनस्पतियों और वृक्षों को विशेष आदर के साथ याद किया गया है। उन्हें देवता जाना गया है। हिन्दू मन वृक्ष वनस्पति की कटान पर आहत होता है।

## ज्ञान-विज्ञान और भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले नालंदा विश्वविद्यालय के नये परिसर का उद्घाटन करते हुए कहा कि हम सभी जानते हैं कि नालंदा कभी भारत की परंपरा और पहचान का जीवंत केंद्र हुआ करता था। शिक्षा को लेकर यही भारत की सोच के रहती है। जवाहरलाल नेहरू ने 1937 में इंडियन साइंस कांग्रेस के उद्घाटन में कहा था कि भारत की गरीबी को दूर करने का माध्यम शिक्षा ही है। बहरहाल, बरसों तक भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पश्चिम आयातित ज्ञान-विज्ञान पर टिकी रही। इसीलिए अंग्रेजी भाषा को माध्यम बनाया गया। विदेशी पुस्तकों में विदेशी ज्ञान भारत के ज्ञान-विज्ञान की पहचान बन गयी। सामाजिक विज्ञान भी इसी में समाहित हो गया। राष्ट्र की परिभाषा से लेकर राजनीतिक विचार-विमर्श का आधार भी पश्चिमी ज्ञान-विज्ञान बना। प्रधानमंत्री मोदी ने दस वर्ष पूर्व कार्यभार संभालने के साथ इस गिरह को खोलने की सोच को

विकास का आधुनिक माडल वनस्पति प्रेमी नहीं है। विश्व को वृक्ष वनस्पति प्रेमी विकास तंत्र की आवश्यकता है। वृक्ष बोलते हैं संभवतः। सुनते अन्वय है। उनसे वार्ता करना अनुभव का अनुभव है। एक शोध के अनुसार जिस पौधे से प्रेमपूर्ण वार्ता होती है, वह जल्दी बढ़ता है। पौधों को ध्यान और प्रेम से देखने वाले प्रसन्न रहते हैं। पेड़ पौधे आपस में भी बात करते होंगे। वे वृक्ष प्रेमी को देखते ही प्रसन्न हो जाते हैं। वे कुदरती लेखक आने वाले 'पेड़ कटवा'को देखकर सहम जाते हैं। गहन उदास होते हैं। वृक्ष वनस्पति हमारे परिजन हैं। इन्हें खिलने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। बीज से वृक्ष, वृक्ष से फूल और फूलों से बीज का वृतुल पूरा होना चाहिए। वनस्पतियां ढेर सारी हैं लेकिन सोम वैदिक पूर्वजों की सर्वाधिक प्रिय वनस्पति है। ऋषियों ने सोम को बहुत बड़ा देवता बताया है। ऋग्वेद के नवें मण्डल में 144 सूक्त हैं। इन सभी सूक्तों के देवता सोम हैं। ऋग्वेद में सोम का अनेक

प्रसंगों में उल्लेख है। सोम को सारी वनस्पतियों का राजा भी कहा गया। (9.114.2) सोम वनस्पति से रस निकाला जाता था। वैदिक अभिजन सोम को स्मृति प्रदान करने वाला पेय मानते थे। सोमरस का प्रयोग पीने के लिए तो किया ही जाता था। यज्ञ में इस रस की आहुतियां भी दी जाती थीं। ऋग्वेद के अनुसार सोम देवताओं को प्रिय भी था। पूर्वज मानते थे कि सोमरस पीने से मनुष्यों को अमृतत्व की प्राप्ति होती है। आर्यों की ईरानी लेखक ने 'होम' वनस्पति की चर्चा है। पारसियों के धर्मग्रन्थ अवेस्ता में सोम को होम लिखा गया है। पूर्वज सैकड़ों वर्ष पहले वनस्पतियों के गुण धर्म से परिचित थे। ऋग्वेद में औषधि विज्ञान सम्बंधी एक सूक्त के देवता औषधि हैं। ऋषि कहते हैं, "हे औषधियों आपके सहस्त्रों नाम हैं। सहस्त्रों अंकुर हैं। आप हमें आरोग्य दें।" वे औषधियों की रोग निवारक शक्ति की तुलना घोड़े की शक्ति से करते हैं। स्तुति है, "आप गतिशील घोड़े की तरह रोगों को

तेजी से दूर करती हैं। आप हमें सुख दें।" खास बात यह है कि वे औषधियों को माता बताते हैं। कहते हैं कि, "आप माता की तरह पालन गुणों से युक्त हैं। हमारी प्रार्थना सुनें।" वनस्पतियां औषधियां माता हैं। ऋषि कहते हैं कि, "कुछ औषधियां निकट हैं। कुछ दूरी पर हैं।" कवि को विश्वास है कि, "औषधियां उनकी प्रार्थना सुनती हैं।" अथर्ववेद में भी औषधियों वनस्पतियों का देवता कहा गया है। अथर्ववेद का एक पूरा सूक्त औषधियों पर ही है। ऋषि कहते हैं कि, "कुछ औषधियां लाल रंग की हैं। कुछ श्वेत हैं। कुछ भूरी हैं। कुछ काली हैं। कुछ कई रंगों वाली हैं। पृथ्वी माता हैं। आकाश पिता हैं। औषधियां भी इसी परिवार की हैं। ऋषि कहते हैं कि, "औषधियों के पिता आकाश हैं।" यहां औषधियां वनस्पतियां माता पृथ्वी व पिता आकाश की परिजन हैं। रोगों के कारण होते हैं। कुछ रोग मनुष्य की अपनी गलती से पैदा होते हैं। कहते हैं कि, "जल

और औषधियां हमारे पाप से उत्पन्न यक्षमा रोग दूर करें।" कुछ औषधियां सर्वसुलभ हैं। कुछ औषधियां खरीदने से उपलब्ध होती हैं। कहते हैं, "ऋयंहित औषधियां मनुष्यों, अश्वों को स्वस्थ रखें।" वनस्पतियां मनुष्य को स्वस्थ रखती हैं। आम महुआ आमला रसपूर्ण है। आमला युवा बने रहने का रसायन है। औषधियां, वनस्पतियां अनेक प्रकार की हैं। कहते हैं, "गुच्छों वाली, एक कोपल वाली औषधियां अनेक शाखाओं वाली औषधियों का आवाहन करते हैं।" प्रत्येक जीव में रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसे रोग निरोधक क्षमता कहते हैं। अथर्ववेद में स्थान के आधार पर भी औषधियों के भेद किए गए हैं। एक मंत्र (8.7.17) में कहते हैं, "अंगिरा द्वारा च्विचेत औषधियां पर्वतीय क्षेत्रों व समतल मैदानों में उगती हैं। वे हृदय को सुख शांति देती हैं।" कुछ औषधियों को अमर भी बताया गया है। औषधियां जीव रक्षक हैं। वैदिक काल के समाज

तनाव को कम करता है। अच्छी तरह से सांस लेने से प्रतिरक्षा तंत्र स्वस्थ और शक्ति होता है। अभ्यास के साथ सांस लेने पर नियंत्रण आये तो वह तनाव के प्रति प्रतिक्रिया को प्रभावित करता है। यह एक बहुत बड़ी शक्ति है। इसके लिए योग में प्रयुक्त एक अभ्यास उपयोगी है जिसमें सांस अन्दर बाहर एक संख्या तक गिन कर करते हैं। सांस की उपयुक्त आरामदायक लम्बाई का पता चलता है और जब यह पता चल जाय तो लय को धीमा किया जा सकता है। यह प्रणाली शर्रर को चुस्त दुरुस्त रखने जरूरी है। इसे अवसाद और दुःखिन्ता की चिकित्सा में भी उपयोगी पाया गया है। अपनी मानसिक प्रक्रियाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण सहायता आप मस्तिष्क और अन्य महत्वपूर्ण अंगों के लिए आक्सीजन उपलब्ध करा कर कर सकते हैं। इसकी कुंजी सांस लेने की दर में छिपी है। धीमी और आराम की सांस लेना लाभप्रद होता है। तीव्र और छिछली सांस ठीक विपरीत प्रभाव वाली होती है। जब आप नाक से सांस बाहर निकालते हैं तो मुंह से निकालने के लिए अर्धक कार्वन रखते हैं इसलिए ज्यादा से ज्यादा नाक से सांस लेना का अभ्यास करना चाहिए। इससे होमोग्लोबीन से कोशिका में वाक्सीजन का प्रवेश बढ़ जाता है रक्त प्रवाह भी सुधर जाता है। ठीक तरह से सांस लेना स्वास्थ्य की कुंजी है। सचेत रूप से सांस लेना एक प्राचीन विषय है और आज की ताजी शब्दावली में स्वसन-अभ्यास (ब्रीद वर्क) एक स्वतंत्र अध्ययन विषय बन चुका है।

**लेखक,महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।**

## Social Media Corner

### सच के हक में...

हूल दिवस हमारे आदिवासी समाज के अप्रतिम साहस, संघर्ष और बलिदान को समर्पित एक महान अवसर है। इस पावन दिवस पर सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-ज्ञानो जैसे जनजातीय वीर-वीरांगनाओं को मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। ब्रिटिश साम्राज्य के अत्याचार के खिलाफ उनके स्वाभिमान और पराक्रम की कहानियां देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

शोकांकी और अत्याचारियों को लगा था आदिवासी ही, यह कैसे लड़ पायेंगे, यह डडयंत्र का सामना कैसे कर पायेंगे! इन्हें दबा देंगे तो इनका जल-जंगल-जमीन हथिया लेंगे। इसका जवाब भीषण संघाल हूल विद्रोह था। एक ही परिवार से अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, फूलो-ज्ञानो, चांद-भैरव ने अस्ख्पा वीरों और वीरांगनाओं के साथ मिलकर शोकांकी की ईंट से ईंट बजा दी थी। उन्होंने अपनी माटी के लिए संघर्ष करना-लड़ना स्वीकार किया, मगर कभी झुकना नहीं। हम झारखण्डवासियों की नसों में वीर पुरुखों का वही क्रांतिकारी खून बह रहा है। शोकांके के खिलाफ न हम कभी झुकें थे, न कभी झुकेंगे। हूल विद्रोह जारी रहेगा... हूल विद्रोह के अमर वीर शहीदों की शहादत को शन-शन नमो। अमर वीर शहीद सिदो-कान्हो अमर रहें! झारखण्ड के वीर शहीद अमर रहें! जय झारखण्ड! जय जय झारखण्ड! हूल जोहार!

(पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)



## Why Moscow matters to Modi

OUTSIDE the wraparound glass wall of my hotel room in Moscow, the Moskva river shimmers in the morning sun; the gorgeous, Stalin-era Ukraina hotel across the river is lit up like a fairytale castle at night, while the bridge over the river, Kuznetsky Most, is a memory trigger to those dark days in October 1993 when Russian tanks parked themselves on the bridge and trained their guns at their own Parliament nearby, a building also known as the White House. Rub your eyes, again, and the White House leaps up next door, now shiniely painted in white-and-gold. Elsewhere, too, the city is both spick and span. You would never guess that there's a new crisis in town, although missing hoardings to Western goods like Mercedes-Benz cars, McDonald's burgers and Maxim's pastries superficially give the game away. So much has changed since Russia's war in Ukraine began just over two years ago, but what is remarkable is that Moscow is not just far more affluent than it was during the chaos of the 1990s; it is also far more resilient and united. Nor is it anyone's case, however, as Prime Minister Modi travels to Moscow for a day-long summit with Russian President Vladimir Putin a week or so from now, that the war hasn't affected people. Anti-war sentiment is significant, if subdued. The fact that Ukrainians and Russians share many important things — including the Orthodox Church, Slav ethnicity, marriage and family ties, which basically mean they are part of one, large cross-border family — makes one wonder if the thousands of people still dying on both sides are worth the cause they claim to be fighting for. Probably not. Few ideas are worth a bullet inside your body. The truth is that the battle for Ukraine is no longer just a fight between Ukrainians and Russians, but a proxy for someone else's argument. Right from the start in February 2022, the Ukrainians never had the sophisticated weaponry to fight the Russians — Putin probably thought he would walk all over Ukraine within days, declare victory and move on. It hasn't quite worked out like that because the West is getting more and more deeply involved. For the past two years, the US has continued to supply Ukraine sophisticated weaponry to fight the Russians. In the past year, US-made drones have launched attacks deep within Russia, even reaching the outskirts of Moscow. Western mercenaries of more than one NATO country — the US, Canada, the UK, France, Poland and Romania — have been fighting alongside Ukrainian soldiers. Clearly, it's too soon after Afghanistan to put American boots on the ground, but NATO mercenaries are also obviously operating the more sophisticated weaponry that Ukrainians may not be able to. It is in the middle of this chaotic situation that PM Modi is going to Moscow. Western diplomats are already wondering why he wants to embrace the Russian leader at a time like this — especially when US National Security Adviser Jake Sullivan was in Delhi less than a fortnight ago to promise the transfer of critical technologies, a gesture India has widely appreciated.

On the other hand, India-Russia trade has zoomed from a mere \$10 billion before the Ukraine war to around \$70 billion today, primarily because of the large quantities of oil India is buying from Russia, refining it at a smallish profit and re-exporting the refined product to European refineries — the Europeans, as we know by now, have been sanctioned from trading with Russia since the start of the war, which is what explains the missing hoardings on Moscow's streets. Certainly, Russia's cheap, discounted oil has helped India minimise the damage to its own economy, especially as India came off the Covid pandemic. Imagine the impact on the elections, especially on the ruling BJP, if oil prices had gone through the roof — for a price-sensitive country which imports more than 80 per cent of its energy, stabilising the domestic oil market would have taken much dexterity. Certainly, Modi is keenly aware that his visit to Moscow will be keenly watched all around. Limiting his trip to one day is, perhaps, a good compromise — India doesn't want to antagonise the Americans too much.

## Punjab must address root causes of drug abuse

It needs to be acknowledged that drug addicts are victims of deep-rooted socio-cultural and politico-economic distortions.

PUNJAB has been grappling with a severe drug addiction crisis that has claimed many young lives. Unfortunately, the state lacks comprehensive data on drug addicts and related deaths, their socio-economic profiles, reasons for addiction and its socio-economic costs. A recent report in The Tribune, 'Punjab drug overdose: 14 deaths in 14 days', highlighted the government's failure to curb this menace, indicating that the issue extends beyond overdose; it includes the threat of addiction and premature deaths among the youth. Alarming, adolescents are also falling prey to drug addiction. This necessitates a multi-pronged strategy that addresses the root causes of addiction, curbs drug supply and demand, promotes de-addiction and rehabilitation and prevents a rise in the number of drug users. A recent study conducted by my colleagues Gurinder Kaur and Jatinder Singh and me at the Centre for Research in Rural and Industrial Development (CRRID), Chandigarh, and commissioned by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR), New Delhi, titled 'Dynamics of Drug Addiction and Abuse in India, with a Major Focus on Punjab' (Routledge, 2024), delves into the socio-cultural and politico-economic reasons behind drug addiction. The study underlines the need to address the underlying causes comprehensively, in the absence of which sustainable solutions to Punjab's drug menace will remain unattainable. It also reveals an unholy nexus among smugglers, police and politicians (SPP), as evidenced by the indictment of senior police officers and CM Bhagwant Mann's reported admission of some cops' involvement with smugglers, leading to the transfer of 10,000 personnel. The distribution of intoxicants and drugs during elections further undermines the political will to combat the drug crisis. Successive governments have downplayed the issue. In 2009, an affidavit submitted to the Punjab and Haryana High Court wrongly claimed that 70 per cent of the state's youth were addicted to drugs. The 2016 Hindi movie Uda Punjab magnified the issue, bringing national attention to it. The arrest of dismissed Punjab Police DSP Jagdish Singh Bhola in a multimillion-dollar drug racket in 2013 exposed the extent of the problem. Despite being a key election issue for over a decade, there has been little progress. Even the special task force (STF) reports on drugs, submitted to the high court in 2018, faced administrative and legal challenges, hinting at the SPP nexus. Following The Tribune's report, the



Punjab Government declared another war on drugs. But such declarations have been made before, with little success. Measures like the constitution of the STF under the ADGP in 2017, the arrest of Bhola and a former Cabinet minister and the apprehension of thousands of peddlers and addicts were notable steps. The government also introduced outpatient opioid-assisted treatment, drug abuse prevention officers and buddy programmes. However, despite these efforts, the drug menace persists. Our study also highlights the severe socio-economic ramifications of drug addiction, which burdens the health infrastructure and law enforcement while consuming the most productive years of human capital, leading to premature deaths from ailments like HIV/AIDS. Punjab's drug supply comes from international and domestic sources. The Golden Crescent (Iran, Afghanistan and Pakistan) and the Golden Triangle (Myanmar, Laos and Thailand) are major international sources, with Punjab situated on the transit route of the Golden Crescent. Additionally, opioid-based and synthetic drugs are manufactured and supplied domestically. Economic factors contributing to drug use and peddling include high unemployment, underemployment, low wages and the lure of quick money from drug peddling. Among affluent households, easy access to money is a factor. Social factors include the consumption of intoxicants by elders, peer pressure, disharmonious family relations, unfulfilled aspirations, frustration, failure, the rise of nuclear families, shrinking community interaction and rising individualism and loneliness. Additionally, a lack of awareness about the harmful effects of drugs and an indifferent civil society

exacerbate the problem. Politically, the SPP nexus remains a significant barrier. Addressing the drug menace requires acknowledging that drug addicts are victims of deep-rooted socio-cultural and politico-economic distortions and should be treated as patients, not culprits. Along with the government's three-pronged strategy of enforcement, de-addiction and prevention, emphasis must also be laid on rehabilitation and preventing relapse. A holistic approach to tackling drug addiction in Punjab should include the following strategies:

- (i) Establish a robust data collection system to gather comprehensive information on drug addiction, including socio-economic profiles, reasons for addiction and the socio-economic costs of addiction. This data will help targeted interventions.
- (ii) Intensify efforts to dismantle the SPP nexus. Ensure strict enforcement of laws against drug trafficking and distribution, coupled with swift judicial action against offenders.
- (iii) Expand and improve de-addiction and rehabilitation centres, ensuring that they are accessible and adequately staffed. Implement evidence-based treatment protocols and provide psychological and social support to recovering addicts.
- (iv) Launch comprehensive campaigns targeting schools, colleges and communities to spread awareness about the dangers of drug use and the importance of seeking help.
- (v) Address unemployment and underemployment by creating job opportunities and skill development programmes. Strengthen social support systems to mitigate the socio-economic factors contributing to drug addiction.
- (vi) Encourage community involvement in combating drug addiction through local initiatives and support groups. Mobilise civil society organisations to advocate for policy changes and provide support to the affected families.
- (vii) Collaborate with neighbouring countries to curb cross-border drug trafficking. Strengthen border security and intelligence-sharing mechanisms to intercept drug supplies.
- (viii) Ensure inter-state cooperation, which would provide a real-time exchange of information and data, leading to an effective intervention. By addressing the drug problem with a comprehensive and coordinated approach, Punjab can make significant strides in curbing drug addiction and its associated socio-economic costs. The war on drugs must be fought with determination, compassion and a commitment to systemic change.

## Bad loans

Drop in NPA ratio augurs well for banks

PRESIDENT Droupadi Murmu's address to Parliament on Thursday coincided with the release of the Reserve Bank of India's Financial Stability Report (FSR). The President mentioned that the government had carried out reforms over the past decade to save India's banking sector, enacting laws such as the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC). She stated that the non-performing assets (NPA) of public sector banks were continuously decreasing. This is borne out by the FSR, which says that the gross NPA ratio of scheduled commercial banks fell to 2.8 per cent and the net NPA ratio decreased to 0.6 per cent at the end of March this year. As per the RBI, the gross bad loan ratio of banks has reached a 12-year low. This significant drop indicates that banks are managing their bad loans in a better way, reducing the risks of defaults.

on-performing assets are an impediment to the long-term growth and stability of the Indian banking sector; their



impact on the overall health of the economy cannot be overemphasised. Since its enactment in 2016, the IBC has helped many banks and financial lenders realise their dues by streamlining the process of resolving

insolvency cases. This is very important for the world's fastest-growing major economy, which aims to become the go-to destination for global investors. Doubts and apprehensions about India's legal and regulatory framework can be detrimental to the confidence of investors.

The RBI has noted that with healthier balance sheets, banks and financial institutions are actively supporting economic activities through consistent credit expansion, while the President has claimed that India's banking sector is one of the strongest in the world. These observations should be reassuring for domestic investors, even as there is room for improvement in terms of making banks more robust and profitable. Every customer is concerned about the safety of his or her deposits and investments; the banks' ability to handle financial shocks and minimise risks can make a huge difference to their fiscal health.

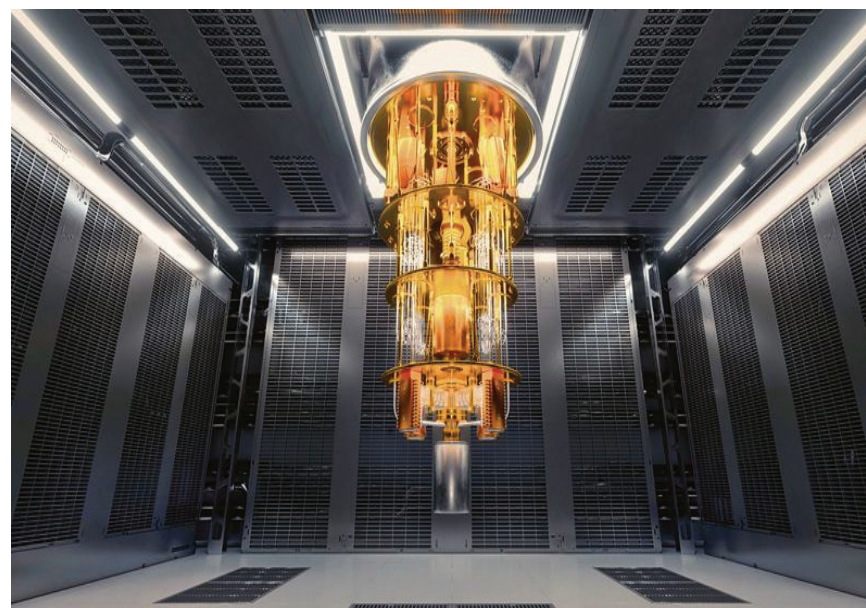
## Quantum science & technology need a proactive push

Advancements in quantum information processing and computing are critical for modelling complex systems and mitigating climate change.

THE United Nations recently declared 2025 as the International Year of Quantum Science and Technology (IYQ 2025). This declaration followed a draft resolution moved by Ghana, co-sponsored by six other countries, and supported by more than 70 nations. Next year marks the centenary of the development of quantum mechanics, which explains the behaviour of matter and energy at atomic and subatomic levels. Quantum science and technology have enabled innovations like MRI (magnetic resonance imaging), lasers, solar cells and computer chips, fundamentally transforming physics and technology. The UN aims to acknowledge these contributions, raise awareness about their role in sustainable development and ensure equal access to quantum science education and its benefits. Numerous global events and initiatives are being planned at the regional, national and global levels throughout 2025.

The development of quantum science made extraordinary scientific advances possible, overturning centuries-old notions about nature. It revealed that particles can be treated as point-like or wave-like, depending on observation, and their behaviour is inherently probabilistic. Quantum mechanics, which began as a purely theoretical field a century ago, is now a central theory governing our universe. It explains virtually everything, from the behaviour of subatomic particles to the distribution of galaxies. For example, it elucidates how the sun shines and how solar panels capture its energy on earth. Understanding the universe's building blocks enables us to uncover underground structures, map the sea floor and detect bodily changes beyond existing medical scanners. Quantum science has led to breakthroughs like integrated circuits, lasers, modern batteries and LEDs, which have revolutionised communication, medicine and lighting efficiency. Recent advancements in quantum information processing and computing are critical for modelling complex systems and mitigating climate change.

Quantum science and technology is set to become a pivotal field in this century, significantly impacting the UN's 2030 Sustainable Development Goals (SDGs) across energy, climate, environment, agriculture, health, food security and safety, clean drinking water and industrial development. Thus, quantum mechanics is a prime example of the practical impact that an abstract physical theory can have on human life. It can play a key role in advancing the UN's SDGs through improved medical imaging and diagnostics, vaccine and drug development, environmental monitoring and enhanced climate models. Additionally, quantum advancements contribute to developing new materials, energy-efficient technologies, economic growth and secure infrastructure, while promoting societal equity and accessibility through open access and gender equity in education and research. Quantum theory has revolutionised physics, chemistry, biology, engineering, electronics and communications, leading to inventions like transistors, lasers, LEDs and MRI. While conventional computers use binary 'bits' (1 and 0), quantum computing uses qubits that exist in the superposition of states to process information and promises to transform electronics, clean energy and pharmaceuticals by enabling faster computations for cryptography, logistics optimisation and drug discovery. Additionally, quantum communication offers uniquely secure information transmission. Future quantum research can revolutionise computing, communications, materials, drugs and cybersecurity, crucial for global challenges like renewable energy, health and UN SDGs, accelerating progress toward a sustainable and equitable world. An important aspect of the IYQ 2025 is to motivate young people in developing



nations as well as students from across the globe to become the next-generation torch-bearers in this field and use quantum science to make a positive impact on the lives of others. It also provides a golden opportunity for young students and inquisitive people of all ages to learn and understand this science, which can drive technological innovation, influence government policies, impact the global economy and enrich art and culture. The declaration provides a forum for educational institutions, research bodies, organisations and governments to promote quantum science and technology awareness.

Sensing the importance of this new technology, India launched the National Quantum Mission in April 2023, with a budget of around Rs 6,000 crore for eight years (2023-31). India has become the seventh country in the

world to have a dedicated quantum mission, which aims to advance research related to quantum technologies in communication, sensing, metrology, materials, devices and quantum computing. Under this mission, four hubs in the domains of quantum computing, quantum communication, quantum science and metrology, and quantum materials and devices are being set up with the aim to generate knowledge and promote R&D in these areas. The mission aims to develop quantum computers with 50-1,000 physical qubits within eight years, alongside establishing quantum communications between ground stations spanning distances of up to 2000 km. However, there is a lack of awareness about quantum science and technology in the northern region, including Punjab.

The exception is the involvement of the Indian Institute of Science Education and Research (IISER), Mohali, where Prof Arvind is leading a workforce under this mission. More efforts are needed, and the lawmakers, technical experts, people involved in science and technology, and universities across various states should take proactive steps in raising awareness about IYQ 2025. Extension lectures, exhibitions, workshops and conferences should be organised in educational institutions to inspire young minds and raise awareness about this scientific field. Similar to initiatives in universities abroad, urgent steps should be taken to establish a quantum institute in this region by involving stakeholders and preparing a roadmap for IYQ 2025 to ensure that the region benefits from quantum advancements.

## Sebi asks MFs to mandatorily disclose risk-adjusted returns

MUMBAI. To help investors make informed investment decisions and also to limit the scope for mis-selling, markets regulator Sebi has asked mutual funds to mandatorily disclose the risk-adjusted return from their scheme portfolio, along with the return of a fund scheme. Risk-adjusted return (RAR) of a scheme represents a more holistic measure of the scheme's performance as it quantifies the amount of return generated by a mutual fund scheme for each unit of risk taken to achieve that return.

The extant regulations do not mandate the disclosure of RAR, along with the returns of an MF scheme. Further, there is no uniform practice followed by asset management companies (AMCs) regarding disclosure of RAR of their scheme. The return on investment is a major factor attracting investors to invest in any mutual fund scheme and is highlighted by fund houses while marketing respective schemes. The suggestion comes in a consultation paper issued Friday. The Securities and Exchange Board (Sebi) has sought comments from the public till July 19 on these proposals.

"Considering the significance of volatility of performance in determining the suitability of fund schemes, it is desirable that the RAR of the scheme is disclosed along with disclosure of its scheme performance," Sebi said in its consultation paper.

"Information ratio (IR) is an established financial ratio to measure RAR of a scheme portfolio. It is often used as a measure of a portfolio manager's level of skill and ability to generate excess returns relative to a benchmark, and it attempts to identify the consistency of the performance by incorporating a tracking error or standard deviation component into the calculation," the paper said. To bring uniformity across different funds, Sebi has also proposed a methodology for the calculation of the information ratio for different categories of mutual fund schemes.

## AO's jurisdiction can be contested: Guj high court

NEW DELHI. The High Court of Gujarat granted permission to the petitioner to challenge the jurisdiction of the assessing officer under the Central Goods and Services Tax Act, 2017.

During the hearing, Abhishek Rastogi, representing the petitioner, argued that the order-in-original dated May 6, 2024, referenced sections of the Finance Act 1994 instead of the GST Act, under which the order was passed. This discrepancy led to the court clarifying that the petitioner has the right to file an appeal under Section 107 of the GST Act to contest the order.



The bench comprising of Justice Bhargav D Karia and Justice Niral R Mehta made it clear that the petitioner can avail of an alternative and efficacious remedy by filing an appeal under the appropriate section of the GST Act.

## CS Setty tipped to be next SBI chief

MUMBAI. Challa Sreenivasulu Setty, the senior-most managing director of the State Bank, is set to be the next chairman of the country's largest lender provided the government goes ahead with the recommendation of his name by the nodal selection body, Financial Services Institutions Bureau (FSIB). Setty, who has spent close to 36 years at the bank, has scored over the other two contenders -- Ashwini Kumar Tewari and Vinay M Tonse -- who are also the managing directors of the bank, at the interviews held Friday in Mumbai, the FSIB said in its website.

The interviews were earlier scheduled for May 21-22 but was called off at the last minute.

"The Financial Services Institutions Bureau has interfaced with three candidates on June 29, 2024, for the position of chairman in State Bank of India. Keeping in view their performance in the interface, their overall experience and the extant parameters, the bureau recommends CS Setty for the position," FSIB said in its website. The role of the FSIB is to recommend a name and the final decision is taken by the appointments committee of the Cabinet headed by the Prime Minister. But normally, the committee goes ahead with the FSIB recommendation and makes the formal appointment. If the government clears his name, Setty will assume charge on August 28, when the incumbent Chairman Dinesh Kumar Khara retires after he received 10-month extension last October. Khara will turn 63, the upper age limit for the position of SBI chairman, on the superannuation day, was at the helm from October 7, 2020. The FSIB, an autonomous body under the Centre, is the head-hunter for the heads of state-owned banks and financial institutions. The second-rung management consists of around a dozen deputy managing directors and more than three dozens of chief general managers. DMDs and CGMs are respectively eligible to become MDs and DMDs. All the heads of SBI subsidiaries like SBI Life, SBI General, SBI Caps and SBI Cards are headed by persons with DMD ranks in the bank. Traditionally, as also by the SBI Act mandate, the SBI chairman is appointed from the serving managing directors, though there were a couple of exceptions to this in the past. As per convention, the chairman is appointed from the four serving managing directors of SBI provided they have at least three years service left and have been a managing director for at least a year. Therefore the senior most MD Alok Kumar Choudhary is not eligible for the interview as he is retiring on June 30 and so the new MD Rana Ashutosh Kumar Singh who will join only on June 30. The FSIB has already recommended the name of Singh as the fourth managing director.

# Gross NPAs will fall to 2.5% in FY25 from a 12-yr low of 2.8% in FY24: RBI

## The half-yearly slippage ratio which is the new bad loan accretions as a share of standard advances fell across bank groups.

NEW DELHI. The Reserve Bank of India expects the gross non-performing assets (GNPA) ratio of banks to improve to 2.5 in FY25 after moderating to a 12-year low of 2.8 in FY24 and the system wide net NPA ratio to improve further from 0.6, which has almost halved from the previous fiscal. The record reduction in bad loan ratio was led by state run banks, which improved by 76 bps to 3.7. While the GNPA stock declined across all bank groups, active and deep provisioning by state-run banks and foreign banks resulted in an improved provisioning coverage ratio in March 2024 to 76.4, the

Reserve Bank of India said in the biannual Financial Stability Report.

The report attributed the sustained reduction in the GNPA ratio since March 2020 primarily to a persistent fall in new NPA accretions and increased write-offs.

The estimate for GNPA ratio for March 2025 is based on the macro stress tests, performed to assess the resilience of banks' balance sheets to unforeseen shocks emanating from the macroeconomic environment.

"The asset quality of the scheduled commercial banks recorded sustained improvement and their GNPA ratio moderated to a 12-year low in March 2024 to 2.8. Their net non-performing assets ratio too improved to a record low of 0.6%," the report said.

Ads by

Under the baseline stress scenario, the GNPA ratio of all banks may improve to 2.5 by March 2025. If the



macroeconomic environment worsens to a severe stress scenario, the ratio may rise to 3.4, the half yearly report said. In the severe stress scenario, the GNPA ratios of public sector banks may increase from 3.7 in March 2024 to 4.1 in March 2025, whereas it may go up from 1.8 to 2.8 for private sector bank and from 1.2 to 1.3 for foreign banks. Stress tests are conducted covering credit risks, interest rate risks

and liquidity risks and the resilience of banks in response to these shocks. Using the stress tests, the RBI projects impairment or bad loans and capital ratios over a one-year horizon under a baseline and two adverse scenarios—medium and severe. The report further says stress test results reveals that banks are well capitalised and capable of absorbing macroeconomic shocks even in the absence of

any further capital infusion by stakeholders. The half-yearly slippage ratio which is the new bad loan accretions as a share of standard advances fell across bank groups. Though the amount of write-offs declined during the year, the write-off ratio remained almost at the same level as a year ago, due to reduction in GNPA stock, the central bank said.

## Growth in private corporate sector sales moderates to 4.7% in FY24: RBI data

NEW DELHI. Annual sales growth rate of listed private non-financial companies slowed to 4.7 per cent in FY2023-24 from 19.8 per cent in FY2023, the Reserve Bank of India's (RBI) data showed. During the fiscal ended March 31, 2024, the listed private non-financial companies recorded double digit growth in profits and improved margins at the aggregated level, the data showed. "Annual sales growth of listed private non-financial companies moderated to 4.7 per cent during 2023-24 from the high of 19.8 per cent in 2022-23, which included the post-pandemic recovery period," the data on performance of private corporate business sector during 2023-24 showed. The analysis is based on the financial results of 3,281 listed non-government non-financial companies. Among major sectors, sales of manufacturing, information technology (IT) and non-IT services companies rose by 3.5 per cent, 5.5 per cent and 7.9 per cent, respectively, during fiscal 2024 as compared with 18 per cent, 19.4 per cent and 33.5 per cent, respectively, in the previous year.

In 2023-24, sales of automobiles, electrical machinery and pharmaceuticals industries remained buoyant but the manufacturing sector's overall performance was mainly dragged by chemicals and petroleum



industries. The data showed that during 2023-24, the listed private non-financial companies recorded double-digit annual growth in profits (18 per cent in FY24 vs (-) 0.2 per cent in FY23). Operating profit growth accelerated for manufacturing companies (12.4 per cent in FY24 vs (-) 1.2 per cent in FY23) and non-IT services companies (27.9 per cent in FY24 vs 15.1 per cent in FY23), while it moderated for IT companies (5.6 per cent in FY24 vs 8.8 per cent in FY23). In the fiscal ended March 31, 2024,

operating profit margin improved across major sectors during 2023-24; it stood at 14.4 per cent, 22.4 per cent and 22.7 per cent for manufacturing, non-IT services and IT companies, respectively.

On the expenditure front, easing input cost pressures and low sales growth kept the overall expenses on raw materials by manufacturing companies in FY2024 unchanged from the fiscal year 2023, the data showed. Staff costs rose by 10.8 per cent, 6.6 per cent and 15.6 per cent (y-o-y) during 2023-24 for manufacturing, IT and non-IT services companies, respectively.

On the expenditure front, easing input cost pressures and low sales growth kept the overall expenses on raw materials by manufacturing companies in FY2024 unchanged from the fiscal year 2023, the data showed. Staff costs rose by 10.8 per cent, 6.6 per cent and 15.6 per cent (y-o-y) during 2023-24 for manufacturing, IT and non-IT services companies, respectively.

## Headline: FSIB recommends Setty for SBI Chairman post

Mumbai. The Financial Services Institutions Bureau (FSIB), the body which selects the Chairman and MDs of public sector banks and insurance companies, has recommended the name of Challa Sreenivasulu Setty as the next Chairman of State Bank of India (SBI), India's largest bank. FSIB interfaced with the candidates on June 29 for the position of Chairman in State Bank of India (SBI), FSIB said. "Keeping in view their performance in the interface, their overall experience and the extant parameters, the Bureau recommends Setty for the position of Chairman in SBI," it said. SBI's current Chairman Dinesh Kumar Khara is retiring on August 28, when he turns 63. He was given an extension in October 2023. Khara was appointed the chairman of SBI on October 7,

2020. Setty, currently a Managing Director, is looking after international banking, global markets and technology of the bank. He was appointed as MD in 2020.

Three managing directors (MDs) of the SBI — C.S. Setty, Ashwini Kumar Tewari and Vinay M. Tonse — appeared for the Chairman's interview on Saturday. Alok Kumar Choudhary, senior most MD of SBI, is retiring on June 30. Unlike other PSU banks, SBI Chairman is selected from one of its MDs. The final decision on the appointment of the SBI Chairman will be made by the Appointments Committee of the Cabinet (ACC) headed by the Prime Minister.

FSIB was constituted in 2022 by Central Government for the purpose of recommending persons for

appointment as whole-time directors and non-executive chairpersons on the boards of financial services institutions and for advising on certain other matters relating to personnel management in these institutions. Bhanu Pratap Sharma is the Chairman of the bureau. In the quarter ended March 2024, SBI's standalone net profit grew by 23.98 per cent to Rs 20,698 crore — highest ever quarterly profit. For fiscal 2024, the profit grew 21.59 per cent to a record high of Rs 61,077 crore. The net interest income (NII) grew 3.13 per cent to Rs 41,655 crore in the March 2024 quarter, as against Rs 40,393 crore in the year-ago quarter. SBI shares closed at Rs 848.85 on the BSE on Friday. The bank's market capitalisation is Rs 7.57 lakh crore.

# Teaching Foxconn the dignity of labour

NEW DELHI. Taiwanese company Foxconn, the world's largest contract electronic maker, is not new to charges of using discriminatory recruitment practices and workplace exploitation. The controversy has erupted again, this time in respect of the company's Tamil Nadu plant, after an exhaustive Reuters report showed Foxconn had been deliberately excluding married women from its workforce.

The Reuters investigation, carried out over several months, revealed Foxconn had a deliberate but unwritten code that excluded married women from jobs at the iPhone assembly plant in Sriperumbudur. The company's rationale, revealed by those interviewed, was that married women are less productive because of family responsibilities like "they have babies after marriage".

High absenteeism, pressing family duties and even jewelry worn by married Hindu women are seen as impediments to higher production. Following the story, Foxconn in a statement, said it "vigorously refutes allegations of employment discrimination based on marital status, gender, religion or any other form," and insisted about 25 per cent of its recruits in India were married women. The controversy has now sharpened with Union government seeking a report from

the Tamil Nadu government. It comes at a time when India is striving to become an alternative hub to China in the supply chain for digital products such as Apple's iPhone. As it is, Apple, through its contractor Foxconn, is producing as much as 9 to 14 per cent of its iPhones out of India. But is there a human cost involved? Top social media networking sites for your brand. Just a peep into the China's Foxconn trail, where the contractor still produces nearly 90 per cent of iPhones, is quite shocking.

China Labour Watch, which studied the practices of Foxconn's Chengdu iPhone factory in 2020-2023, said workers labour around the clock to meet impossible production targets. Investigators found Foxconn's recruitment discriminating against applicants on the basis of race. Those from ethnic minority groups like the Uighur, Tibetan, Yi, and Hui were routinely weeded out. Pregnant female workers were also rejected during the recruitment process. The company's credibility first came into question when in 2010 there were a spate of suicides linked to low pay and brutal working conditions at the Foxconn City industrial park in Shenzhen. Mental illness and breakdowns were common, and the answer to the problem was to hang out



nets under the ledges of overcrowded dormitories to prevent workers from jumping to the ground! In a long read, the magazine Rest of The World has documented the life and working conditions at Foxconn's compound in Zhengzhou through conversations stretching over several months with a worker nick-named 'Hunter'. The 'iPhone City' facility makes about half of the world's iPhones, covers an area of 5.6 KM, and at full capacity employs some 200,000 workers. 'Hunter' describes in detail how in a normal 10-hour shift he had to attach a tiny cable to the back of an iPhone cover, which charges the battery, and then screw it into place with two tiny screws for every iPhone. His target of 600 phones and 1,200 screws per shift can only be done at a relentless pace and

without rest or toilet breaks. Falling behind the production schedule meant abuse by supervisors, and the loss of bonuses and stoppage of overtime. 'Hunter' also talks of the windowless conditions and being forced into compulsory living on campus due to pandemic restrictions. Many workers fled for home after dodging guards and climbing the fences; sometimes there was outbreaks of violence when company executives forced an unbearable pace of work. "iPhones are made in hell", 'Hunter' concludes.

Dignity of labour

For India, Apple's diversification strategy away from China is godsent. Not only will Apple's presence work as a cascading effect for new investment in India, but it also means 150,000 new jobs at Foxconn's facilities. Moreover, there is a pipeline of semiconductor units coming up, including the American chipmaker Micron that has committed US\$825 million to build a facility in Sanad, Gujarat. By 2026, the semiconductor industry in India is expected to generate over 300,000 jobs, encompassing diverse roles such as testing, engineering, software development, system circuits, validation, and operations. This puts the government on the horns of a dilemma.



# Heavy rain alert in Delhi for 3 days, several states likely to see showers

**An orange alert for moderate to heavy rain has been sounded for Delhi for three days beginning June 30 while conditions are favourable for the Southwest Monsoon to advance into some more parts of northern and central India in the next few days.**

New Delhi: Delhi and its adjoining areas are expected to witness incessant rainfall in the coming days as the India Meteorological Department (IMD) issued an orange alert with the possibility of moderate to heavy downpours from June 30 (Sunday) to July 2 (Tuesday). In the coming week, the maximum and minimum temperatures in Delhi are expected to hover between 37 degrees Celsius and 25 degrees Celsius, respectively, the weather body said in its daily bulletin. The IMD issues four colour-coded warnings -- green (no action needed), yellow (watch and stay updated), orange (be prepared) and red (take action).

On Saturday, rain lashed several parts of the national capital, including Rohini, Burari and central Delhi. The city's primary weather station, Safdarjung, recorded 8.9 mm of rainfall and Lodhi Road 12.6 mm between 2.30 pm and 5.30 pm on Saturday. Apart from Delhi, several states in



northern India are also expected to witness rainfall as the Southwest Monsoon progresses in the region. According to the

IMD, isolated heavy rainfall is expected in Himachal Pradesh, Uttarakhand, Punjab, Haryana, Chandigarh, Delhi, Uttar Pradesh,

Madhya Pradesh, and Rajasthan from June 30 to July 3. The monsoon further advanced into the remaining parts of east Uttar Pradesh and some areas of west Uttar Pradesh on Saturday, it said. Conditions are favourable for the monsoon to advance into more parts of west Rajasthan, Haryana, Chandigarh, Punjab, and the remaining areas of west Uttar Pradesh, Himachal Pradesh and Jammu over the next two to three days, it added. In central India, conditions are likely to become favourable for further advance of the Southwest Monsoon into the remaining parts of Gujarat, Madhya Pradesh, and some more parts of Rajasthan and Chhattisgarh. Isolated heavy rainfall is very likely over Konkan-Goa, Kerala, southern Karnataka, and Tamil Nadu in the coming days. In Northeastern India, light to moderate rainfall accompanied by thunderstorms and lightning is likely over parts of West Bengal, Sikkim, Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur, Mizoram and Tripura in the coming three days.

## Classmates to be Indian Army, Navy chiefs for first time in military history

New Delhi: Two classmates will be service chiefs of the Indian Army and the Navy for the first time in Indian military history. Army Chief Lieutenant General Upendra Dwivedi and Navy Chief Admiral Dinesh Tripathi studied together in Class 5 during the 1970s at Sainik School in Madhya Pradesh's Rewa. While they were studying in Class 5A, their roll numbers were 931 and 938 respectively, news agency ANI reported.



Official Spokesperson of the Defence Minister A Bharat Bhushan Babu said in a post on X, "For the first time in Indian Military history, Chiefs of Navy and Army hail from the same school. This rare honour of nurturing two prodigious students, who would go on to lead their respective Services 50 years later, goes to Sainik School, Rewa in Madhya Pradesh."

## 'Match', Meet-Up And Massive Bill: The Modus Operandi In Dating App Scams

New Delhi: A civil service aspirant from Delhi, whose date with a woman he met on a dating app ended in a ₹1.20 lakh bill at a cafe, is just one of the many cases of "Tinder scam" that has become rampant in major cities. Most of these cases go unreported because the victims do not want their families to know they are on a dating app.

Multiple posts on Reddit, some of them a year old, narrate accounts of people who were scammed into paying exorbitant amounts during dates with women they met on dating apps. While NDTV cannot verify the authenticity of each of these apps, they point to a common modus operandi.

The victim matches with the woman on a dating app such as Tinder, Bumble, Hinge and OKCupid. She readily shares her WhatsApp number and they get talking. Soon, a date is planned. The woman then insists that they meet at a particular locality and that there are many cafes and pubs there. When the victim asks the name of the cafe for directions, the woman tells him to meet at a particular Metro station and that they can go from there. At the cafe, the woman places the order. Eager to impress his date, the victim usually does not suspect any foul play. Thereafter, the woman orders something that may not be on the menu. In some cases, the woman fakes an emergency and leaves the cafe in a hurry. When the bill comes, the victim realises it is several times of what he had estimated. On protesting, he is threatened by the cafe staff or bouncers. Left with little choice, he pays. Most people do not approach the police because a probe may reveal to his family that he is meeting people via a dating app.

### Many Players Involved

In the latest Delhi incident that targeted an IAS aspirant, police have arrested the cafe's owner Akshay Pahwa and the victim's 'date' Afsan Parveen. Police said this scam thrives on an elaborate mechanism involving several players -- cafe owners, managers and women who lure the target.

Each player has a cut: Akshay Pahwa told police that 15 per cent of the bill goes to the woman, 45 per cent is divided between the managers and the remaining 40 per cent to the owners. In his account, a Reddit user has said his 'date' randomly ordered some firecrackers that jacked up the bill to over ₹40,000.

## Mumbai, Delhi See Strong Growth In Prime Property Prices Globally: Report

New Delhi: As India remains a resilient economy amid global headwinds, Mumbai and Delhi experienced robust annual growth in prime residential property prices among the top 44 cities worldwide in the first quarter (Q1 2024) this year.

According to the latest data from the Knight Frank 'Prime Global Cities Index Q1 2024', with an 11.5 per cent (year-on-year) surge, Mumbai witnessed the highest jump among Indian cities in the January-March quarter. Delhi saw 10.5 per cent annual house price growth. At the top of the table is Manila with 26.2 per cent annual growth, followed by Tokyo at 12.5 per cent. "Indian cities are experiencing strong growth, with



Mumbai at 11.5 per cent and Delhi at 10.5 per cent," the report mentioned. With annual GDP growth running at over 8 per cent, strong economic growth across India has boosted house prices in the main cities, particularly in Delhi and Mumbai, according to the report. The first

quarter of 2024 witnessed an average annual growth rate of 4.1 per cent across the 44 markets covered by the 'Knight Frank Prime Global Cities Index', marking the strongest rate of growth since Q3 2022. On a quarterly basis, price growth also showed signs of strengthening, with a 1.1 per cent increase in Q1 2024, up from a 0.3 per cent increase in the last quarter of 2023. "Rather than heralding a

return to boom conditions, the index indicates that upward price pressures are stemming from relatively healthy demand, set against continued low supply volumes," said Liam Bailey, Knight Frank's global head of research.

## "What A Game": Satya Nadella, Sundar Pichai On Team India's Historic Win

New Delhi: Tech honchos Satya Nadella, Sundar Pichai, and others hailed India's historic win over South Africa in a nerve-wrenching final of the ICC T20 World Cup at the Kensington Oval in Barbados on Saturday. Alphabet and Google CEO Pichai posted on X: "What a game, could barely breathe, everything that makes sports incredible. Congrats India, so well deserved! SA was incredible. Amazing." Congratulating the Men in Blue, Microsoft Chairman and CEO Nadella said, "What a final. Congrats, India, and well played, South Africa. Super World Cup... let us have more cricket in the West Indies and USA."

Meanwhile, Mahindra Group Chairman Anand Mahindra asked ChatGPT to make a graphic image showing the Indian cricket team as Superheroes. "Because they were



SuperCool till the end. The greatest gift of this final to India was that it didn't come easy. It almost slipped out of their grasp. But they never lost the match in their minds," he posted on X. "Reminding all of us that being a Superhero never comes without a fierce determination to win and a Never Give Up attitude. Jai Ho!" Mahindra said. Earlier, Hardik Pandya's 3-20 and Jasprit

Bumrah's 2-18 helped an unbeaten India to come back and clinch their second title in the shortest format with a seven-run win at the Kensington Oval. Talismanic batter Virat Kohli stepped up to end his lean run with a 59-ball 76 to help India post a competitive 176/7, the highest total in a Men's T20 World Cup final. Kohli's 72-run stand for the fourth wicket with Axar Patel, who made 47 off 31 balls, and a 57-run partnership with Shivam Dube, who hit a 16-ball 27, helped India go past the 175-run mark, as they scored 42 runs off the last three overs. In reply, South Africa were very much in sight to chase down the total. But Hardik taking out Heinrich Klaasen propelled India to come back into the match and end a long 11-year global trophy drought as they restricted South Africa to 169/8.

# Delhi High Court To Rule On K Kavitha's Bail Plea In Excise Case On July 1

New Delhi: The Delhi High Court is scheduled to pass judgment on bail petitions moved by Bharat Rashtra Samithi (BRS) leader K Kavitha in CBI and ED cases related to the Excise Policy case on July 1, 2024. The bench of Justice Swarna Kanta Sharma, after hearing submissions from all sides, decided to reserve the order in the matter on May 28, 2024. For K Kavitha, Senior Advocate Vikram Chaudhari and Advocate Nitesh Rana argued in the matter. Advocates Mohit Rao and Deepak Nagar also appeared for K Kavitha. Advocate DP Singh appeared for the CBI, and Advocate Zoheb Hossain appeared for the Enforcement Directorate.

The CBI, while opposing the bail plea, stated that further investigation is at a very crucial stage on certain key aspects, including the involvement of other public servants and private persons as well as the flow of the ill-gotten money. If the accused petitioner is released on bail,

there is every likelihood that she will thwart the investigation, more specifically when she fails to meet the 'triple test,' as laid down by the Constitutional Courts in a catena of decisions. The Enforcement Directorate (ED) also opposed the bail plea and stated that in the case of an offence of money laundering, mere routine conditions that ensure the presence of the accused during the trial or protect the evidence are not enough because of the trans-border nature of the offence and the influence that may be exercised by the accused. An accused can anonymously remove the money trail using the technology available today, making the investigation and trial infructuous. The Delhi High Court had earlier issued a notice to the Enforcement Directorate and CBI on the bail petitions moved by Bharat Rashtra Samithi (BRS) leader K



Kavitha in the money laundering case pertaining to the scrapped Excise policy of Delhi.

Recently, the Enforcement Directorate (ED) filed a supplementary prosecution complaint (chargesheet) in the Excise Policy money laundering case in Rouse Avenue Court. The chargesheet was filed against BRS leader K Kavitha and other accused, namely Chanpreet Singh, Damodar, Prince Singh, and Arvind

Kumar. The plea moved by K Kavitha stated that she is the mother of two children, one of whom is a minor presently under shock and undergoing medical supervision. Kavitha, in her fresh bail plea, alleges that there have been attempts to drag her into the scandal by the members of the ruling party at the Centre.

She, through the bail plea, submitted that the entire case of the Enforcement Directorate hinges upon statements made by the approver, witnesses, or co-accused under Section 50 of the PMLA. The Prosecution Complaints do not provide a single document that corroborates the statements. There is not a single piece of evidence that points to the guilt of the Applicant. She further stated that the arrest of the applicant is illegal as Section 19 of the PMLA has not been complied with.

## NEWS BOX

## 18 dead in Nigeria as suspected female bombers target wedding, funeral, hospital

**World.** At least 18 people were killed and 30 injured in a series of attacks by suspected female suicide bombers in Nigeria's northeastern Borno state on Saturday (local time), according to the head of the state's emergency management agency. The attacks, targeting a wedding, funeral, and hospital in the town of Gwoza, come amidst a long-running Islamist insurgency in the region. Borno has been the epicentre of this 15-year conflict, which has claimed thousands of lives and displaced millions. While the Nigerian military has weakened the militant groups, they continue to carry out deadly attacks on civilians and security forces.

Barkindo Saidu, head of the Borno State Emergency Management Agency, confirmed the deaths, which included children, adults, and pregnant women. He also detailed the severity of the injuries, ranging from internal organ damage to skull and limb fractures.

No group has yet claimed responsibility for the attacks. Authorities are investigating. Borno state has long been a stronghold for Boko Haram and its splinter group, Islamic State West Africa Province (ISWAP). These militant groups remain active across the vast

## Rishi Sunak opens up about his Hindu faith at London temple: 'Dharma guides me'

**World** British Prime Minister Rishi Sunak opened up about his Hindu faith, calling it a source of "inspiration and comfort" during a visit to a London temple on Saturday, accompanied by his wife, Akshata Murty.

On a stopover at the BAPS Shri Swaminarayan Mandir with days to go to the high-stakes UK elections, Sunak addressed worshippers and talked about the concept of Dharma as a guiding principle in his approach to public service. "Now, I am a Hindu. And like all of you, I draw inspiration and comfort from my faith. I was proud to be sworn in as a member of parliament on the Bhagavad Gita," Sunak said. A self-proclaimed "proud Hindu", he further said, "Our faith teaches us to do our duty and not fret about the outcome as long as one does it faithfully. That is what I was brought up to believe by my wonderful and loving parents, and that is how I try and live my life. And that is what I want to pass on to my daughters as they grow up. It is Dharma which guides me in my approach to public service. The UK Prime Minister also engaged in lighthearted moments with the gathering, especially after a priest remarked upon how he had "raised the bar" for children in the Hindu community as it was "no longer enough to become just a doctor, a lawyer, an accountant". "If my parents were here and you asked them, they would probably tell you that they would have preferred it if I had become a doctor or a lawyer or an accountant," Sunak quipped, drawing laughter from the congregation.

## Afghan women's rights an internal issue, says Taliban government before UN-led talks

**Kabul.** Taliban authorities said on Saturday that demands over women's rights were "Afghanistan's issues" to solve, ahead of United Nations-led engagement talks where the exclusion of Afghan women has sparked outcry.

The Taliban government, which has imposed restrictions on women since seizing power in 2021 that the UN has described as "gender apartheid", will send its first delegation to the third round of talks starting in Qatar on Sunday. Civil society representatives, including from women's rights groups, will attend meetings with the international envoys and UN officials on Tuesday, after the official talks. Rights groups have condemned the exclusion of Afghan women from the main meetings and the lack of human rights issues on the agenda.

The Taliban authorities "acknowledge the issues about women", government spokesman Zabihullah Mujahid told a news conference in Kabul on the eve of the latest talks. "But these issues are Afghanistan's issues," said Mujahid, who will lead the delegation.



"We are working to find a logical path toward solutions inside Afghanistan so that, God forbid, our country doesn't again fall into conflict and discord."

He said the Taliban government would represent all of Afghanistan at the meetings and, given their authority, should be the only Afghans at the table. "If Afghans participate through several channels, it means we are still scattered, our nation is still not unified," he said.

The talks were launched by the UN in May 2023 and aim to increase international coordination on engagement with the Taliban authorities, who ousted a Western-backed government when they swept to power.

The Taliban government has not been officially recognised by any state and the international community has wrestled with its approach to Afghanistan's new rulers, with women's rights issues a sticking point for many countries. Taliban authorities were not invited to the first talks in Doha last year and refused to attend the second conference, demanding that they be the sole Afghan representatives to the exclusion of invited civil society groups. That condition has been met for the third round.

## Caribbean islands brace for Hurricane Beryl, to become dangerous major storm

**Puerto Rico.** Beryl strengthened into a hurricane Saturday as it churned toward the southeastern Caribbean, with forecasters warning it was expected to become a dangerous major storm before reaching Barbados late Sunday or early Monday.

A major hurricane is considered Category 3 or higher, with winds of at least 178 kph. On Saturday night, Beryl was a Category 1 hurricane, marking the farthest east that a hurricane formed in the tropical Atlantic in June, breaking a record set in 1933, according to Philip Klotzbach, Colorado State University hurricane researcher. A hurricane warning was issued for Barbados, St. Lucia, Grenada, and St. Vincent and the Grenadines. A tropical storm warning was posted for Martinique and Tobago and a tropical storm watch for Dominica. "It's astonishing to see a forecast for a major (Category 3+) hurricane in June anywhere in the Atlantic, let alone this far east in the deep tropics. #Beryl organising in a hurry over the warmest waters ever recorded for late June," Florida-based hurricane expert Michael Lowry posted on X.

Beryl's centre was forecast to pass about 45 kilometres south of Barbados, said Sabu Best, director of the island's meteorological service. Forecasters then expect the storm to cross the Caribbean on a path toward Jamaica and eventually Mexico. On Saturday night, Beryl was centred about 1,060 kilometres east-southeast of Barbados, with maximum sustained winds of 130 kph. It was moving west at 35 kph. Rapid strengthening is now forecast, "the Miami-based US National Hurricane Centre said. Atmospheric science researcher Tomer Burg noted that Beryl was just a tropical depression with 56.3 kph winds on Friday. "This means that according to preliminary data, Beryl already met rapid intensification criteria before even becoming a hurricane," he wrote on the social media platform X.

Warm waters were fuelling Beryl, with ocean heat content in the deep Atlantic the highest on record for this time of year, according to Brian McNoldy, University of Miami tropical meteorology researcher. Beryl also is the strongest June tropical storm on record that far east in the tropical



Atlantic, according to Klotzbach. "We remain absolutely vigilant and need to take every precaution that is possible for ourselves, for our family and for our neighbours," Barbadian Prime Minister Mia Mottley said in a public address Saturday night, asking that all businesses close by Sunday evening. "We do not want to put anybody's life at risk."

She noted that thousands of people are in Barbados for the Twenty20 World Cup cricket final, with India beating South Africa on Saturday in the capital of Bridgetown. It is considered cricket's biggest event. Some fans, like Shashank Musku, a 33-year-old physician who lives in Pittsburgh, were rushing to change

their flights to leave before the storm. Rapid strengthening is now forecast, "the Miami-based US National Hurricane Centre said. Atmospheric science researcher Tomer Burg noted that Beryl was just a tropical depression with 56.3 kph winds on Friday. "This means that according to preliminary data, Beryl already met rapid intensification criteria before even becoming a hurricane," he wrote on the social media platform X.

Warm waters were fuelling Beryl, with ocean heat content in the deep Atlantic the highest on record for this time of year, according to Brian McNoldy, University of Miami tropical meteorology researcher. Beryl also is the strongest June tropical storm on record that far east in the tropical Atlantic, according to Klotzbach.

"We remain absolutely vigilant and need to take every precaution that is possible for ourselves, for our family and for our neighbours," Barbadian Prime Minister Mia Mottley said in a public address Saturday night, asking that all businesses close by Sunday evening. "We do not want to put anybody's life at risk."

## Gaza ceasefire talks stall as Israel not ready to end war, says Hamas

**Cairo.** A senior official of the militant Islamist group Hamas, Osama Hamdan, said on Saturday there has been no progress in ceasefire talks with Israel over the Gaza war. The Palestinian group is still ready to "deal positively" with any ceasefire proposal that ends the war, Hamdan told a news conference in Beirut. Arab mediators' efforts, backed by the United States, have so far failed to conclude a ceasefire, with both sides blaming each other for the impasse. Hamas says any deal must end the war and bring full Israeli withdrawal from Gaza, while Israel says it will accept only temporary pauses in fighting until Hamas, which has ruled Gaza since 2007, is eradicated. Hamdan also blamed the United States for applying pressure on Hamas to accept Israel's conditions. "Once again, Hamas is ready to deal positively with any proposal that secures a permanent ceasefire, a comprehensive withdrawal from Gaza Strip and a serious swap deal," said Hamdan, referring to a potential swap of hostages held in Gaza for Palestinians in Israeli prisons.

When Hamas-led militants stormed into southern Israel on Oct. 7 they killed around 1,200 people and seized more

than 250 hostage, according to Israeli tallies. The Israeli offensive in retaliation has so far killed nearly 38,000 people, according to the Gaza health ministry, and has left the heavily built-up coastal enclave in ruins.

The Gaza health ministry does not distinguish between combatants and non-combatants but officials say most of the dead are civilians. Israel has lost more than 300 soldiers in Gaza and says at least a third of the Palestinian dead are fighters. Palestinian health officials said Israeli military strikes across the enclave had so far killed at least 35 people and wounded others on Saturday. The Israeli military on Saturday announced the death of two soldiers killed in combat in northern Gaza, as Israeli forces pressed on with an offensive in the Shejaia neighbourhood in Gaza City. Residents said tanks advanced deeper into several districts including the area around the local market and there was heavy fire from the air and the ground.

The armed wing of Hamas and the allied Islamic Jihad reported fierce fighting, saying fighters fired anti-tank rockets and mortar bombs against the forces operating there. The Israeli military said dozens of Palestinian gunmen

were killed over the past two days in close quarters combat and airstrikes in Shejaia, after forces encircled what it described as a civilian area converted by Hamas into a militant compound.

"In the area, the troops located observation posts, weapons, enemy drones and a long-range rocket launcher near the schools," the military said in a statement. Hamas has denied assertions that it operates in civilian areas such as schools and hospitals. More than eight months into Israel's air and ground war in Gaza, militants continued to stage attacks on Israeli forces, operating in areas that the Israeli army said it had gained control over months ago. Israeli leaders have said in the past week that the intense phase of the war is approaching its end, and that the next stage of the offensive will mainly be smaller-scale operations meant to stop Hamas from reassembling. Meanwhile Israeli forces operating in several districts in Rafah, in the southern Gaza Strip, killed several Palestinians and forced families living in the far western edge of the city along the coastal areas to head northwards, according to Palestinian medical officials and residents.

## France to vote in historic snap polls, far-right likely to replace Macron

**Paris.** However, the electoral system can make it hard to estimate the precise distribution of seats in the 577-seat National Assembly, and the final outcome will not be known until the end of voting on July 7. "We are going to win an absolute majority," said Le Pen in a newspaper interview on Wednesday, predicting that her protégé, 28-year-old Jordan Bardella would be prime minister. Her party has a high-spending economic programme and seeks to reduce immigration. If the RN does win an absolute majority, French diplomacy could be headed for an unprecedented period of turbulence: with Macron - who has said he will continue his presidency until the end of his term in 2027 - and Bardella jostling for the right to speak for France. France has had three periods of "cohabitation" - when the president and government are from opposite political camps - in



its post-war history, but none with such radically divergent world views competing at the top of the state.

Bardella has already indicated he would challenge Macron on global issues. France could lurch from being a pillar of the EU to a thorn in its side, demanding a rebate of the French contribution to the EU budget, clashing with Brussels over European Commission jobs and reversing Macron's calls for greater EU unity and

assertiveness on defence. A clear RN victory would also bring uncertainty as to where France stands on the Russia-Ukraine war. Le Pen has a history of pro-Russian sentiment and while the party now says it would help Ukraine defend itself against Russian invaders, it has also set out red lines, such as refusing to provide long-range missiles.

## 'SPLIT VOTE FAVOURS RN'

Opinion polls have suggested the RN has a comfortable lead of 33-36% of the popular vote, with a hastily assembled left-wing coalition, the New Popular Front, in second place on 28-31% and Macron's centrist alliance in third on 20-23%. The New Popular Front includes a wide range of parties, from the moderate centre-left to the hard-left, eurosceptic, anti-NATO party France Unbowed.

## Iran to hold runoff election after historic low turnout in presidential polls

**Dubai.** Iran will hold a runoff presidential election pitting a little-known reformist against a hard-line former nuclear negotiator after results released Saturday showed the lowest-ever poll turnout in the Islamic Republic's history. More than 60 per cent of voters cast no ballot in the race that saw reformist Masoud Pezeshkian best Saeed Jalili, who competed alongside two other hard-liners. With Jalili now alone in facing the cardiac surgeon, Pezeshkian's campaign would need to draw voters to the July 5 runoff in an election they've otherwise not taken part in as public anger hardens following years of Iran facing economic hardships and mass protests under its Shiite theocracy. "Let's look at it as a protest in its own right: A very widespread choice to reject what's on offer - both the candidates and the system," said Sanam Vakil, the director of Chatham House's Middle East and North Africa program. "That tells us a lot about public opinion and apathy, frustration. It sort of brings it all together." Of the 24.5 million votes cast in Friday's election, Pezeshkian got 10.4 million while Jalili received 9.4 million, election spokesman Mohsen Eslami announced. Parliament speaker Mohammad Bagher Qalibaf got 3.3 million, while Shiite cleric Mostafa

Pourmohammadi had over 206,000 votes. Iranian law requires that a winner gets more than 50 per cent of all votes cast. If not, the race's top two candidates advance to a runoff a week later. There's been only one other runoff presidential election in Iran's history: in 2005, when hard-liner Mahmoud Ahmadinejad bested former President Akbar Hashemi Rafsanjani. As has been the case since the 1979 Islamic Revolution, women and those calling for radical change have been barred from running, while the vote itself will have no oversight from internationally recognised monitors. There were signs of the wider disenchantment of the public with the vote. More than 1 million votes were voided, according to the results, typically a sign of people feeling obligated to cast a ballot but not wanting to select any of the candidates. The overall turnout was 39.9 per cent, according to the results. The 2021 presidential election that elected Raisi saw a 48.8 per cent turnout, while the March parliamentary election saw a 40.6 per cent turnout. There had been calls for a boycott, including from imprisoned Nobel Peace Prize laureate Narges Mohammadi. Mir Hossein Mousavi, one of the leaders of the 2009 Green Movement protests who remains under



house arrest, has also refused to vote along with his wife, his daughter said.

There's also been criticism that Pezeshkian represents just another government-approved candidate. In a documentary on the reformist candidate aired by state TV, one woman said her generation was "moving toward the same level" of animosity with the government that Pezeshkian's generation had in the 1979 revolution. Jalili, once described by CIA director Bill Burns as "stupidly opaque" in negotiations, likely would have won outright had the three hard-liners not split Friday's vote. Jalili is known as the "Living Martyr" after losing a leg in the 1980s Iran-Iraq war and is famous among Western diplomats for his haranguing lectures and hard-line stances. Qalibaf, a former general in Iran's

paramilitary Revolutionary Guard and head of Iran's police, had been thought to have a wider power base, despite being plagued by corruption allegations and his role in past violent crackdowns. He quickly endorsed Jalili in conceding the result and criticised Pezeshkian for allying himself with President Hassan Rouhani and his former foreign minister, Mohammad Javad Zarif.

The two reached Iran's 2015 nuclear deal with world powers, which later collapsed after then-President Donald Trump unilaterally withdrew from the accord. "The road is not over yet, and despite the fact that I respect Mr. Dr. Pezeshkian personally, ... I ask all the revolutionary forces and my supporters to help stop the wave that is causing an important part of our economic and political problems today," Qalibaf said in a statement. Now the question becomes whether Pezeshkian will be able to draw voters into his campaign. On Election Day, he offered comments on outreach to the West after voting seemingly aimed at drumming up turnout for his campaign - even after being targeted by a veiled warning from Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei.

## NEWS BOX

## New York to Mumbai: Ecstatic fans celebrate India's historic T20 World Cup win

**New Delhi.** The Indian cricket fans all around the globe celebrated the team's incredible T20 World Cup win on June 29, Saturday in Barbados. India defeated South Africa by 7 runs to secure their 2nd T20 World Cup title and went undefeated throughout the tournament. Virat Kohli starred with the bat as he scored 76 runs, while the bowlers pulled the game for the side. Jasprit Bumrah, Hardik Pandya and Arshdeep Singh sealed the win in the end and this kickstarted celebrations across the globe. Fans had gathered in the heart of New York city as they watched the game closely on the big screen. As soon as the final delivery was bowled, the fans erupted as the celebrations got underway. You can see the viral video below: The major cities in India also celebrated the win late into the night as fans in Mumbai, Delhi, Ahmedabad, Lucknow and Hyderabad couldn't contain their excitement. Fans in Hyderabad were seen carrying a big Indian flag on the road.

How did the T20 World Cup 2024 final unfold? Having won the toss India opted to bat first and got a strong start, but they were pegged back immediately. Kohli and Axar Patel then put together a strong partnership, which laid the foundation for a big push in the back end of the innings. India eventually reached 176 runs in 20 overs and the South African chase had a shaky start. They lost Reeza Hendricks and Aiden Markram early before Quinton de Kock and Tsitsas Stubbs consolidated things for them. Heinrich Klaasen then played an incredible knock of 52 off 27 balls before Hardik Pandya dismissed him. This triggered a mighty collapse as South Africa fell short in the end and India emerged as the champions.

## India will win many trophies in next 5-6 years: Rahul Dravid after happy ending as coach

**New Delhi.** Rahul Dravid backed India to win several trophies in the coming years. Dravid finished his career as the head coach on a high after the Men in Blue won the T20 World Cup 2024 title. On Saturday, June 29, India beat Aiden Markram's South Africa by 7 runs at the Kensington Oval in Bridgetown, Barbados and ended their 11-year-long wait to win an ICC title. Dravid took charge of the Indian team from November 2021 after Ravi Shastri stepped down. Under his tenure, India finished as the runners-up in the World Test Championship last year and the ODI World Cup. However, after a couple of disappointing finishes in 2023, Dravid and his men got their hands on the coveted T20 World Cup trophy. There is fantastic talent in the Indian cricket team. Their energy and confidence is on another level at this time. In the coming times, India will win so many trophies, in the next 5-6 years. This was a journey of 2 years. The construction of this team and the kind of skills we wanted, the players we wanted. The discussions started when I started in 2021 and this is not the work of just this World Cup. It feels like a journey of 2 years," Dravid said after the match.

"Been a great journey"

Back in 2003, Dravid missed out on winning the World Cup after India lost to Australia in the final. 4 years later, in 2007, India failed to go beyond the league stage. In 2018, he won the U19 World Cup with the Indian team in New Zealand back in 2018. "As a player, I was not lucky enough to win a trophy but I gave my best...I was lucky enough to be given an opportunity to coach a team, I was lucky that this bunch of boys made it possible for me to be able to win this trophy. It is a great feeling, it is not like I was aiming for some redemption, it was the job I was doing...it has been a great journey," Dravid added.

## IND vs SA: India have one final huddle after T20 World Cup celebrations in Barbados

**NEW DELHI.** The Indian team had one final huddle with Rahul Dravid and the rest of the support staff after their T20 World Cup 2024 celebrations came to an end in Barbados on June 29, Saturday. India won their 2nd T20 World Cup title on Saturday as they clinched a thrilling win over South Africa. The players were able to dig deep and get the victory from the jaws of defeat in Barbados. The celebrations started as soon as the final delivery was bowled by Hardik Pandya, and it extended all the way till the trophy presentation, when Rohit Sharma pulled off the iconic Ric Flair strut. Rahul Dravid also joined in as he was pumped up while lifting the trophy in an incredible moment and the departing coach was given a fine farewell as he was thrown up in the air by the players. After the celebrations were done and the crowd left the Kensington Oval, the team decided to have one final huddle along with the coaching staff and Dravid. It seemed to be a long session as the entire stadium had emptied out by then and the players were right in the middle of the ground.

End of cycle for Indian cricket

The T20 World Cup 2024 final win marked the end of a cycle for Indian cricket. Apart from Dravid's departure as the coach, Virat Kohli and Rohit Sharma also decided to end their T20 career for the national team with the win. Rohit said he found it was the perfect time for him to call time on his career, while Kohli admitted it was now a chance for the younger talent to step up for the team and carry it forward. India will begin their new cycle with the tour of Zimbabwe in a 5-match T20I series, which will see Shubman Gill leading the team. There will also be a tour of South Africa later in the year as they will play 4 T20I matches.

## Kapil Dev 1983, Suryakumar Yadav 2024: Two unforgettable World Cup final catches

**New Delhi.** The Indian cricket team began a new chapter in their cricketing history as they won the T20 World Cup 2024 on Saturday, June 29 at Kensington Oval, Bridgetown, Barbados. The Men in Blue beat South Africa by seven runs in the summit clash to clinch their second T20 World Cup trophy. The victory brought an end to their 11-year-long ICC Trophy drought as the Asian Giants last tasted glory in 2013 by winning the Champions Trophy. However, the dream once again seemed to be diminished as Heinrich Klaasen brought South Africa on the verge of the win by launching a 24-run assault against Axar Patel. Just when the match seemed to be running away from India, Hardik Pandya dismissed the dangerous Klaasen making him edge one to wicketkeeper Rishabh Pant. However, with David Miller at the crease, the Proteas still breathed easy, given his finishing prowess. The southpaw seemed determined to take the game away as he hit the first ball towards long off. With the ball travelling in the air, everybody had their hearts in their mouths but the calm head of Suryakumar Yadav at the long off boundary helped him take one of the greatest catches ever under pressure. The 33-year-old took hold of the ball and got rid



of it immediately with the momentum taking him over the fence. However, he quickly jumped back in and completed one of the greatest catches ever in the history of ICC events. Courtesy of his Herculean effort, India managed to pull things back and

registered one of the greatest come-from-behind victories in a World Cup final. Suryakumar Yadav's catch reminded people of Kapil Dev's historic take from the 1983 World Cup final.

Kapil Dev's catch from 1983 World Cup

Notably, during the final, star West Indies batter Viv Richards was running away with the game with his quick-fire knock of 33 (27) chasing just 184. However, he ended up pulling Madan Lal towards deep mid-wicket where Kapil Dev completed a tremendous running catch running backwards and ushered India into a golden period in their cricketing history. The catch turned the game on its head as West Indies got bundled out for 140 and India clinched their first-ever World Cup in 1983. The story of Kapil's devils taking down the mighty West Indies is called one of the greatest underdog stories in sporting history as India beat the two-time World Champions. 41 years later, Suryakumar Yadav also turned India's fortunes with his game-changing catch in the final over. While Kapil's catch changed the face of Indian cricket forever, Suryakumar Yadav's brought an end to the 11-year-long agony of Indian cricket as the team tirelessly waited for an ICC Title. As Indian cricket starts another glorious chapter in their cricketing history, Kapil Dev and Suryakumar Yadav will be forever remembered for turning the team's fortunes with their marvellous fielding.

## Virat Kohli-Rohit Sharma lead the way as team India tosses Rahul Dravid in the air after win

**New Delhi.** Raw emotions unfurled after team India won the T20 World Cup 2024 trophy at the Kensington Oval, Barbados on June 29, Saturday. The celebrations were wild as the team got their hands on the ICC trophy after a wait of 11 years.

Team India head coach Rahul Dravid had his last in the office at the helm of affairs, and he got a fairytale ending. Rohit Sharma and Virat Kohli led the way as the Indian team tossed Dravid in the air. In a video posted by the ICC on their official social media handle, Dravid seemed really emotional as he hugged Kohli. The celebrations were to bid a perfect farewell to Dravid with a champions medal around his neck. Dravid was at his animated best as he got his hands on the T20 World Cup 2024 trophy. After the historic win, Kohli and Rohit also announced their retirement from the T20Is

for India. The three legends of the game received a perfect ending for all that they have done for the Indian team over the

"This was a journey of 2 years, this T20 World Cup. The construction of this team and the kind of skills we wanted, the players we wanted. The discussions started when I started in 2021 and this is not the work of just this World Cup. It feels like a journey of 2 years."

Dravid also expressed his gratitude for winning an ICC trophy as head coach, if not as a player. "As a player, I was not lucky enough to win a trophy but I gave my best. I was lucky enough to be given an opportunity to coach a team, I was lucky that this bunch of boys made it possible for me to be able to win this trophy. It is a great feeling, it is not like I was aiming for some redemption, it was the job I was doing...it has been a great journey," Dravid said.



years. Fairytale ending for Dravid While speaking to the media, Dravid described the emotions and what this win meant to him and the entire team.

## Legendary: Conor McGregor reacts to Virat Kohli's touching T20 World Cup triumph post

**NEW DELHI.** Former UFC Champion and MMA star Conor McGregor commented on Virat Kohli's heartwarming post after the T20 World Cup 2024 final win over South Africa on June 29, Saturday in Barbados. Kohli was the star of the show as India defeated South Africa by 7 runs to lift their 2nd T20 World Cup crown in Barbados and end their ICC title drought. The star batter scored 76 off 59 balls as India posted 176 runs in their 20 overs.

The bowlers were able to get the job done in the end after a big scare from Heinrich Klaasen. After the win, Kohli announced that he would be retiring from T20Is for the Indian team and put up a lengthy post on his official Instagram account. The star batter said he couldn't have dreamt of a better day than this and thanked god for it. "Couldn't have dreamt of a better day than this. God is great and I bow my head in gratitude. We finally did it. jai hind," said Kohli. As



expected, a lot of fans commented on the post with McGregor and David Warner being standouts. McGregor called the post legendary, while Warner said that the win was well-deserved.

Brazil and Real Madrid forward Vinicius Jr. also commented on Kohli's post with 4 fire emojis. Why did Kohli decide to retire from

T20Is? Kohli announced during the post-match presentation that he wanted the next generation to take the T20 game forward.

"We wanted to lift that cup. Wanted to Yes I have, this was an open secret. Not something that I wasn't going to announce even if we had lost. Time for the next generation to take the T20 game forward. It's been a long wait for us, waiting to win an ICC tournament. You look at someone like Rohit, he's played 9 T20 World Cups and this is my sixth. He deserves it," Kohli said after winning the T20 World Cup 2024.

Along with Kohli, Rohit Sharma also stepped away from T20Is. Kohli was adjudged as the Player Of The Match for his performance in the final.

## Rohit Sharma thanks MS Dhoni for wishes after T20 World Cup win: He did a lot for us

**T20 World Cup: Rohit Sharma thanked MS Dhoni for wishing the Indian men's team after their heist in the Caribbean and USA. Rohit also retired from T20Is, finishing as their leading run-scorer.**

**NEW DELHI.** I Rohit Sharma thanked MS Dhoni after the Indian team won the Men's T20 World Cup 2024. On Saturday, India won the title in the Caribbean and the USA after beating South Africa by 7 runs in the final at the Kensington Oval in Barbados. The match went right down to the wire where India held their nerves to successfully defend 176.

**IND vs SA, T20 World Cup Highlights | Scorecard**

After the match, Dhoni dropped an emotional note on his Instagram handle. Dhoni talked about the roller-coaster of emotions that he went through during the course of the match.



Dhoni also thanked India for the "priceless birthday gift". On July 7, Dhoni will celebrate his 43rd birthday. Dhoni wrote, "WORLD CUP CHAMPIONS 2024. My heart rate was up, well done on being calm, having the self belief and doing what u guys

did. From all the Indians back home and everywhere in the world a big thank you for bringing the World Cup Home. CONGRATULATIONS. Arreep thanks for the priceless birthday gift." Rohit acknowledged Dhoni for the wishes and

praised him for the laurels he has brought for India. Dhoni won the T20 World Cup in 2007, ODI World Cup in 2013 and the Champions Trophy in 2013.

"Dhoni used to be a fabulous player. He did a lot for us and the country. I felt good that he appreciated us," Rohit said after the match.

**'Perfect situation for me'**

After India's triumph, Rohit also decided to retire from T20Is along with Virat Kohli, who won the Player of the Match award. Rohit said that he could not have expected for a better time to retire from T20Is.

"Whenever I feel inside what is right, I try and do that that has been my nature when I captained the team as well. What I feel inside is what I want to do. I don't think a lot about the past and future...I didn't think that I would retire from T20 but such a situation came and I thought it was the perfect situation for me. Nothing better than winning the cup and saying goodbye," Rohit added. Rohit retired from T20Is as India's all-time leading run-scorer. In 159 matches, he scored 4231 runs at an average of 32.05 and a strike-rate of 140.89.

## You have got to take your hats off to a team like India for lifting trophy: Aiden Markram

**New Delhi.** South African captain Aiden Markram lauded the Indian team for finally crossing the final hurdle and lifting the trophy. Team India created history as they won the ICC T20 World Cup 2024 trophy at the Kensington Oval, Barbados on June 30, Saturday. It was a 'gut-wrenching' loss for South Africa, who fell short by just 7 runs to lift their maiden World Cup trophy. The Proteas had made it to their first-ever World Cup final.

South Africa were on the verge of shedding the 'chokers' tag, but the Indian bowlers staged one of the most dramatic comebacks in the history of the T20 World Cup final. South Africa were cruising in the chase as they needed just 30 runs in the last 30 balls. However, Hardik Pandya picked the wicket of Heinrich Klaasen and the equation came to 16 needed off the last over. India managed to defend the total of 176 runs and win the title. While addressing the post-match press-conference, Markram said that they came a step closer this time and will look to lift their first-ever title the next time.

"Hopefully it's one step closer. It's tournament cricket, it's tough cricket, it's not easy to win trophies and you've got to take your hats off to a team like India for lifting the trophy. A lot of hard work goes into it. But yeah, we'd like to think we're one step closer and hopefully moving forward we can get that first win and it can be a snowball effect of quite a few to come," Markram said.

India creates history

The Proteas captain was 'gutted' with the loss and admitted that the total was chaseable. He was proud of the team for how they batted as well as bowled. "Gutted for the time being. It'll take some time for us to have a really good reflection on a really good campaign the group had. Obviously, for the time being, like I mentioned, it hurts quite a bit. Having said that, I'm incredibly proud of this group of players and everyone involved with the team. I feel they bowled well. Don't think there was a whole lot to work with regards to the pitch. Thought we did well to restrict them to what we thought was a chaseable total. Thought we batted really well as well, and it came down to the wire," Markram said in the post-match presentation.

# Raashii Khanna

## Introduces Adorable Niece In Heartwarming Instagram Post

Actress Raashii Khanna is one of the most prominent figures in the film industry. The actress started as a supporting actress in the film Madras Café in 2013. She has done several exciting projects across various languages and has garnered a lot of love from the audience. The diva is known for Jai Lava Kusa, Supreme, Bengal Tiger and Tholi Pema. Apart from this, she is also active on social media and shares her day-to-day activities. The actress posted a series of pictures of herself with a baby girl on her latest social media post. Taking to Instagram, she shared a bunch of pictures with her niece and wrote, "Our family just got a whole lot cuter with the arrival of my beautiful niece. I already love you more than words can say, our little princess."

In the latest post, she is wearing a sky blue ruffled sleeveless flared maxi dress paired with gold ear studs. The actress opted for a half-tied hairstyle. She is seen holding a baby girl in a pink baby suit and matching cap. As soon as the actress shared the post, fans commented with heart emojis and congratulations messages. Currently, the photos are going viral on the internet. The actress recently bought a new,



luxurious home in Hyderabad. The pictures of the ceremony were shared by the fans and went viral on social media.

She recently appeared in a Bollywood film Yodha, starring Sidharth Malhotra and Disha Patani. The film was directed by Sagar Ambe and Pushkar Ojha. This year, she also appeared in the Tamil-language comedy-horror film Aranmanai 4. The film is directed by Sundar C and produced by Avni Cinemax and Benz Media (P) Ltd. Khanna is known to the Telugu industry through the film Oohalu Gusagusalade in 2014. After that, she acted in the Tamil film Imaikka Nodigal in 2018. The actress starred in several successful films like Bengal Tiger (2015), Supreme (2016), Jai Lava Kusa (2017), Tholi Prema (2018), Imaikka Nodigal (2018), Venky Mama (2019), Prati Roju Pandage (2019), Thiruchitrambalam (2022), Sardar (2022) and Aranmanai 4 (2024) in Telugu and Tamil cinema.



## When Navya Nanda Said Agastya Nanda's Girlfriend 'Would Have To Go Through' Jaya Bachchan, Shweta



Agastya Nanda is rumoured to be dating Shah Rukh Khan's daughter, Suhana Khan. The two have been rumoured to be dating since they made their debut together in Zoya Akhtar's The Archies. While they haven't reacted to this speculation, fans often gush over them when they are spotted together. Amid this, an old clip of Navya Nanda has gone viral in which she said that any woman in Agastya's life would have to go through her, Shweta Bachchan and Jaya Bachchan. In an episode of What The Hell Navya, Navya said, "If any girl had to come in his life or be in his life, she'd have to go through us three. I think I'm the easiest." Agastya said that Jaya Bachchan would be the "hardest", Shweta Bachchan would be second and then Navya. This left Jaya Bachchan in splits.

Agastya added, "You all are watered-down versions of each other. Nani (Jaya Bachchan) is there (points upwards), then mom, and then you (Navya). But I know that you all are the same person." The clip resurfaced on Reddit recently and went viral amid rumours of Suhana and Agastya dating. Although Shah Rukh Khan's daughter Suhana Khan and Amitabh Bachchan's grandson Agastya Nanda have been rumoured to be dating for a while now, neither has addressed this speculation.

On the work front, Suhana Khan is gearing up for her first feature film. It was reported earlier that Suhana Khan will be teaming up with her father Shah Rukh Khan for her next film, titled King. The film will be directed by Sujoy Ghosh and Siddharth Anand will be overseeing the action. As per latest reports, the film will go on floors in May this year. The film will be produced by Shah Rukh Khan's Red Chillies Entertainment with Siddharth Anand's Marflix Entertainment. Meanwhile, Agastya Nanda will soon be seen in Sriram Raghavan's Ikkis alongside Dharmendra and Jaideep Ahlawat. Ikkis, meaning 'twenty-one,' is a coming-of-age drama centred on the poignant relationship between a father and son during the 1971 Indo-Pak War. Agastya Nanda portrays Second Lieutenant Arun Khetrapal, with veteran actor Dharmendra playing his father, Brigadier M.L. Khetrapal.

## Pankaj Tripathi Denies Pankaj Jha's Claims Of Glamourising Struggles, Labels Comments As 'Noise'



Actor Pankaj Tripathi has responded to comments made by fellow actor Pankaj Jha, who suggested that Tripathi had "glamorised" his struggles in the industry. Tripathi, who gained widespread recognition from his role in Anurag Kashyap's 2012 film Gangs of Wasseypur, asserted that he has never sought to "romanticize" his challenges within the cinematic world. The exchange arose after Pankaj Jha, celebrated for his role as Vidhayak ji in the series Panchayat, remarked in an interview with The Lallantop that individuals pursuing their passion should relish their journey rather than lament the hurdles they encounter. Pankaj Jha recently shared his perspective on how struggles in the entertainment industry are often glamorized. He remarked, "As we've seen often in the industry, people like to glamorise their struggles. Some people say they sold potatoes, others say they lived in a tiny house, some say they stole another actor's slippers. I feel every situation is a learning experience." Jha's comment references a memorable anecdote shared on The Kapil Sharma Show, where Manoj Bajpayee recounted how Pankaj Tripathi once took one of his slippers as a memento while working at a hotel where Bajpayee was staying as a guest. In a recent interview with India Today, Pankaj Tripathi responded to comments made by Pankaj Jha, clarifying, "I never romanticised my journey or struggles. Yes, I did mention that my wife used to earn while I looked for work. I never said that I would tie a gamcha (towel) on my waist and sleep outside Andheri station. I had a good and happy life when we moved to Mumbai. I have never tried to glamorise or seek sympathy from it."

# Shriya Saran

## Aces Minimalistic Ethnic Look In Beige Sheer Saree

Shriya Saran is totally killing it with her fashion sense. Trust her to take your breath away with her choice of attire. From dishing out hot chic vibes in a simple t-shirt and denim shorts to exuding elegance in a couture show and walking the ramp, she can do it all. Recently, the actress served the ultimate ethnic wear goals and shared an array of pictures on social media that has left her fans floored. Shriya Saran never leaves an opportunity to stun her fans. This time too, she left everyone in awe of her surreal beauty. She chose to drape a bedazzled and embellished beige-coloured sheer saree that made her look spectacular. She further added a matching sequinned blouse with sheer panel details and embellishments on the bust.



To further accentuate her look, Shriya Saran added some gold-toned accessories like a necklace and matching earrings. She also wore a few rings and a silver bracelet. She also opted for muted-coloured block heels to go with her look. For make-up, she opted to keep it subtle by showcasing her flawless skin, light smokey eyes, mascara on the lids and pink lips.

She made her fans go into a frenzy. One fan wrote, "OMG, are you even real?" Another commented, "Marvellous photos." One fan compared her to "wine" hinting that she has aged like a fine wine.

Just a few days back, she took the internet by storm with yet another choice of outfit that will make your jaws hit the floor. The actress chose a stunning purple outfit which she paired with a dark bluish-green cape and the

results are astonishing. She wore a purple bralette and she paired it with a dramatic thigh-high slit purple skirt with floral prints all over. Making a case for maximalist fashion, she added a layer of a knee-length dark-hued cape-cum-jacket with huge floral prints on it. To accessorise this look, she added statement earrings that added an extra panache and a gold-toned spiral bracelet, which made it look like stacked bangles. Finally, she added shimmery peep-toe heels. She opted for light makeup, liner on the eyes and muted pink lips.

